शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, शनिवार 12 जुलाई 2025 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 02, संवत 2082 ● रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 95 ● मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.4	23.0
डालटनगंज	28.4	24.5
धनबाद	30.9	25.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ब्रीफ न्यूज

शेख हसीना की और बढ़ेंगी मुश्किलें

ढाका। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में मानवता के विरुद्ध अपराध के एक मामले में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ उनकी अनुपस्थिति में आरोप तय किए गए. विशेष न्यायाधिकरण ने मुकदमे की शुरुआत की तारीख 3 अगस्त तय की गई है. जस्टिस गुलाम मुर्तुजा की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति ने हसीना, असदुज्जमां खान और पूर्व पुलिस प्रमुख चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून पर पांच आरोपों में अभियोग लगाया.

अब हेल्थकेयर सेक्टर में अडानी की होगी एंट्री!

नयी दिल्ली। भारत के हेल्थ सेक्टर में आपको आने वाले दिनों में बड़ा बदलाव दिखने वाला है. उद्योगपति गौतम अडानी ने शुक्रवार को ऐलान किया है कि अडानी अब स्किल डेवलपमेंट, एजुकेशन और हेल्थ सर्विसेज के लिए पहले से घोषित किए गए साठ हजार करोड़ का बड़ा हिस्सा देश के हेल्थकेयर सिस्टम को और बेहतर बनाने के लिए लगाया जाएगा. सर्जनों को मुंबई में संबोधित करते हुए गौतम अडानी ने कहा कि आज देश के अंदर लोगों में बैक लोअर पेन यानी रीढ़ की समस्या काफी बढ़ गई है.

नेपाली तस्करों ने किया जवानों पर हमला

पूर्वी चंपारण। नेपाल सीमा से सटे रेगनिया बॉर्डर के निकट स्थित द्वार देवी माई मंदिर के पास नेपाल के रमसगरा ढाठ के यूरिया खाद के तस्करों ने 71वीं वाहिनी जवानों पर पत्थर से हमला बोल दिया. सभी भारत से नेपाल की ओर से खाद ले जा रहे थे. जवानों ने तस्करों को रोकने का प्रयास किया तो तस्करों द्वारा जिसमें महिलाएं भी शामिल थीं. जवानों पर हमला कर दिया गया और जवानों का हथियार छीनने का प्रयास किया गया. जवानों ने हवाई फायरिंग की.

ट्रंप ने 1,300 कर्मियों को नौकरी से निकाला

वाशिंगटन। अमेरिका का विदेश मंत्रालय भी छंटनी की तैयारी कर रहा है. मंत्रालय ने अपने कर्मचारियों को कहा है कि वह जल्द ही छंटनी के लिए नोटिस जारी करेंगे. ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से ही वे संघीय सरकार के आकार को कम करने में जुटे हैं. इसके तहत कई सरकारी विभागों से छंटनी की गई हैं. विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को 1,300 से ज्यादा कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है. एक अधिकारी के अनुसार, जिनको हटाया गये, उनमें 1,107 लोकसेवक शामिल हैं.

सरकार को नागरिकता रद्द करने का अधिकार

नोम पेन्ह। कंबोडिया की संसद ने शुक्रवार को एक संविधान संशोधन को पारित किया, जो सरकार को उन लोगों की नागरिकता रद्द करने का अधिकार देगा. नेशनल असेंबली ने सर्वसम्मति से संविधान में संशोधन को मंजूरी दी. इस बदलाव के बाद सरकार अब ऐसा कानून बना सकेगी जो पहली बार किसी व्यक्ति की नागरिकता को रद्द करने की अनुमति देगा. यह कानून उन लोगों पर भी लागू होगा जो जन्म से कंबोडियाई नागरिक हैं, दोहरी नागरिकता रखते हैं.

कैबिनेट की बैठक : 27 प्रस्तावों को मिली मंजूरी, झारखंड विस का मानसून सत्र 1 अगस्त से

सरकारी कर्मियों का डीए 6% बढ़ा

शुभम संदेश। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में झारखंड कैबिनेट की अहम बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में राज्यहित से जुड़े कुल 27 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई. इन प्रस्तावों में बुनियादी ढांचे के विकास, वित्तीय प्रशासनिक सुधार, सेवा से बर्खास्तगी और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले शामिल हैं. झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र 1 अगस्त से शुरू होगा, जो 7 अगस्त तक चलेगा. इस सत्र में कुल पांच कार्य दिवस होंगे. 2 और 3 अगस्त को अवकाश रहेंगे. माना जा रहा है कि झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार अनुपूरक बजट भी पेश कर सकती है. सरकारी कर्मचारी और पेंशनधारियों के महंगाई भत्ता में 6 फ़ीसदी की वृद्धि की गई है, संस्था निबंधन नियमावली गठन की स्वीकृति दी गई. सभी थानों में चार पहिया और दो पहिया वाहन के खरीद की स्वीकृति दी गई. दो पहिया वाहनों की खरीद में 20 करोड़ 41 लख रुपए खर्च किए जाएंगे और चार पहिया वाहनों की खरीद में 126.38 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे. इसके अलावा कई अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी मिली है.

हर जिले को विकास की मुख्यधारा से जोड़े : सीएम

इन निर्णयों से राज्य के आधारभूत ढांचे में सुधार, वित्तीय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, और सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी. खासकर सड़क परियोजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आम जनता के हित में लगातार निर्णय ले रही है, और हर जिले को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिश की जा रही है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गए दिल्ली, राष्ट्रपति झारखंड आएंगी

रांची। झारखंड कैबिनेट की बैठक समाप्त होने के साथ ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को फिर दिल्ली रवाना हो गए. वहां वह पिता शिबू सोरेन के इलाज और देखभाल में सहयोग करेंगे. मालूम हो कि शिबू सोरेन 19 जून से दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती हैं. वहां उनका गहन इलाज जारी है. मुख्यमंत्री भी 24 जून से 9 जुलाई तक उनकी देखभाल के लिए दिल्ली में ही डेरा जमाए हुए थे. लेकिन 10 जुलाई को पूर्वी क्षेत्रीय परिषद और 11 जुलाई को कैबिनेट की बैठक

को लेकर मुख्यमंत्री नौ जुलाई की रात रांची आए थे.

इधर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड

आ रही है. राष्ट्रपति भवन से राज्य सरकार को भेजी गयी सूचना के अनुसार द्रौपदी मुर्मू 31 जुलाई को देवघर आएंगी. एक अगस्त को बाबा मंदिर में पूजा अर्चना के बाद देवघर एम्स के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी. दीक्षांत समारोह में शामिल होने के बाद वह अपने गंतव्य को लौट जाएंगी. हालांकि राष्ट्रपति के दौरे का अभी विस्तृत कार्यक्रम नहीं आया है. मालूम हो कि इससे पूर्व भी वह देवघर एम्स के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए आनेवाली थी. लेकिन अंतिम समय में उनका देवघर दौरा स्थगित कर दिया गया था.

बैठक के प्रमुख निर्णय इस प्रकार हैं

जिला के अनटाइड फंड के इस्तेमाल की गाइडलाइन में बदलाव : राज्य सरकार ने अनटाइड फंड के उपयोग को लेकर मौजूदा गाइडलाइन में संशोधन को मंजूरी दी है. इससे जिलों को अपने अनुसार प्राथमिकताओं के अनुरूप फंड का उपयोग करने की अधिक लचीलापन मिलेगा.

दो प्रमुख सड़कों के लिए 70 करोड़ से अधिक की स्वीकृति : ची के सिल्ली रंगा

माटी सड़क के निर्माण हेतु 32 करोड़ की मंजूरी दी गई. रांची के कुमारिया से संग्रामपुर तक सड़क के निर्माण हेतु 38 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं.

दो डॉक्टर सेवा से बर्खास्त : कैबिनेट ने जामताड़ा में पदस्थापित डॉ. नेहा सिंह को सरकारी सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया है. बर्खास्तगी के कारणों में सेवा शर्तों का उल्लंघन और प्रशासनिक लापरवाही की संभावना जताई जा रही है. इसके अलावा वर्ष 2021 से अनुपस्थित चल रहे डॉ. अभिनीत सिद्धार्थ को भी बर्खास्त करने पर मुहर लगाई गई.

एकीकृत पेंशन योजना को मंजूरी : राज्य सरकार ने एकीकृत पेंशन विकल्प योजना को कैबिनेट की मंजूरी प्रदान की है. इस योजना के तहत विभिन्न पेंशन योजनाओं को एकीकृत करते हुए सरकारी कर्मचारियों को अधिक पारदर्शिता और स्थायित्व प्रदान किया जाएगा. केंद्र सरकार के फैसले के आलोक में झारखंड सरकार ने भी अपने यहां इस विकल्प को चुनने का फैसला किया.

थानों से जर्जर वाहन हटाए जाएंगे : झारखंड के थानों से पुरानी और जर्जर गाड़ियों को हटाया जाएगा. अपराधियों को पकड़ने और क्राइम कंट्रोल के लिए पुलिस को 2952 नई पेट्रोलिंग गाड़ियां मिलेगी. कैबिनेट की बैठक में हेमंत सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. गृह कारा और आपदा प्रबंधन विभाग ने कैबिनेट में लाए अपने प्रस्ताव में कहा कि राज्य के सभी थानों में पहले से उपलब्ध अधिकांश वाहनों की स्थिति जर्जर हो गई है थानों में वाहनों के कम संख्या और पुराने वाहन उपलब्ध रहने के कारण पेट्रोलियम करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है. विभाग ने 1255 चार पहिया वाहन और 1697 दो पहिया वाहन खरीदने का प्रस्ताव दिया है. इन वाहनों के खरीद में लगभग 146 करोड़ 79 लाख 63 हजार 849 रुपए खर्च होंगे. वाहनों की खरीद जेम पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा.

कैबिनेट के अन्य प्रमुख फैसले

- जमशेदपुर के सिविल सर्जन रहे डॉ. अरविंद कुमार लाल की सेवा से बर्खास्तगी का फैसला वापस ले लिया गया है. हाईकोर्ट ने डॉक्टर लाल के पक्ष में फैसला दिया था.
- झारखंड अवर शिक्षा सेवा के सृजित 465 पदों में से 318 पद प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के लिए कर्नांकित किया गया.
- पीएम कृषि सिंचाई योजना के तहत चार संस्थाओं के साथ एमओयू किया जाएगा.
- झारखंड संस्था निबंध नियमावली 2025 का गठन किया गया. इसके गठन होने से निबंधन की प्रक्रिया में ऑनलाइन व्यवस्था को समाहित किया गया है.
- साथ ही निबंधन शुल्क में भी बढ़ोतरी की गई. अब संपूर्ण भारत के लिए 3000 रुपए संपूर्ण राज्य के लिए 2000 रुपए संस्था के उद्देश्यों में संशोधन के लिए 1000 रुपए तथा केंद्र एवं राज्य प्रायोजित कार्यक्रम के निबंधन के लिए 50 रुपए की राशि लगेगी. विवाद होने पर आईजी रजिस्ट्रेशन अपील की सुनवाई करेंगे.
- पुनरीक्षित वेतनमान ले रहे कर्मियों एवं पेंशन भोगियों को 1 जनवरी 2025 से 246 प्रतिशत की जगह 252 फीसदी महंगाई भत्ता मिलेगा.
- एकीकृत बिहार पंचायती राज के कर्मियों के भुगतान के लिए राशि की मंजूरी दी गई.
- स्वर्गीय मंत्री जगन्नाथ महतो के इलाज पर हुए खर्च के लिए 44 लाख रुपए की मंजूरी दी गई.
- कर्माटांड पथ निर्माण के लिए 131 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए.
- नई उत्पादन नीति के तहत खुदरा दुकानों का संचालन प्रारंभ होने तक वैकल्पिक व्यवस्था के तहत संचालित दुकानों के सेल्समैन को श्रम विभाग द्वारा स्वीकृत दर पर दैनिक पर पारश्रमिक का भुगतान किया जाएगा.
- कुमुदिनी टुडू, झाप्रसे के खिलाफ (दो) वेतनवृद्धि पर रोक यथावत रखने की स्वीकृति.
- शिव कुमार प्रसाद, स्वै. सेवानिवृत्त पुलिस अवर निरीक्षक के चिकित्सा में हुए व्यय की प्रतिपूर्ति हेतु 10,20,966 रुपए की स्वीकृति दी गई.

217 डॉक्टरों को इरफान अंसारी 22 जुलाई को देंगे नियुक्ति पत्र

शुभम संदेश। रांची

राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 126 विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारियों (एसएमओ) और 91 सामुदायिक स्वास्थ्य

अधिकारियों (सीएचओ) की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) द्वारा सभी चयनित अधिकारियों के नियुक्ति पत्र तैयार कर लिए गए हैं, जिन्हें 22 जुलाई को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी सौंपेंगे. यह राज्य गठन के बाद अब तक की सबसे बड़ी चिकित्सा नियुक्ति मानी जा रही है. स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा, मैं स्वयं एक डॉक्टर हूं, मुझे सिस्टम की हर कमजोरी और जरूरत का ज्ञान है. डॉक्टरों की कमी दूर करना मेरी प्राथमिकता है. उन्होंने बताया कि झारखंड के प्रत्येक जिले में अब पर्याप्त संख्या में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की जा रही है, जिससे मरीजों को अपने घर के पास ही बेहतर इलाज मिल सकेगा और उन्हें बाहर रेफर करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी. संथाल परगना जैसे पिछड़े क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए वहां अधिक संख्या में डॉक्टरों की नियुक्ति की गई है.

पीएम मोदी आज 51 हजार से अधिक को देंगे नियुक्ति पत्र

एजेंसियां। नयी दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नियुक्त हुए युवाओं को 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे.

इस अवसर पर मोदी इन युवाओं को संबोधित भी करेंगे. पीएमओ ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस बार 16वां रोजगार मेला देशभर के 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा. इन मेलों के माध्यम से चयनित युवा देश के विभिन्न हिस्सों से आए हैं और वे जल्द ही अपने-अपने मंत्रालयों और विभागों में कार्यभार संभालेंगे. यह नियुक्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में की जा रही हैं, जिनमें रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवाएं विभाग, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय सहित अन्य विभाग शामिल हैं. रोजगार मेला पीएम मोदी की युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है. यह पहल युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. अब तक देशभर में आयोजित रोजगार मेलों के माध्यम से 10 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं.

भुवनेश्वर में राहुल गांधी का भाजपा पर हमला, कहा

बिहार में चुनाव चोरी करने की साजिश

एजेंसियां। भुवनेश्वर

भुवनेश्वर में कांग्रेस के संविधान बचाओ समावेश कार्यक्रम में शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला. बिहार में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा महाराष्ट्र की तरह अब बिहार में चुनाव को चोरी करने की साजिश कर रही है. लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही है. मैं बिहार में था. जिस तरह महाराष्ट्र में चुनाव की चोरी की गई, उसी तरह का प्रयास बिहार में किया जा रहा है. चुनाव की चोरी के लिए चुनाव आयोग ने एक नई साजिश रची है. चुनाव आयोग भाजपा की शाखा के रूप में काम कर रहा है, वह अपना काम नहीं कर रहा है.

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच एक करोड़ नए मतदाता जोड़े गए. कोई नहीं जानता कि ये मतदाता कौन थे और वे कहां से आए थे? हमने चुनाव आयोग से कई बार कहा कि हमें मतदाता सूची और वीडियोग्राफी उपलब्ध कराएं. लेकिन चुनाव आयोग ने हमें यह उपलब्ध नहीं कराया. राहुल ने कहा कि बिहार में मैंने विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं से कहा कि हम चुनाव आयोग और भाजपा को बिहार चुनाव की चोरी नहीं करने देंगे.

अडानी चलाते हैं ओडिशा सरकार : राहुल गांधी ने कहा कि अडानी ओडिशा सरकार चलाते हैं, अडानी नरेंद्र मोदी को चलाते हैं. जब ओडिशा में जगन्नाथ यात्रा निकाली जाती है, जब जगन्नाथ यात्रा के रथ खींचे जाते हैं, तो लाखों लोग इसे देखते हैं और इसका अनुसरण करते हैं. फिर एक नाटक होता है - अडानी और उनके परिवार के लिए रथ रोक दिए जाते हैं. इससे आपको ओडिशा सरकार के बारे में सब कुछ समझ में आ जाएगा. यह ओडिशा सरकार नहीं है, यह अडानी जैसे 5-6 अरबपतियों की सरकार है. इसका लक्ष्य आपकी जमीन, जंगल और भविष्य को चुराना है. उन्होंने कहा कि कुछ नया शुरू हुआ है. ओडिशा में 40,000 से ज़्यादा महिलाएं गायब हो गईं. आज तक पता नहीं चला कि ये महिलाएं कहां गईं? यहां हर दिन महिलाओं पर अत्याचार होता है. उनके साथ दुष्कर्म होता है. ओडिशा में हर दिन 15 महिलाओं के साथ दुष्कर्म होता है. आपकी सरकार चौबीसों घंटे आपका खून चूसती है, आपकी जमीन छीनती है.

पाकिस्तान से बोले एनएसए अजीत डोभाल

एक फोटो दिखाइए, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत को कोई नुकसान हुआ हो...

- डोभाल ने कहा कि टेक्नोलॉजी और वॉरफेयर के बीच संबंध हमेशा महत्वपूर्ण होता है. हमें ऑपरेशन सिंदूर पर नाज है.

एजेंसियां। चेन्नई

पाकिस्तान के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बयान दिया है. उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान भारत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा. डोभाल ने आईआईटी मद्रास में अपने संबोधन के दौरान कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विदेशी मीडिया ने झूठी खबरें फैलाई हैं. मुझे एक तस्वीर दिखाइए, जिसमें भारत को नुकसान पहुंचा हो. भारत को इस दौरान कोई नुकसान नहीं पहुंचा.

डोभाल ने कहा कि टेक्नोलॉजी और वॉरफेयर के बीच संबंध हमेशा महत्वपूर्ण होता है. हमें ऑपरेशन सिंदूर पर नाज है. हमें गर्व है कि इस ऑपरेशन के दौरान हमने स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया. हमने

सीमापार नौ पाकिस्तानी ठिकानों पर हमले का फैसला किया था. इनमें सीमावर्ती इलाके में एक भी ठिकाना नहीं था. हमारे सभी निशाने सटीक रहे. हमने सिर्फ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया.

उन्होंने कहा कि यह पूरा ऑपरेशन 23 मिनट का था. मुझे एक तस्वीर दिखा दीजिए, जिसमें भारत को नुकसान पहुंचा हो. यहां तक कि एक गिलास भी नहीं टूटा. विदेशी मीडिया ने कई चीजें कहीं. उन्होंने कुछ चुनिंदा तस्वीरों को आधार बनाकर पाकिस्तान के 13 एयरबेस को लेकर कई बातें कहीं. लेकिन 10 मई से पहले और इसके बाद पाकिस्तान के 13 एयरबेस की सैटेलाइट तस्वीरें देखें. सब साफ हो जाएगा. बता दें कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम अटैक के जवाब में भारतीय सेना ने 7 मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर चलाया था. इसके तहत, भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को उड़ा दिया था. इससे बौखलाकर पाकिस्तानी सेना ने भारत के सैन्य और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया था. चार दिन तक चले सैन्य टकराव के बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर हो गया था.

डोभाल ने उड़ाई मुनीर की नींद! बार-बार ले रहे नाम

नयी दिल्ली। पाकिस्तान में एक बार फिर से बड़ा अटैक हुआ है. कुछ हमलावरों ने एक बस को शिकार बनाया और 9 यात्रियों की गोली मारकर हत्या कर दी है. पाकिस्तान में इससे पहले भी कई बार अटैक हो चुके हैं. बलूचिस्तान की ओर से लगातार पाक का विरोध हो रहा है, लेकिन पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर इसके लिए भारत को जिम्मेदार मानते हैं. मुनीर के बयान से लगता है कि उनकी नींद एनएसए अजीत डोभाल की वजह से उड़ी हुई है. पाक आर्मी के चीफ फील्ड मार्शल मुनीर ने दावा किया है कि भारत प्रॉक्सी वॉर कर रहा है और वह देश को अस्थिर करना चाहता है. पाकिस्तानी न्यूज वेबसाइट डॉन की खबर के मुताबिक मुनीर ने भारत पर आरोप लगाते हुए कहा, अजीत डोभाल की वजह से पाकिस्तान में आतंकी घटनाएं हो रही हैं. भारत इन आतंकी संगठनों को मदद दे रहा है. वह पाकिस्तान के साथ प्रॉक्सी वॉर कर रहा है. वे पाक के हालात बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं. मुनीर इससे पहले भी भारत के खिलाफ आग उगल चुके हैं.

राजनीति में हलचल : आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का इशारा किधर

उम्र हो गई, 75 साल में हो जाओ रिटायर!

एजेंसियां। नागपुर

75 की उम्र में रिटायरमेंट का सवाल फिर सुर्खियों में है. आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने यह कह कर हलचल मचा दी है कि 75 की उम्र होने के बाद दूसरों को भी अवसर देना चाहिए. वे हाल ही में राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रेरक दिवंगत मोरोपंत पिंगले पर लिखी पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि जब आपको 75 साल पूरे होने पर शॉल ओढ़ाई जाती है, तो इसका अर्थ यह होता है कि हमारी उम्र हो चुकी है, अब हम थोड़ा किनारे हो जाएं. हालांकि भागवत ने पीएम नरेंद्र मोदी या किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन विपक्ष इसे प्रधानमंत्री मोदी से जोड़ रहा है. बता दें कि पीएम मोदी और मोहन भागवत इसी साल 17 सितंबर को 75 साल के हो जाएंगे.

भागवत के बयान पर विपक्ष का तंज

भागवत के बयान पर शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने तंज कसते हुए कहा, पीएम मोदी ने आडवाणी, मुरली मनोहर, जसवंत सिंह जैसे बड़े नेताओं को जबरन रिटायर कर दिया था. अब देखते हैं कि मोदी इसका खुद पालन करते हैं या नहीं. शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 75 साल के संन्यास वाले बयान पर कहा कि आरएसएस और भाजपा के बीच मतभेदों पर चर्चा हुई थी. अब, उनकी (मोहन भागवत) टिप्पणी से यह स्पष्ट है. पीएम मोदी का नाम लिये बिना प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मैं यह नहीं बताना चाहूंगी कि यह टिप्पणी किसके लिए की गयी थी, लेकिन सभी जानते हैं कि सितंबर में कौन 75 साल का हो रहा है. कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने तंज कसते हुए एक्स पर पोस्ट किया.

बेचारे अवार्ड-जीवी प्रधानमंत्री! कैसी घर वापसी है. लौटते ही सरसंघचालक के द्वारा याद दिला दिया गया कि 17 सितंबर 2025 को वे 75 साल के हो जाएंगे. लेकिन प्रधानमंत्री सरसंघचालक से भी कह सकते हैं कि वे भी तो 11 सितंबर 2025 को 75 के हो जाएंगे! एक तीर, दो निशाने!

भाजपा में चली आ रही परंपरा

जान लें कि भाजपा में एक निश्चित उम्र तक पद पर बने रहने को लेकर कोई आधिकारिक नियम नहीं है. हालांकि कहीं-कहीं उम्र सीमाएं लागू हैं. छत्तीसगढ़ भाजपा ने मंडल अध्यक्ष पद के लिए 35 से 45 साल और जिला अध्यक्ष पद के लिए 45 से 60 साल की उम्र सीमा निर्धारित है. वैसे भाजपा ने 75 साल की उम्र पर कई नेता रिटायर कर दिये हैं. 2014 में पहली बार पीएम बनने वाले नरेंद्र मोदी ने अपनी कैबिनेट में 75 से कम उम्र के सांसदों को शामिल किया था. 2019 के लोकसभा चुनाव में 75 साल से अधिक उम्र के कई वरिष्ठ नेताओं के टिकट काट दिये गये थे. इनमें लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुमित्रा महाजन और कड़या मुंडा आदि नेता शामिल थे.

आंध्र प्रदेश के मेडिकल कॉलेज की 50 छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न!

विजयवाड़ा । आंध्र प्रदेश के काकीनाडा रंगाराय मेडिकल कॉलेज की 50 छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है. लड़कियों ने कॉलेज के ही 4 कर्मचारियों पर आरोप लगाया है. मामले को गंभीरता से लेते हुए आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. पुलिस ने छात्राओं को परेशान करने के आरोप में 3 लैब टेक्नीशियन को हिरासत में लिया है, जबकि एक मुख्य संदिग्ध फरार है. ये सभी कॉलेज के विभिन्न विभागों में कार्यरत हैं. चौथा आरोपी बायोकेमिस्ट्री लैब अटेंडेंट कल्याण चक्रवर्ती फरार है. जिन 50 छात्राओं ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है वो यहां मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी में बीएससी और डिप्लोमा कर रही हैं. 8 जुलाई को कई छात्राओं की शिकायत के बाद कॉलेज की आंतरिक समिति ने एक जांच की.

सांप के डंसने से विधायक के दो नाती समेत तीन की मौत

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

पलामू जिले के चैनपुर क्षेत्र में सर्पदंश की दो अलग-अलग घटनाओं में विधायक आलोक चौरसिया के दो नाती और एक महिला की मौत हो गई. जबकि विधायक आलोक चौरसिया के दामाद और मृतक महिला के पति की हालत गंभीर बनी हुई है.

घटना पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के नरसिंहपुर पथरा और बासडीह की है. नरसिंहपुर पथरा में विधायक आलोक चौरसिया के भाई भीषम चौरसिया के दामाद प्रेम चौरसिया और उनके दो बेटों अर्जुन और देव को बीती देर रात एक जहरीले सांप ने डस लिया. तीनों को इलाज के लिए मेदिनीराय हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया. जहां से सभी को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया. परिजन तीनों को इलाज के लिए तुंबागड़ा स्थित निजी अस्पताल ले गए. लेकिन रास्ते में ही अर्जुन कुमार और देव कुमार की मौत हो गई. वहीं प्रेम चौरसिया की हालत गंभीर बनी हुई है. तीनों घर में एक साथ सो रहे थे और इसी दौरान उन्हें सांप ने डस लिया. विधायक के करीबी ज्ञानधन चौरसिया ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद सभी लोग घटनास्थल पर पहुंच गए हैं. इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद पूरा गांव मातम में डूबा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. इस बीच, पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के बासडीह गांव निवासी भिखारी भुइयां और उनकी पत्नी शकुंतला को भी गुरुवार की देर रात जहरीले सांप ने डस लिया. दोनों पति-पत्नी जमीन पर सो रहे थे, तभी सांप ने उन्हें डस लिया. दोनों को इलाज के लिए मेदिनीराय राय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है. जहां इलाज के दौरान शकुंतला देवी की मौत हो गई.

रांची में पहली बार भारतीय तटरक्षक बल में करियर-अवसरों के लिए शुरू हुआ जागरूकता अभियान

करियर के साथ राष्ट्र सेवा के लिए तटरक्षक बल से जुड़ें युवा : संजय सेठ

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की सकारात्मक पहल

शुभम संदेश। रांची

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह आह्वान है कि देश के अधिक से अधिक युवा देश की सुरक्षा में अपनी भागीदारी निभाएं. इसके मद्देनजर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मार्गदर्शन में रक्षा मंत्रालय देश के विभिन्न हिस्सों में जागरूकता अभियान चला रहा है. इसी उद्देश्य के साथ रांची में भारतीय तटरक्षक बल द्वारा एक ऐसे अभियान की शुरुआत की जा रही है, जो पहले कभी नहीं हुआ. ये बातें रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ ने शुक्रवार को कहीं. वे केंद्रीय कार्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे. कहा कि यह झारखंड के युवाओं के लिए स्वर्णिम अवसर है कि वे भी राष्ट्र प्रथम की भावना से करियर और राष्ट्र सेवा दोनों कार्य साथ-साथ कर सकें. भारतीय तटरक्षक बल द्वारा देश के युवा विद्यार्थियों को आकर्षित करने के लिए स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता सह भर्ती अभियान चलाया जा रहा है. यह अभियान रांची में पहली बार शुरू हुआ है, जो 20 जुलाई 2025 तक चलेगा.उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंधु के बाद देश के युवाओं में रक्षा क्षेत्र के प्रति आकर्षण भी बढ़ा है और उत्साह भी बढ़ा है. इसी उद्देश्य के साथ इस अभियान का शुभारंभ रांची में किया जा रहा है.

आकर्षक करियर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना अभियान का उद्देश्य

उन्होंने कहा कि इसकी जिम्मेदारियां अत्यंत व्यापक और महत्वपूर्ण हैं, जिनमें भारत के समुद्री हितों की रक्षा, समुद्री कानूनों का प्रवर्तन, तटीय सुरक्षा, खोज एवं बचाव कार्य, समुद्री पर्यावरण संरक्षण और समुद्री कानून प्रवर्तन शामिल हैं. अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच भारतीय तटरक्षक बल को एक आकर्षक करियर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना है. अभियान के दौरान, नई दिल्ली स्थित तटरक्षक मुख्यालय की एक टीम छात्रों से सीधे संवाद करेगी, जिससे उन्हें इस सेवा के जीवन शैली और चुनौतियों की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त हो सकेगी. विद्यालयों के संदर्भ में कक्षा 9 और उससे ऊपर के छात्रों को इस कार्यक्रम में शामिल किया जा सकता है, वहीं महाविद्यालयों में सभी इच्छुक छात्रों को इस में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया जा सकता है.

पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से करियर विकल्पों की जानकारी दी जाएगी

अभियान की जानकारी देते हुए भारतीय तटरक्षक बल के डीआईजी सह रिक्रूटमेंट के प्रधान निदेशक केएल अरुण ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों के साथ लगभग 30 मिनट की एक संवादात्मक प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से भारतीय तटरक्षक बल और उसमें उपलब्ध करियर विकल्पों की जानकारी दी जाएगी. डीआईजी ने कहा कि यह अवगत कराते हुए गर्व हो रहा है कि भारतीय तटरक्षक बल, एक वर्दीधारी सेवा, की स्थापना 01 फरवरी 1977 को हुई थी और कोस्ट गार्ड एक्ट, 1978 के अंतर्गत इसे संघ की एक सशस्त्र सेना के रूप में अधिनियमित किया गया. यह बल रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करता है.

एक नजर

राज्यपाल से मुलाकात कर भोजपुरी, मगही, मैथिली अंगिका को नियोजन नीति में शामिल करने की मांग

रांची। राजद महासचिव सह अखिल भारतीय भोजपुरी मगही मैथिली अंगिका मंच के अध्यक्ष कैलाश यादव के नेतृत्व में छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से राजभवन में मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा. प्रतिनिधिमंडल ने भोजपुरी, मगही, मैथिली, अंगिका और भूमिज भाषाओं को झारखंड की नियोजन नीति में क्षेत्रीय भाषाओं के रूप में शामिल करने की मांग की. कैलाश यादव ने बताया कि झारखंड सरकार की अधिसूचना 29 अगस्त 2018 के अनुसार ये भाषाएं राज्य की द्वितीय राजभाषा हैं, लेकिन कर्मचारी चयन आयोग की 2023 की नियमावली में इन्हें क्षेत्रीय भाषा के रूप में मान्यता नहीं दी गई है, जबकि इन भाषाओं को झारखंड के अनेक जिलों में लाखों लोग बोलते हैं और इनकी समृद्ध साहित्यिक परंपरा है. राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और कहा कि वे इस विषय में सरकार को पत्र लिखेंगे. साथ ही सुझाव दिया कि प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मिलकर बात करे. प्रतिनिधिमंडल में अमरनाथ झा, सुधीर गोप, सुरेंद्र मिश्रा, राधेश्याम यादव और सुनील पांडेय शामिल थे.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दुबे को श्रद्धांजलि अर्पित की

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिवंगत चंद्रशेखर दुबे (ददई दुबे) के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. मुख्यमंत्री ने शोक-संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की. मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को दुःख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना ईश्वर से की.

किशोर मंत्री ने परिवहन आयुक्त संजीव बेसरा से मुलाकात की, परमिट नवीकरण का मामला उठाया

रांची। झारखंड चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष सह झारखंड प्रदेश बस ओनर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष किशोर कुमार मंत्री ने परिवहन आयुक्त संजीव कुमार बेसरा से मुलाकात की. मंत्री ने शुक्रवार को एफएफपी बिल्डिंग के परिवहन विभाग में पदस्थापित नवनियुक्त झारखंड परिवहन आयुक्त का स्वागत किया. इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि परिवहन आयुक्त का पद कई वर्षों से रिक्त था. संजीव बेसरा के आने से बस मालिकों में खुशी की लहर दौड़ी है. परिवहन कार्य को गति मिलेगी और परिवहन व्यवसाय का राज्य में विकास तेजी से होगी. किशोर मंत्री ने परिवहन आयुक्त से एक वर्षों से रुके पड़े परमिट नवीनीकरण के मामला को संचिका के माध्यम से नवीकरण करने का अनुरोध किया. साथ ही राज्य परिवहन प्राधिकार की बैठक एक साल से नहीं हुई है, उसे जल्द कराने का अनुरोध किया. किशोर मंत्री ने परिवहन मंत्री दीपक बिरूवा को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने वर्षों से रिक्त परिवहन आयुक्त के पद पर बेसरा को पदस्थापित किया. बेसरा ने आश्वस्त किया कि अब कार्य में तेजी लाई जाएगी. इस अवसर पर संयुक्त राज्य परिवहन आयुक्त प्रवीण प्रकाश, वकील, सुशील तिवारी एवं अशफाक आजम उपस्थित थे.

वरिष्ठ ट्रेड यूनियन नेता कॉमरेड मिथिलेश सिंह का निधन

रांची। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस (सीटू) झारखंड के अध्यक्ष और वरिष्ठ ट्रेड यूनियन नेता कॉमरेड मिथिलेश सिंह का शुक्रवार सुबह निधन हो गया. वे 71 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे.कॉमरेड मिथिलेश सिंह वामपंथी विचारधारा के समर्थक और कॉमरेड एके रॉय के अनुयायी थे. उन्होंने कोयला क्षेत्रों समेत उत्तरी छोटानागपुर के असंगठित मजदूरों को संगठित करने में अहम भूमिका निभाई.सीटू ने उनके निधन को ट्रेड यूनियन आंदोलन के लिए बड़ी क्षति बताया है और उनके परिवार व साथियों के प्रति संवेदना व्यक्त की है. उनकी मृत्यु की खबर मिलते ही सीटू उपाध्यक्ष प्रकाश विप्लव, कोषाध्यक्ष अनिर्बान बोस और सदस्य समीर दास व अमल आजाद गिद्दी स्थित उनके आवास रवाना हुए.

पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को हाईकोर्ट ने नहीं दी जमानत

रांची। टेंडर घोटाला के जरिए करोड़ों रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग करने के आरोपी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की जमानत याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुना दिया है. हाईकोर्ट ने आलमगीर आलम की याचिका को खारिज करते हुए उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया है. हाईकोर्ट के आदेश से आलमगीर आलम को बड़ा झटका लगा है. दरअसल 26 जून को ईडी और बचाव पक्ष की ओर से बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था. आलमगीर आलम की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट में सुनवाई हुई. आलमगीर आलम को रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट ने बेल देने से इंकार करते हुए जमानत याचिका खारिज कर दी थी. जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में जमानत के लिए गुहार लगाई गई थी. लेकिन हाईकोर्ट से उन्हें राहत नहीं मिली.

आधुनिक रक्षा उपकरणों से लैस होगी झारखंड पुलिस

आईईडी बमों से होगा विशेष बचाव

शुभम संदेश। रांची

नक्सलियों के खिलाफ अपनी लड़ाई को अंतिम रूप देने के लिए झारखंड पुलिस के द्वारा बड़ी तैयारी की गई है. नक्सलियों के सबसे घातक हथियार आईईडी बमों को सुरक्षा के साथ पता लगाने और उन्हें नष्ट करने के लिए झारखंड पुलिस अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद करेगी. इसके लिए बकायदा निविदा भी जारी कर दी गई. इसके साथ-साथ सपाई और कई दूसरे तरह के कैमरे की खरीद के लिए भी निविदा निकाली गई है.

महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों के लिए निकाली गई निविदा: झारखंड पुलिस कई महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों की खरीद करेगी. इसके लिए झारखंड पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर टेंडर निकाला गया है. पुलिस मुख्यालय के द्वारा तय किए गए मापदंडों पर जो कंपनी खरा उतरेगी उनसे यह उपकरण खरीदे जाएंगे.

कौन कौन से उपकरण खरीदे जाएंगे: आरएसपी- आरएसपी एक अत्याधुनिक उपकरण है जो विस्फोटकों को पूरी सुरक्षा के साथ पता लगाने और उन्हें नष्ट करने की प्रक्रिया में मदद करती है. इस उपकरण के द्वारा बिना किसी बीडीएस टीम के भी विस्फोटक सामग्री को निष्क्रिय करने का काम किया जाता है. झारखंड पुलिस के द्वारा इस उपकरण की खरीदारी के लिए भी टेंडर निकाला गया है.

- **हुक एंड लाइन सेट-** हुक एंड लाइन सेट एक ऐसा उपकरण है जो विशेष रूप से इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस को नष्ट करता है. इसे रिमोट के द्वारा हैंडल किया जाता है. उदाहरण के लिए अगर मान लीजिए की नक्सलियों के द्वारा किसी जगह पर शक्तिशाली लैंडमाइंस या फिर दूसरे तरह का एक्सप्लोसिव लगाया गया है. तब इस उपकरण के द्वारा रिमोट कंट्रोल के जरिए ही उस एक्सप्लोसिव को नष्ट किया जा सकता है. उपकरण की वजह से मानव हस्तक्षेप की जरूरत नहीं पड़ती है और अगर एक्सप्लोसिव निकालने के दौरान विस्फोट भी हो तो भी किसी की जान नहीं जाती है.
- **सर्विस प्रिजमेटिक लिक्विड कंपास-** सर्विस प्रिजमेटिक लिक्विड कंपास एक विशेष प्रकार का सैया ग्रेट कंपास है जो सर्वेक्षण और नेविगेशन के लिए उपयोग किया जाता है. जमीन के नीचे छिपे विस्फोटकों के पहचान के लिए इस उपकरण का प्रयोग किया जाता है. विस्फोटक किस दिशा में लगाए गए हैं और जमीन में कितने नीचे हैं उसकी जानकारी इस उपकरण के जरिए मिलती है.

नक्सलियो के खिलाफ अभियान में मददगार होंगे उपकरण

झारखंड पुलिस के द्वारा जिन उपकरणों के खरीदारी के लिए निविदा निकाली गई है वह बेहद खास हैं. वर्तमान में झारखंड पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती नक्सलियों का मैन पावर नहीं बल्कि उनके विस्फोटक हैं. खासकर सारंडा में नक्सलियों के द्वारा लगाए गए विस्फोटक ही सारंडा फतह करने में बाधक बने हुए हैं. ऐसे में अगर इन उपकरणों को जल्द से जल्द हासिल कर लिया जाता है तो इनका उपयोग सारंडा में भी किया जा सकता है.

हताहत हो रहे है जवान, 2025 में अब तक तीन शहीद

आपको बता दें कि नक्सल अभियान में लगे सुरक्षा बल किसी भी तरह सारंडा पर फतह करना चाहते हैं, लेकिन जमीन के नीचे बिछाए गए मौत का सामान उनके रास्ते का रोड़ा बन रहे हैं. इसी साल सारंडा के ओडिशा क्षेत्र में सीआरपीएफ के जीडी शहीद हो गए थे. 14 मई को चाईबासा जिला के सीमावर्ती ओडिशा राज्य के राउरकेला जिला के बोलांग थानान्तर्गत जंगली / पहाड़ी क्षेत्र में अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों को लक्षित करके आईईडी ब्लास्ट किया गया. आईईडी विस्फोट की चपेट में आने से सीआरपीएफ 134 बटालियन के सत्यवान कुमार सिंह वीरगति को प्राप्त हुए थे. मार्च 2025 से लेकर अब तक नक्सलियो के द्वारा दो दर्जन बार ब्लास्ट किया गया है. 12 मई 2025 को हुए ब्लास्ट में झारखंड जगुआर के बम निरोधक दस्ते के आरक्षी मनोज कुमार दमाई बुरी तरह से जख्मी हो गए, जिन्हें एयरलिफ्ट कर रांची लाकर इलाज करवाया जा रहा है. इससे पहले 5 मार्च को हुए ब्लास्ट में तीन जवान घायल हुए. 16 मार्च के ब्लास्ट में एक जवान घायल हुआ जबकि 22 मार्च को हुए ब्लास्ट में सीआरपीएफ के सब इंस्पेक्टर सुनील मंडल शहीद हो गए. वहीं सीआरपीएफ के ही हेड कांस्टेबल घायल हो गए. जबकि 13 अप्रैल को हुए ब्लास्ट में जगुआर के कांस्टेबल सुनील धान शहीद हो गए. सारंडा में अभियान से बौखलाये नक्सली थोड़े हमलवार हुए हैं. हालांकि इन सब के बावजूद सुरक्षबलों का अभियान जारी है.

गदर पावर ग्रिड शीघ्र चालू करने की मांग

भाकपा-माले के पूर्व विधायक राजकुमार यादव अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे

शुभम संदेश। रांची/गिरिडीह

गिरिडीह जिले के धनवार विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गदर पावर ग्रिड को चालू करने की मांग को लेकर भाकपा-माले के पूर्व विधायक राजकुमार यादव अपने समर्थकों के साथ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं. यह धरना पावर ग्रिड के उद्घाटन में हो रही लापरवाही और देरी के विरोध में शुरू किया गया है.जानकारी के अनुसार, लगभग 139 करोड़ रुपये की लागत से इस पावर ग्रिड का निर्माण कार्य दो साल पहले ही पूरा हो चुका है, लेकिन अब तक इसे चालू नहीं किया गया है. इस लापरवाही के चलते न सिर्फ करोड़ों के उपकरण धीरे-धीरे खराब हो रहे हैं, बल्कि ग्रिड की पूरी इमारत भी जर्जर होती जा रही है.

पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने राज्य सरकार और प्रशासन से इस मुद्दे पर तुरंत कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने कहा कि यह पावर ग्रिड धनवार क्षेत्र की लगभग 3 लाख की आबादी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है. इसके चालू न होने से लोगों को लगातार बिजली संकट और अनियमित आपूर्ति का सामना करना पड़ रहा है. धरने में शामिल स्थानीय लोगों और समर्थकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द से जल्द ग्रिड को चालू करने की मांग की. उन्होंने बताया कि बिजली की अस्थिरता से आम जनजीवन, खासकर गर्मी के मौसम में, बुरी तरह प्रभावित हो रहा है. फिलहाल प्रशासन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन धरने को मिल रहे जनसमर्थन से यह मुद्दा क्षेत्रीय स्तर पर लगातार तूल पकड़ता जा रहा है.

जोहार पार्टी जल्द करेगी संगठन विस्तार : विजय

रांची। जोहार पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष कुशवाहा विजय महतो ने कहा है कि झारखंड के सभी जिलों में जल्द ही संगठनात्मक कमेटियों का गठन किया जाएगा. उन्होंने बताया कि पार्टी का फोकस अब प्रखंड और ग्राम स्तर तक संगठन के ढांचे को मजबूत करने पर है. अधूरे कार्यों को जल्द पूरा किया जाएगा ताकि पार्टी की जमीनी पकड़ और मजबूत हो सके. महतो शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में अपने प्रदेश कार्यालय में कहा कि झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में क्षेत्रवार समस्याएं व्याप्त हैं, जिन पर ठोस तरीके से काम करने की आवश्यकता है. उन्होंने भरोसा जताया कि संगठन के विस्तार के बाद पार्टी इन मुद्दों पर शत-प्रतिशत काम करेगी. कुशवाहा विजय महतो ने कहा कि आम जनता का पार्टी की ओर विश्वास तेजी से बढ़ा है और इसे देखते हुए जोहार पार्टी आगामी विस व लोस चुनाव में राज्य की सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी. पार्टी झारखंडी अस्मिता, स्थानीय अधिकार और विकास आधारित राजनीति को लेकर चुनाव मैदान में उतरेगी और राज्य में वैकल्पिक नेतृत्व प्रस्तुत करेगी.

इंस्पेक्टर से डीएसपी बने छह अधिकारियों को आईजी ने बैच लगा कर सम्मानित किया

शुभम संदेश। रांची

झारखंड पुलिस के इंस्पेक्टर रैंक से प्रमोशन पाकर डीएसपी बने रांची जिला के नवप्रोन्नत छह अधिकारियों को शुक्रवार को बैच लगाया गया. डीआईजी सह रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के दफ्तर में पीपिंग सेरेमनी के तहत सभी अधिकारियों को एक-एक कर डीएसपी रैंक का बैच लगाया गया और उन्हें शुभकामनाएं दी गईं. लोअर बाजार के थानेदार इंस्पेक्टर दयानंद, बरियातू थानेदार मनोज कुमार, अरगोड़ा थाना प्रभारी आलोक सिंह, इंस्पेक्टर विजय सिंह, महेश्वर प्रसाद रंजन और तलेश्वर प्रसाद कुशवाहा को रांची के आईजी मनोज कौशिक ने बैच लगाकर सम्मानित किया. इन अधिकारियों के कंधे पर लगे इंस्पेक्टर रैंक के बैच को हटाकर डीएसपी रैंक का बैच लगाया गया.बता दें कि झारखंड के कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने बीते 25 जून को कुल 64 पुलिस अधिकारियों को डीएसपी रैंक में प्रमोट किया था. उनमें से 23 अधिकारियों को बीते सात जुलाई को डीजीपी ने बैच लगाया था. वहीं, छह अधिकारियों को शुक्रवार को बैच लगा सम्मानित किया गया. मौके पर आईजी मनोज कौशिक, डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, सिटी एसपी अजीत कुमार, रुरल एसपी प्रवीण पुष्कर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे.

बड़ा खुलासा मंईयां सम्मान योजना में सबसे बड़ा फर्जीवाड़ा !

गांव में नहीं कोई मुस्लिम, लेकिन 172 को मिल गई किस्त

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार की मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, जो गरीब और जरूरतमंद महिलाओं के लिए शुरू की गई थी, अब फर्जीवाड़े का शिकार हो गई है. घाटशिला प्रखंड के हेंदलजुड़ी पंचायत में ऐसा घोटाला हुआ है जिससे आम लोग भी हैरान हैं और अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं. हेंदलजुड़ी पंचायत के आठों गांवों में एक भी मुस्लिम परिवार नहीं रहता, लेकिन फिर भी योजना की सूची में बिहार और बंगाल की 172 मुस्लिम महिलाओं के नाम जुड़ गए. इतना ही नहीं, उनके खातों में योजना की पहली किस्त 2,500 भी भेज दी गई. जब गांववालों को इसकी भनक लगी तो सब हैरान और गुस्से में थे. इन महिलाओं में बिहार के किशनगंज जिले की 40 महिलाएं और पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर की 132 महिलाएं शामिल हैं. यानी पूरी की पूरी सूची बाहरी राज्यों की महिलाओं से भरी हुई थी.

केस दर्ज, लाखों की सरकारी राशि गलत तरीके से निकाली गई: मामले की पुष्टि के बाद गालूडीह थाना में 172 महिलाओं के खिलाफ केस दर्ज कर दिया गया है. उनके खिलाफ 9.57 लाख रुपए की सरकारी राशि फर्जी तरीके से लेने का आरोप है. कानून की अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. इस पूरे मामले में पूर्व पंचायत सचिव पुष्पा कुमारी पोद्दार को भी शोकॉज नोटिस भेजा गया है कि उन्होंने यह सब कैसे नजरअंदाज किया.

कैसे हुआ फर्जीवाड़ा

जांच में सामने आया कि सभी नामों के साथ एक ही राशन कार्ड नंबर दर्ज था, मोबाइल और आधार कार्ड नंबर भी संदिग्ध थे. फिर भी पंचायत और प्रखंड स्तर पर इस सूची को बिना ठीक से जांचे मंजूरी दे दी गई. ऐसा भी शक जताया जा रहा है कि किसी ने पंचायत सचिव का लॉगिन हैक करके फॉर्म में हेरफेर किया.

झारखंड में राज्य कार्यकारी समिति का पुनर्गठन, मुख्य सचिव को बनाया गया अध्यक्ष

गृह सचिव, स्वास्थ्य सचिव व डीजीपी समेत कई अधिकारी होंगे सदस्य

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार ने राज्य कार्यकारी समिति (एसईसी) का पुनर्गठन करते हुए मुख्य सचिव को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया है. गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, यह कदम राज्य में विशेष रूप से आपदा प्रबंधन से संबंधित कार्यों के समुचित निष्पादन और बेहतर समन्वय को सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है. पुनर्गठित एसईसी में मुख्य सचिव को अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि गृह सचिव, वित्त सचिव, स्वास्थ्य सचिव, डीजीपी और आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव को सदस्य नामित किया गया है. आपदा प्रबंधन सचिव समिति के संयोजक भी होंगे. आदेश में यह भी उल्लेख है कि समिति आवश्यकता पड़ने पर विषय विशेषज्ञों या अन्य अधिकारियों को विशेष आमंत्रित के रूप में शामिल कर सकती है, जिससे निर्णय प्रक्रिया और अधिक प्रभावी हो सकेगी.

राज्य कार्यकारी समिति (एसईसी) क्या है?

राज्य कार्यकारी समिति राज्य सरकार के अधीन एक प्रमुख निकाय है, जो सरकार की नीतियों और योजनाओं के कार्यान्वयन में सहायक होती है. इसका उद्देश्य विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना और विशेष रूप से आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना है. एसईसी आपदा पूर्व तैयारी, राहत वितरण और पुनर्वास जैसे कार्यों की निगरानी एवं क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाती है, ताकि राज्य स्तर पर त्वरित और समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

स्पोर्ट्स

जो रूट के शतक से इंग्लैंड ने पहली पारी में बनाए 387 रन, बुमराह ने खोला पंजा

निर्णय लेने की कला लाजवाब

रांची, शनिवार 12 जुलाई 2025 I श्रावण कृष्ण पक्ष 02, संवत 2082 I रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 95 I मूल्य ₹ 3, पृष्ठ संख्या : 12

सावन की शुरुआत, देवघर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, अरघा से हो रहा जलाभिषेक

शुभम संदेश। रांची/देवघर

सावन का पवित्र महीना शुक्रवार से शुरू हो गया है. सावन की शुरुआत के साथ ही हर तरफ भोले बाबा का जयकारा गूंज रहा है. देवघर से बनारस और हरिद्वार तक हर तरफ हर-हर महादेव के जयकारे सुनाई दे रहे हैं. कांवरियों का जत्था बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए निकलने लगा है. सभी शिवालयों में श्रद्धालुओं की खूब भीड़ उमड़ रही है. देवघर में सुबह से ही कांवरियों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी. भक्त बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण कर रहे हैं. वहीं प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं. वीवीआईपी दर्शन और स्पर्श पूजा बंद है. श्रद्धालु अरघा के माध्यम से बाबा को जलार्पण कर रहे हैं ऐसी मान्यता है कि सावन का महीना भगवान शिव को सबसे अधिक प्रिय होता है. सावन में शिव जी अपने भक्तों की हर मनोकामना पूरी करते हैं.भक्त शिवलिंग पर जल, दूध, दही, घी, शहद और बिल्वपत्र अर्पित कर मनोकामनाएं मांगते हैं. बता दें कि इस बार सावन में 4 सोमवार पड़ रहे हैं. पहला सोमवार 14 जुलाई को पड़ेगा. जबकि आखिरी सोमवार 4 अगस्त को पड़ेगा. सोमवार को सभी शिवालयों में शिव भक्तों का सैलाब उमड़ेगा. देवघर के साथ देशभर के प्रमुख शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली. मंदिरों के दरवाजे सुबह से ही भक्तों से खचाखच भरे हुए थे. मंदिरों के बाहर घंटों लंबी लाइनें लगी रहीं, और 'हर हर महादेव' और 'बोल बम' के नारों से वातावरण गूंज उठा है.

देवघर बाबाधाम में कांवरियों की लंबी कतारें सुबह से ही मंदिर परिसर में देखी गईं. पूरा देवघर 'बोल बम' के जयघोष से गूंज रहा है. श्रद्धालु कतारबद्ध होकर बाबा बैद्यनाथ का जयकारा लगाते हुए आगे बढ़ रहे हैं और जलाभिषेक कर रहे हैं. गुरुवार शाम से ही कांवरियों की भीड़ देवघर पहुंचने लगी थी. इसे देखते हुए मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन को अनुमान है कि पहले दिन ही लाखों श्रद्धालु बाबा पर जल अर्पित करेंगे. जलाभिषेक के लिए कांवरियों की कतारें रात से ही निर्धारित रूट पर लगनी शुरू हो गई थीं.

कांवरियों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन ने इस बार एक बड़ा बदलाव किया है. अब बाबा मंदिर के पास से ही बासुकीनाथ के लिए सीधी बस सेवा उपलब्ध कराई गई है, जिससे श्रद्धालुओं को स्टेशन या बस स्टैंड जाने की आवश्यकता नहीं होगी. केवल प्रशासन द्वारा अनुमति प्राप्त बसों को ही मंदिर क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति दी गई है. ये बसें विशेष रूप से उन श्रद्धालुओं के लिए चलाई जा रही हैं जो बासुकीनाथ की यात्रा करना चाहते हैं. इसके लिए विशेष रूट तय किए गए हैं और पास भी जारी किए गए हैं.

ब्रीफ न्यूज

चाकुलिया: मलबा हटा रहे युवक को सांप ने डंसा, हालत गंभीर

जमशेदपुर। चाकुलिया प्रखंड के मुटूरखाम गांव में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब मलबा हटा रहे एक युवक को जहरीले सांप ने डंस लिया. युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है. सोनाहातु पंचायत के मुटूरखाम गांव निवासी मो. जाकिर हुसैन का मिट्टी का घर हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण ध्वस्त हो गया था. शुक्रवार की सुबह वह अपने घर के गिरे हुए मलबे को हटा रहे थे. इसी दौरान वहां छिपे एक जहरीले सांप ने उनके दाहिने हाथ में काट लिया. घटना के बाद परिजनों ने उन्हें तत्काल निजी वाहन से चाकुलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां मौजूद डॉ. नरेश बास्के की देखरेख में उन्हें पांच एंटी वेनम इंजेक्शन दिए गए. उनकी स्थिति गंभीर देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम रेफर कर दिया गया. बताया जा रहा है कि घटना के बाद परिजनों ने सांप को मार डाला. गांव में घटना के बाद से दहशत का माहौल है.

सारंडा में हाथी की मौत गांव में नहीं जला चूल्हा

चाईबासा। सारंडा के जंगलों में मासूम हाथियों की लगातार हो रही मौतों ने हर दिल को हिला दिया है. गुरुवार की रात घायल नन्ही हथिनी की मौत के बाद गांव में चूल्हे नहीं जले, लोग उपवास पर रहे. यह लगातार तीसरी मौत है, जिसने जंगल के सन्नाटे को और गहरा कर दिया है. कभी हाथियों की मस्त चाल से गूंजने वाला सारंडा अब लगातार मासूम जानवरों की मौत का गवाह बनता जा रहा है. गुरुवार की सुबह सेरेंगसिया गांव में एक हाथी ने दम तोड़ा और रात होते-होते मनोहरपुर की घायल नन्ही हथिनी ने भी इलाज के दौरान तड़प-तड़प कर आखिरी सांस ली. यह वही हथिनी थी जो हाल ही में हुए आईईडी ब्लास्ट में गंभीर रूप से घायल हो गई थी. लगातार तीसरी हाथी की मौत से अब गांववालों का सब्र टूटता जा रहा है. बताया जा रहा कि इस घटना से सेरेंगसिया और मनोहरपुर गांवों में चूल्हे नहीं जले. लोगों ने खाना तक नहीं खाया. हर आंख नम है, हर दिल भरा हुआ. उनकी बस एक ही प्रार्थना है हे भगवान, इन मासूमों को इंसानी क्रूरता से बचा ले. वहीं, लोग वन विभाग और प्रशासन पर सवाल खड़े कर रहे है.

रांची पानी में डूबी!

4 दिन तक नहीं मिलेगी बारिश से राहत, मौसम विभाग का बड़ा अलर्ट

शुभम संदेश। रांची

शहर की सड़कें बनीं तालाब, नालों से उफना गंदा पानी

बारिश ने रांची नगर निगम की सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी है. कई इलाकों में नालियां ओवरफ्लो हो गईं, और कीचड़युक्त पानी गलियों और सड़कों पर बहता दिखा. हरमू रोड, इटकी रोड, पंडरा, रातू रोड, हातमा, बूटी मोड़, कोकर, कांटाटोली, हिंदपीढ़ी, और तिरिल जैसे इलाकों में जलजमाव और गंदगी से लोग परेशान हैं. पंडरा शांतिनगर में तो पानी घरों के अंदर घुस गया, जिससे लोगों को स्थानांतरण तक करना पड़ा.

राजधानी रांची समेत झारखंड के कई हिस्सों में पिछले 36 घंटे से हो रही लगातार भारी बारिश ने शहर को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है. जगह-जगह जलजमाव, ट्रैफिक जाम और सफाई व्यवस्था की पोल खुलने से आमजन की परेशानियां कई गुना बढ़ गई हैं.

बटन तालाब का किनारा बहा, घाट ध्वस्त : डोरंडा स्थित ऐतिहासिक बटन तालाब का किनारा तेज बारिश के चलते ध्वस्त हो गया, जिससे घाट पूरी तरह धराशायी हो गया. तालाब का पानी बहकर निचले इलाकों में घुस गया, जिससे हालात और बिगड़ गए.

4 दिन तक बारिश का अलर्ट : मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में बना साइक्लोनिक सर्कुलेशन 12 जुलाई से सक्रिय रूप से प्रभाव दिखाएगा. अगले चार दिनों तक राज्य के अधिकांश जिलों में झमाझम बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की गई है. विभाग ने यलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों को बिजली उपकरणों से दूरी बनाए रखने, पेड़ों के नीचे खड़े न होने, और यात्रा से बचने की सलाह दी है.

मानसून ट्रफ के कारण तेज हवाएं और भारी बारिश के आसार : मानसून ट्रफ इस समय अमृतसर, चंडीगढ़, कानपुर, डालटनगंज होते हुए बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है. साथ ही पश्चिमी असम से तेलंगाना तक एक और ट्रफ एक्टिव है. इससे 14 से 15 जुलाई तक झारखंड में घने बादल, तेज हवाएं और लगातार वर्षा की संभावना जताई गई है.

रांची में 675.5 मिमी बारिश, सामान्य से दोगुना : 1 जुलाई से 8 जुलाई के बीच झारखंड में 440.4 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 175.4 मिमी अधिक है. वहीं, रांची में 675.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य आंकड़े 273.2 मिमी से कहीं अधिक है.

सड़कें डूबीं, एंबुलेंस तक फंसी, कई वाहन फिसले : पंचशीलनगर से शांतिनगर के बीच के मुख्य मार्ग पर घुटनों तक पानी भर गया. दुपहिया वाहन चालकों के फिसलने और चोटिल होने की खबरें सामने आईं. एंबुलेंस तक जाम में फंसी रहीं. करमटोली चौक, बरियातू रोड, चुटिया थाना, सिरमटोली चौक, और आरोग्य भवन के पास गड्ढे और कीचड़ की वजह से राहगीर फिसलकर गिरते दिखे.

लोगों में आक्रोश नगर निगम की लापरवाही पर सवाल

स्थानीय लोगों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि "सरकार और नगर निगम विकास की बातें तो करते हैं, लेकिन जमीनी हालात बदतर हैं." शहरवासियों ने मांग की है कि नालियों की सफाई, गाद उठाव, और संसाधनों की बढ़ोतरी से स्थिति में सुधार लाया जाए.रांची में हालात फिलहाल सामान्य नहीं हैं. मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए नागरिकों को सावधानी बरतने, कम से कम बाहर निकलने, और आपात स्थिति में हेल्पलाइन से संपर्क करने की सलाह दी गई है. आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं, इसलिए प्रशासन को भी अपनी तैयारियों को पुख्ता करने की जरूरत है.

झारखंड में शराब संकट खत्म!

अब हर दुकान पर हर ब्रांड की शराब मिलेगी, बस थोड़ा इंतजार

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में मनचाहा ब्रांड की शराब मिलने में अभी थोड़ा वक्त लगेगा, लेकिन उत्पाद विभाग का दावा है कि एक सप्ताह के अंदर राज्य में खुदरा शराब की बिक्री पूरी तरह से सामान्य हो जाएगी. फिलहाल झारखंड के 1452 शराब दुकानों में से 1359 दुकानों का ऑडिट पूरा हो चुका है. नई शराब नीति के तहत आज 410 नई दुकानें खोली गई हैं, जो कल की तुलना में दोगुनी से अधिक हैं.

मुख्य शहरों में खुली नई शराब दुकानें और सुरक्षा व्यवस्था : रांची में 55, जमशेदपुर में 34, धनबाद में 30 और हजारीबाग में 22 नई शराब दुकानें खोली गई हैं. इन दुकानों में नए सेल्समैन की नियुक्ति के साथ सुरक्षा व्यवस्था के लिए होमगार्ड के जवान भी तैनात किए गए हैं. अधिकारियों के अनुसार, झारखंड में जल्द ही नई शराब नीति अधिसूचित की जाएगी, जिसके बाद निजी हाथों में शराब की बिक्री सौंपने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी.

शराब आपूर्ति में देरी के कारण और समाधान : शराब की आपूर्ति में देरी का कारण पूर्व में भुगतान में बाधाएं और प्रशासनिक गड़बड़ियां रही हैं. प्लेसमेंट एजेंसियों की गलतियों के कारण सरकार ने भुगतान रोक दिया था. साथ ही, पूर्व उत्पाद आयुक्त के प्रशिक्षण पर जाने और चेक पर साइन करने वाले दो अधिकारियों के एसीबी द्वारा गिरफ्तार होने के कारण भुगतान में अड़चन आई थी.

विभाग ने भुगतान प्रक्रिया को सुचारू किया

अब विभाग ने चेक पर हस्ताक्षर करने वाले एक अधिकारी की नियुक्ति कर दी है, जिससे भुगतान प्रक्रिया फिर से सुचारू हो गई है. इससे झारखंड में शराब निर्माता कंपनियों की आपूर्ति जल्द ही नियमित हो जाएगी. उत्पाद विभाग का अनुमान है कि अगले एक सप्ताह के भीतर झारखंड की शराब की दुकानों पर सभी प्रमुख ब्रांड की शराब उपलब्ध हो जाएगी.

देवघर एम्स का छात्र हॉस्टल की पांचवीं मंजिल से गिरा, इलाज जारी

देवघर। देवघर स्थित एम्स में गुरुवार देर रात एक बड़ा हादसा हो गया. एमबीबीएस सत्र 2023 में पढ़ाई कर रहा एक छात्र हॉस्टल की पांचवीं मंजिल से नीचे गिर गया. इस हादसे में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया है. फिलहाल उसे एम्स के इमरजेंसी ब्लॉक में भर्ती किया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है.

घायल छात्र का नाम ध्रुव कुमार है, जिसकी उम्र 24 साल बताई गई है. वह मध्य प्रदेश के अशोक नगर जिले का रहने वाला है. जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को क्लास के दौरान उसने तबीयत खराब होने की बात कही और हॉस्टल में आराम करने चला गया. रात करीब 8 बजे वह हॉस्टल के नीचे गंभीर हालत में गिरा पाया गया. घटना की जानकारी मिलते ही देवीपुर थाना प्रभारी संदीप कृष्ण के नेतृत्व में पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. पुलिस हॉस्टल के कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है और घटनास्थल की बारीकी से छानबीन की जा रही है. घटना की सूचना मिलते ही एम्स डायरेक्टर सौरव वाष्णेय भी इमरजेंसी ब्लॉक पहुंचे और ध्रुव की स्थिति का जायजा लिया. एम्स प्रशासन ने छात्र के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है. एम्स प्रबंधन के अनुसार, ध्रुव फिलहाल होश में है और उसकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है. डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज जारी है.

एसईआर की ट्रेनों का अस्थायी ठहराव, यात्रियों में खुशी

शुभम संदेश। जमशेदपुर

दक्षिण पूर्व रेलवे (एसईआर) ने यात्रियों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए महादेवशाल स्टेशन पर कई ट्रेनों का अस्थायी ठहराव देने का निर्णय लिया है. इस निर्णय से महादेवशाल और आसपास के गांवों के यात्रियों को काफी राहत मिलेगी, जो लंबे समय से इस ठहराव की मांग कर रहे थे.

यह अस्थायी ठहराव अलग-अलग तारीखों पर प्रभावी रहेगा. 11 जुलाई से कई ट्रेनें महादेवशाल में रुकनी शुरू हो गई हैं. इनमें टाटानगर-राउरकेला मेमू, राउरकेला-टाटानगर मेमू, चक्रधरपुर-राउरकेला मेमू, दानापुर-दुर्ग एक्सप्रेस, दुर्ग-दानापुर एक्सप्रेस, हावड़ा-टिटलागढ़ इस्पात एक्सप्रेस, टिटलागढ़-हावड़ा इस्पात एक्सप्रेस, पुरी-योगनगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस, जगदलपुर-हावड़ा एक्सप्रेस, टाटानगर - इर्नाकुलम एक्सप्रेस, एनएससीबी इतवारी एक्सप्रेस, टाटानगर -बिलासपुर एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें शामिल हैं. हालांकि कुछ ट्रेनों का ठहराव निर्धारित तिथियों को छोड़कर अन्य दिनों में ही रहेगा. रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि यात्रा से पहले अपने ट्रेन के ठहराव की जानकारी दक्षिण पूर्व रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या हेल्पलाइन से अवश्य प्राप्त कर लें. रेलवे अधिकारियों के अनुसार, महादेवशाल स्टेशन पर इन ट्रेनों के रुकने से यात्रियों की सुविधा तो बढ़ेगी ही, साथ ही क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी. स्थानीय लोगों ने इसके लिए रेलवे का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह ठहराव उनके लिए किसी तोहफे से कम नहीं.

धनबाद : आसानबनी में सेल प्रबंधन और ग्रामीणों के बीच झड़प

पुलिस ने किया लाठीचार्ज, दर्जनों घायल

शुभम संदेश। धनबाद

जिले के बलियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आसानबनी गांव में जमीन विवाद को लेकर सेल प्रबंधन और ग्रामीणों के बीच तनावपूर्ण माहौल बन गया. मामला उस समय बिगड़ गया जब ग्रामीणों ने बिना मुआवजा दिए उनकी जमीन पर कार्य शुरू कराए जाने का विरोध किया. देखते ही देखते स्थिति उग्र हो गई और पुलिस ने मौके पर पहुंच कर प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों पर लाठीचार्ज कर दिया. इस कार्रवाई में दर्जनों महिलाएं घायल हो गईं, इसमें एक की हालत खराब बताई जा रही है. वहीं कई पुरुषों को भी चोटें आई हैं. लाठीचार्ज के दौरान कई ग्रामीणों को हिरासत में भी लिया गया. घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और पूरे गांव में आक्रोश फैल गया. ग्रामीणों का आरोप है कि सेल द्वारा उनकी जमीन पर जबरन कार्य शुरू कराया जा रहा है, जबकि अब तक उन्हें किसी प्रकार का उचित मुआवजा नहीं दिया गया है. इसी के विरोध में ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया था. उनका कहना है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, वे जमीन पर कोई भी कार्य नहीं होने देंगे.

वहीं, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा. उन्होंने दावा किया कि हालात को बिगड़ने से रोकने के लिए यह कदम उठाया गया. घायल महिलाओं का इलाज स्थानीय स्तर पर किया जा रहा है. दूसरी ओर, ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें जल्द न्याय नहीं मिला तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा. पूरे गांव में फिलहाल तनावपूर्ण शांति बनी हुई है, जबकि प्रशासन हालात पर नजर रखे हुए है.

झारखंड पुलिस के जवान तेज नारायण बने बहरीन कबड्डी टीम के कोच

- एशियन गेम्स में निभाएंगे अहम भूमिका

शुभम संदेश। रांची

झारखंड पुलिस में सिपाही के पद पर कार्यरत तेज नारायण को बहरीन की यूथ कबड्डी टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है. वे 22 से 31 अक्टूबर तक बहरीन में होने वाले तीसरे यूथ एशियन गेम्स के दौरान बहरीन की बालक टीम को प्रशिक्षित करेंगे. इस टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी. खास बात यह है कि इस बार यूथ एशियन गेम्स में पहली बार कबड्डी को शामिल किया गया है. बोकारो के रहने वाले तेज नारायण 14 जुलाई को बहरीन रवाना होंगे और नवंबर के पहले सप्ताह में लौटेंगे. उनकी नियुक्ति बहरीन ओलंपिक एसोसिएशन के माध्यम से बहरीन सरकार ने की है. तेज नारायण लंबे समय से कबड्डी से जुड़े हुए हैं. वे खिलाड़ी, कोच और तकनीकी आधिकारी के रूप में झारखंड और भारत का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं. वर्तमान में वे गोड्डा जिले में तैनात हैं. उनकी इस उपलब्धि पर झारखंड कबड्डी संघ और भारतीय कबड्डी संघ ने उन्हें बधाई दी है. तेज नारायण ने कहा, मेरे लिए यह गर्व की बात है कि मुझे बहरीन की टीम को कोचिंग देने का अवसर मिला. मैं मेहनत और लगन से काम करूंगा. मैं भारतीय कबड्डी संघ के निदेशक तेजस्वी सिंह गहलोत सर और अध्यक्ष विनोद तिवारी सर का विशेष धन्यवाद करता हूं. उनके आशीर्वाद के बिना यह मुमकिन नहीं था.

विश्व जनसंख्या दिवस : झारखंड का पॉपुलेशन 4 करोड़ के पार

रांची, धनबाद और जमशेदपुर में तेजी से बढ़ रही आबादी

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की कुल आबादी अब बढ़कर 4 करोड़ 6 लाख 6 हजार 924 हो गयी है. साल 2011 की जनगणना के मुकाबले राज्य की जनसंख्या में 76 लाख 18 हजार 790 लोगों का इजाफा हुआ है. हालांकि देश में 2011 के बाद जनगणना नहीं हुई है, लेकिन विभिन्न रिपोर्ट और आंकड़ों के आधार पर यह अनुमान लगाया गया है. 2025 के अनुमानित आंकड़ों के मुताबिक, झारखंड में पुरुषों की आबादी 2 करोड़ 7 लाख 60 हजार 397 है. जबकि महिलाओं की संख्या 1 करोड़ 98 लाख 46 हजार 527 है. 2011 की तुलना में पुरुषों की आबादी में 38 लाख 30 हजार 82 और महिलाओं की आबादी में 37 लाख 88 हजार 708 की वृद्धि हुई है. राज्य की जनसंख्या बढ़ने के मामले में रांची सबसे आगे है. यहां बीते 14 सालों में 6 लाख 60 हजार 947 लोगों की संख्या बढ़ी है. इसके बाद धनबाद में 6 लाख 9 हजार 956 और जमशेदपुर में 5 लाख 64 हजार 633 लोगों की बढ़ोतरी दर्ज की गयी है.

वहीं राज्य में सबसे कम आबादी वाले जिले लोहरदगा में सिर्फ 1 लाख 5 हजार 376 लोग हैं. खूंटी में 1 लाख 21 हजार 672 और सिमडेगा में 1 लाख 39 हजार 187 लोगों की जनसंख्या है. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, झारखंड की कुल आबादी 3 करोड़ 29 लाख 88 हजार 134 थी. उस वक्त पुरुषों की संख्या 1 करोड़ 70 लाख 30 हजार 315 और महिलाओं की संख्या 1 करोड़ 59 लाख 57 हजार 819 थी. साल 2001 से 2011 के बीच राज्य की जनसंख्या में 22.4% की बढ़ोतरी हुई थी, जबकि 2011 से अब तक यह बढ़ोतरी 23.09% हो चुकी है. इन आंकड़ों से साफ है कि झारखंड की आबादी लगातार तेजी से बढ़ रही है और राज्य की जनसंख्या संरचना में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है.

आयु वर्ग के हिसाब से आबादी

18 से 50 वर्ष की महिलाओं की संख्या – 1 करोड़ 19 लाख 6 हजार 297
0 से 16 वर्ष तक की उम्र के लोग – 1 करोड़ 22 लाख 22 हजार 965
17 वर्ष की उम्र के युवक – 7 लाख 82 हजार 779
18 से 19 साल के युवा – 15 लाख 71 हजार 673
20 से 29 साल के लोग – 77 लाख 24 हजार 562
30 से 39 साल की उम्र के लोग – 23 लाख 72 हजार 325
40 से 49 वर्ष की उम्र के लोग – 47 लाख 14 हजार 569
50 से 59 वर्ष की उम्र के लोग – 35 लाख 70 हजार 570
60 से 69 साल के बुजुर्ग – 22 लाख 59 हजार 674
70 से 79 साल की उम्र वाले – 12 लाख 22 हजार 771
80 साल से अधिक उम्र के लोग – 37 लाख 5 हजार 697

लातेहार में कुख्यात अपराधी राहुल सिंह गिरोह के छह अपराधी गिरफ्तार

शुभम संदेश। लातेहार

लातेहार एसपी कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर कुख्यात अपराधकर्मी राहुल सिंह गिरोह के छह अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया. इनके पास से पुलिस ने दो देशी पिस्तौल और छह जिंदा गोलियां बरामद की. गिरफ्तार अपराधियों में मोहम्मद शाहिद अंसारी ,शमशाद अंसारी, मुजम्मिल अंसारी लोहरदगा का रहनेवाला है, तरुण यादव और मनोज तूरी चंदवा लातेहार के रहने वाला है. वही नितेश उरांव गुमला का रहने वाला है.

शुक्रवार को प्रेस वार्ता करते हुए पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि कुख्यात अपराधी राहुल सिंह के इशारे पर कुछ अपराधी हथियारों के साथ लैश होकर चंदवा के चिरो मोड़ स्थित यात्री शेड के पास जमे हैं. एसपी ने बताया कि इन्ही लोगों ने पिछले 10 जून को चंदवा के टोरी साईडिंग पर रंगदारी के लिए गोली चलाया था. इसमें एक गोली एक कंटेनर में लगी थी। बावजूद इसके उन्हें किसी प्रकार की रंगदारी नहीं मिली. इसके बाद सभी अपराधी फिर से वहां रंगदारी के लिए गोलीबारी और लूटपाट की योजना बना रहे थे. पुलिस को यह सूचना मिली कि अपराधी एक स्थान पर जमा हो रहे हैं. सूचना के बाद लातेहार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरविंद कुमार के नेतृत्व में छापामारी दल गठित किया गया. छापामारी दल ने चिन्हित स्थल पर छापामारी की. इस छापामारी में पुलिस ने राहुल सिंह गिरोह के छह अपराधियों को गिरफ्तार किया गया. एसपी कुमार गौरव ने बताया कि गिरफ्तार सभी अपराधियों का पुराना भी अपराधी इतिहास रहा है.

रांची की महिलाओं के खाते में 'मंईयां' योजना की किश्त ट्रांसफर हुई

रांची । झारखंड सरकार की मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं के खाते में 2500 रुपये की राशि भेजना शुरू हो गया है. हाल ही में पलामू की महिलाओं को यह राशि मिली थी और अब राजधानी रांची की भी कई महिलाओं के बैंक खातों में यह पैसा ट्रांसफर किया गया है. खास बात यह है कि 10 जुलाई को ज्यादातर लाभुक महिलाओं के खाते में इस योजना का पैसा पहुंचा.मंईयां सम्मान योजना के लिए महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग ने कुल 559 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं. यह राशि पांच महीने की अवधि के लिए है. योजना का लाभ केवल उन्हीं महिलाओं को मिल रहा है, जिनके बैंक खाते आधार कार्ड से लिंक हैं और जिनका डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) ऑप्शन सक्रिय है.पहले अप्रैल महीने की राशि जून में लाभुकों के खातों में भेजी गई थी. अब इस नई किस्त के साथ महिलाओं को आर्थिक मदद मिल रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी.

सावन मास 2025 : भोलेनाथ की भक्ति का पवित्र महीना, जानिए रुद्राभिषेक और व्रत का महत्व

आचार्य प्रणव मिश्रा

सावन के व्रत

- **सावन सोमवार व्रत :** सावन में पड़ने वाले सोमवार को व्रत रखने से भगवान शिव की विशेष कृपा मिलती है.
- **सोलह सोमवार व्रत :** यह व्रत शुरू करने के लिए सावन सबसे शुभ समय है.
- **प्रदोष व्रत :** इस व्रत को प्रदोष काल तक रखने से शिव और पार्वती का आशीर्वाद प्राप्त होता है.

शिवलिंग पर क्या चढ़ाएं?

- **बेल पत्र, कमल पत्र, शंख पुष्प :** धन-धान्य में वृद्धि.
- **सफेद आक :** सम्मान और व्यापार में उन्नति.
- **भांग-धतूरा :** विष दोष निवारण.
- **गंगाजल/तीर्थ जल :** पितृ दोष शांति.
- **पंचामृत :** धन की स्थिरता.
- **जौ :** उत्तम स्वास्थ्य.
- **केशर :** सुंदरता.

सावन मास की शुरुआत शुक्रवार से हो चुकी है. यह महीना भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना के लिए सबसे पवित्र महीना माना जाता है. यह महीना प्रकृति की सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व के लिए खास है. प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य प्रणव मिश्रा के अनुसार, सावन मास भोलेनाथ को अत्यंत प्रिय है. इसकी पौराणिक कथा के अनुसार, माता पार्वती ने सावन में कठोर तप कर शिव को अपने पति के रूप में प्राप्त किया था, जिसके कारण यह महीना महादेव को विशेष प्रिय है.

रुद्राभिषेक का महत्व: रुद्राभिषेक, यानी भगवान शिव का रुद्र मंत्रों के साथ अभिषेक, इस मास में विशेष फलदायी है. यह वेदों में वर्णित है और इससे सुख-शांति, अच्छे विचार और समृद्धि प्राप्त होती है. आचार्य प्रणव मिश्रा बताते हैं कि रुद्राभिषेक से सभी दुखों का नाश होता है और मनुष्य का जीवन सात्विक बनता है. घर में रुद्राभिषेक के लिए कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा, चतुर्थी, अष्टमी, एकादशी, द्वादशी और शुक्ल पक्ष की द्वितीया, पंचमी, षष्ठी, नवमी, द्वादशी, त्रयोदशी तिथियां शुभ हैं. इससे संतान प्राप्ति, कालसर्प दोष निवारण और रोग-शोक से मुक्ति मिलती है.

रुद्री पाठ का महत्व: रुद्राभिषेक में रुद्री पाठ का विशेष महत्व है. एक पाठ से ग्रह शांति, तीन पाठ से कामना पूर्ति, पांच पाठ से अनिष्ट ग्रह शांति, और नौ पाठ से शत्रु नाश, धन, और सम्मान की प्राप्ति होती है.

सावन की तिथियों के देवता : आचार्य प्रणव मिश्रा के अनुसार सावन की प्रत्येक तिथि का अपना देवता है, जैसे प्रतिपदा के अग्नि, द्वितीया के ब्रह्मा, अष्टमी के शिव और पूर्णिमा के चंद्रमा. सावन मास में भगवान शिव की भक्ति और रुद्राभिषेक से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है,

-लेखक झारखंड के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य हैं.
पता: आचार्यकुलम अरगोड़ा, रांची, फोन नं: 8210075897

विभिन्न द्रव्यों से अभिषेक के फल

- शिव पुराण के अनुसार, रुद्राभिषेक में अलग-अलग द्रव्यों का उपयोग करने से विशेष फल मिलते हैं :
- जल : अच्छी वर्षा.
- कुशा जल : रोग-दुख से मुक्ति.
- दही : पशु, भवन, वाहन प्राप्ति.
- गन्ने का रस : व्यापार में उन्नति.
- मधु युक्त जल : धन वृद्धि, ऋण मुक्ति.
- तीर्थ जल : मोक्ष प्राप्ति.
- दूध : पुत्र प्राप्ति, मनोकामना पूर्ति.
- घी : वंश विस्तार.
- शहद : मंगल दोष निवारण.

ब्राउन शुगर तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ बुजुर्ग महिला समेत पांच गिरफ्तार

शुभम संदेश। रांची

रांची पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है. गुप्त सूचना के आधार पर सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के गंगा नगर रोड नंबर 01 में छापेमारी कर ब्राउन शुगर तस्करी में शामिल एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया गया. इस कार्रवाई में 65 वर्षीय मोहिनी शर्मा उर्फ मोहिनी देवी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है.

कैसे हुई कार्रवाई: कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि मोहिनी शर्मा के घर से नशीले पदार्थों की तस्करी हो रही है. इसके बाद गठित विशेष टीम ने मोहिनी के घर पर छापा मारा, जहां से 50 पुड़िया (10.10 ग्राम) ब्राउन शुगर और एक रियलमी स्मार्टफोन जब्त किया गई.

दूसरी छापेमारी में मिले और आरोपी: मोहिनी शर्मा से पूछताछ के बाद पुलिस ने पहाड़ी मंदिर के पास दूसरी छापेमारी की. इसमें चार अन्य आरोपियों सुमित तिर्की (22) – इन्द्रपुरी रोड, रांची, पारस कुमार उर्फ गोलू (25) – मूल निवासी लातेहार, वर्तमान में पंडरा, मोहम्मद इस्माईल (29) – राजाहाता, रांची, एक नाबालिग किशोर को गिरफ्तार किया गया.

जब्त सामान और नकदी

पुलिस ने तलाशी के दौरान 36.70 ग्राम ब्राउन शुगर, 63,640 नकद, चार स्मार्टफोन, और एक टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल जब्त की.

मोहिनी शर्मा पर पहले भी लगे हैं आरोप: डीएसपी ने यह भी बताया कि मोहिनी शर्मा इससे पहले भी नशीले पदार्थों की तस्करी के मामलों में जेल जा चुकी है.

एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज: सुखदेवनगर थाना में इस पूरे मामले में एनडीपीएस एक्ट और बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश में गहन जांच कर रही है.

झामुमो का पीएम मोदी की उम्र पर निशाना, सुप्रियो बोले

17 सितंबर के बाद कौन होगा अगला प्रधानमंत्री

शुभम संदेश। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उम्र को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी 17 सितंबर 2025 को 75 वर्ष के हो जाएंगे, जो संघ के सेवा निवृत्ति के तय मानदंड से अधिक है. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या उन्हें भी संघ परंपरा के तहत साल ओढ़ाकर विदाई दी जाएगी.

भाजपा पर आरोप लगाया: उन्होंने भाजपा पर वरिष्ठ नेताओं को उम्र के आधार पर दरकिनार करने का भी आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि कई नेताओं को केवल इसलिए टिकट नहीं मिला क्योंकि वे 75 वर्ष पार कर चुके थे, लेकिन यही नियम प्रधानमंत्री पर लागू क्यों नहीं होता.

भट्टाचार्य ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा राजनीतिक लाभ के लिए 80 पार नेताओं को भी कैबिनेट में बनाए रखती है, जो संघ के सिद्धांतों और व्यवहार में विरोधाभास को उजागर करता है. उन्होंने कहा कि अगर संघ अपने ही नियमों का पालन नहीं करेगा तो उसके कार्यकर्ताओं का विश्वास डगमगा सकता है.

पीएम मोदी की उम्र परा कसा तंज

भट्टाचार्य ने प्रेस वार्ता में संघ प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 75 वर्ष की उम्र पूरी करने के बाद व्यक्ति को सम्मानपूर्वक कार्यमुक्त कर दिया जाता है. उन्होंने याद दिलाया कि भागवत का जन्म 11 सितंबर 1950 को और पीएम मोदी का 17 सितंबर 1950 को हुआ था. इस संदर्भ में उन्होंने तंज कसते हुए पूछा, कि क्या 17 सितंबर के बाद मोदी जी को साल पहना कर विदा किया जाएगा?

गुरुजी की हालत स्थिर : वहीं गुरुजी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देते हुए झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि शिबू सोरन की स्वास्थ्य फिलहाल स्थिर है.

एनआईए कोर्ट सख्त

माओवादी कमांडर रवींद्र गंझू और उसके भाई कुंवर गंझू को जमानत देने से इनकार

रांची। रांची स्थित एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) की विशेष अदालत ने माओवादी गतिविधियों से जुड़े गंभीर मामलों में आरोपी सीपीआई (माओवादी) के शीर्ष कमांडर रवींद्र गंझू और उसके भाई कुंवर गंझू की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं. अदालत ने मामले की गंभीरता और राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरे को देखते हुए यह निर्णय लिया. कुंवर गंझू पर आरोप है कि वह जंगलों में अपने भाई रवींद्र से मुलाकात कर माओवादियों को रसद और आर्थिक मदद पहुंचाता था. 6 जनवरी 2020 से न्यायिक हिरासत में बंद कुंवर को चंदवा थाना पुलिस ने पांच लाख की जबरन वसूली के दौरान शिव मंदिर बुधबाजार के पास से पकड़ा था. उसके पास से माओवादी साहित्य भी बरामद हुआ था. वहीं, शीर्ष माओवादी कमांडर रवींद्र गंझू उर्फ आक्रमण जी उर्फ नेताजी, जो चतरा जिले की मगध और आम्रपाली कोल परियोजनाओं से अवैध वसूली और टेरर फंडिंग के मामलों में आरोपी है, को भी राहत नहीं मिली. 9 जून को दाखिल जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने इसे खारिज करते हुए कहा कि मामला बहुत गंभीर है.

सावन के पहले दिन पहाड़ी मंदिर सहित शहर के शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

शुभम संदेश। रांची

सावन के पहले दिन राजधानी रांची के पहाड़ी मंदिर सहित सभी शिव मंदिरों में शुक्रवार तड़के सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी रही. पहाड़ी मंदिर में जहां हजारों श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ पर जल अर्पित कर सुख, समृद्धि की कामना की.

पहाड़ी मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया है. फूल-मालाओं से सजे मुख्य द्वार से लेकर मंदिर शिखर तक आस्था और सौंदर्य का अद्भुत नजारा देखने को मिला. भीड़ को व्यवस्थित तरीके से दर्शन कराने के लिए प्रशासन ने इस बार तकनीक का सहारा लिया है. मंदिर के मुख्य द्वार के पास एलईडी स्क्रीन लगाई गई है ताकि लंबी कतारों में न लग पाने वाले श्रद्धालु भी पहाड़ी बाबा के दर्शन दूर से ही कर सकें.

सावन के पहले दिन तैयारियों का जायजा लेने रांची सदर के एसडीओ उत्कर्ष कुमार स्वयं पहाड़ी मंदिर पहुंचे. उन्होंने मंदिर परिसर और आस-पास के रास्तों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए. एसडीओ ने बताया कि पहली सोमवारी तक शेष बची सभी व्यवस्थाओं को पूरी तरह दुरुस्त कर लिया जाएगा. ट्रैफिक नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन ने कड़े कदम उठाए हैं. पहाड़ी मंदिर की ओर जाने वाले सभी मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन और पार्किंग की व्यवस्था की गई है. मंदिर परिसर में कहीं अव्यवस्था न हो, इसके लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और लगातार निगरानी की जा रही है. सुरक्षा को लेकर मंदिर परिसर के भीतर और बाहर पुलिस बल और विशेष रूप से महिला जवानों की तैनाती की गई है. महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है. इसके अलावा, स्वयंसेवी संस्थाएं और स्काउट-गाइड की टीम भी भक्तों की सेवा में जुटी हैं.

दूसरी ओर चुटिया सुरेश्वर धाम, रातू रोड शिव मंदिर, अपर बाजार शिवालय, कांके रोड स्थित शिवधाम, हरमू मंदिर, कोकर शिव मंदिर, धुर्वा बरियातू, बूटी मोड़ सहित अन्य मंदिरों में भी भक्तों की भीड़ देखी गई. कई जगहों पर भक्तों ने पूरे परिवार के साथ पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया और सावन माह में सुख-समृद्धि की कामना की. इस दौरान कई मंदिरों में लाउडस्पीकर से भक्ति गाने बजाए जा रहे थे, जिससे पूरा वातावरण ओम नमः शिवाय के ध्वनि से गुंजायमान हो गया था.

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में पौधारोपण

रांची। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा में शुक्रवार को रांची साहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स के तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विद्यालय परिसर में दर्जनों पौधे लगाए गए. कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल हरियाली बढ़ाना था, बल्कि छात्रों और शिक्षकों के बीच पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी था. विद्यालय के प्राचार्य ललन कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए छात्रों को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि प्रकृति ने हमें निःशुल्क प्राणवायु, जल, खनिज और अन्न प्रदान किया है, इसलिए हर मानव का कर्तव्य है कि वह प्रकृति के प्रति प्रेम और संरक्षण का भाव रखे. उन्होंने छात्रों से वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की. छात्रों ने वृक्षों के महत्व, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और जैव विविधता को बचाने जैसे विषयों पर भी ज्ञान अर्जित किया. सभी प्रतिभागियों ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरित धरती सुनिश्चित करने का संकल्प दोहराया.

झारखंड हाईकोर्ट का बड़ा फैसला : एपीपी नियुक्ति में उम्र सीमा पर 11 अभ्यर्थियों को अंतरिम राहत

रांची। झारखंड हाईकोर्ट की जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने सहायक लोक अभियोजक (एपीपी) नियुक्ति प्रक्रिया में उम्र सीमा से संबंधित मामले में 11 अभ्यर्थियों को अंतरिम राहत दी है. अदालत ने शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान निर्देश दिया कि याचिका दाखिल करने वाले सभी अभ्यर्थी अपने आवेदन जेपीएससी कार्यालय में ऑफलाइन जमा कर सकते हैं.यह याचिका संदीप कुमार महतो व अन्य की ओर से दायर की गई थी.याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि चूंकि 2018 के बाद से एपीपी की नियुक्ति नहीं हुई है और यह प्रक्रिया अब 2025 में हो रही है, इसलिए कट-ऑफ डेट को अगस्त 2019 किया जाना चाहिए, ताकि अधिक अभ्यर्थियों को मौका मिल सके.सुनवाई के दौरान जेपीएससी की ओर से अधिवक्ताओं ने बताया कि उम्र सीमा तय करने का अधिकार राज्य सरकार का है, न कि आयोग का. अदालत ने इस पर 11 याचिकाकर्ताओं को राहत देते हुए उन्हें ऑफलाइन आवेदन की अनुमति दी. यह आदेश फिलहाल केवल उन्हीं याचिकाकर्ताओं पर लागू होगा.

पुनर्मूल्यांकन की मांग को लेकर छात्र मोर्चा का प्रदर्शन

रांची। रांची विश्वविद्यालय के पीजी नागपुरी सेमेस्टर 3 के पेपर 301 में बड़ी संख्या में छात्रों के अनुत्तीर्ण होने पर बीएन जालान कॉलेज सिसई, आरएलएसवाई कॉलेज रांची समेत अन्य कॉलेजों के असंतुष्ट विद्यार्थियों ने झारखंड छात्र मोर्चा के निवर्तमान अध्यक्ष अमन तिवारी और सचिव असद फेराज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग का घेराव किया. छात्रों का आरोप है कि उन्होंने पेपर अच्छी तरह से लिखा था, फिर भी गलत मूल्यांकन के कारण उन्हें फेल कर दिया गया. घेराव के दौरान परीक्षा नियंत्रक और प्रभारी कुलपति दोनों ही विश्वविद्यालय से अनुपस्थित थे. इसके पश्चात परीक्षा विभाग की ओर से डॉ. अरुण कुमार सिंह ने छात्रों से वार्ता की और कुलपति से टेलीफोनिक संपर्क कर तत्काल पुनर्मूल्यांकन का निर्देश दिलवाया.

रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन

अग्रसेन भवन में हुई जिला कार्यसमिति की बैठक में लिए गए कई निर्णय –

सत्र 2025 -27 के लिए अध्यक्ष का चुनाव 27 जुलाई को

शुभम संदेश। रांची

रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन की कार्यसमिति की अहम बैठक सम्मेलन के जिलाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार की अध्यक्षता में महाराजा अग्रसेन भवन सभागार में संपन्न हुई. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सम्मेलन की आम सभा एवं वर्ष सत्र- 2025- 27 के लिए अध्यक्ष का चुनाव 27 जुलाई दिन रविवार को महाराजा अग्रसेन भवन में होगा. इस चुनाव को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए अशोक कुमार नारसरिया को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है.

बैठक मे मुख्य रूप से झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल को जिला मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों विश्वनाथ नारसरिया व अन्य ने शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन एवं सम्मानित किया. प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धनबाद में नवम प्रांतीय अधिवेशन के सफल आयोजन के लिए झारखंड के सभी जिलों को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया.

बैठक में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन में रांची जिला से विभिन्न पदों में शामिल हुए सभी पदाधिकारियों को अंग वस्त्र ओढ़ाकर एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया. मौके पर कोषाध्यक्ष द्वारा आय-व्यय का व्योरा प्रस्तुत किया गया.

आज अपराह्न 3 बजे से प्रतिभा सम्मान समारोह : जिला महामंत्री विनोद कुमार जैन ने बताया कि शनिवार 12 जुलाई को अपराह्न 3 बजे से महाराजा अग्रसेन भवन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है, जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. कार्यक्रम के संयोजक विकास अग्रवाल हैं. प्रतिभा सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, उद्घाटनकर्ता पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष विशाल पाड़िया होंगे. बैठक का संचालन संयुक्त महामंत्री कौशल राजगढ़िया एवं धन्यवाद- ज्ञापन उपाध्यक्ष पवन पोद्दार ने किया.

मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि बैठक में कमल कुमार केडिया, किशन साबू, नरेंद्र गंगवाल, पवन पोद्दार, विनोद कुमार जैन,पवन शर्मा, विश्वनाथ नारसरिया, मनोज चौधरी, अनिल कुमार अग्रवाल कौशल राजगढ़िया, प्रमोद सारस्वत,संजय सर्राफ, नंदकिशोर पाटोदिया, नरेश बंका, निर्मल बुधिया, राजेंद्र केडिया, आनंद जालान, मनोज रूईया, प्रमोद बगड़िया, दीपेश निराला, नरेंद्र लखोटिया, पुरुषोत्तम विजयवर्गीय, सौरभ बजाज, रोहित पोद्दार, शैलेश अग्रवाल, अजय खेतान,अजय डीडवानिया रौनक झुनझुनवाला, अमित बजाज, अमित चौधरी, सुमित महलका, आशीष डालमिया, मनीष लोधा, प्रकाश चंद्र नाहटा, जितेश अग्रवाल के अलावा अन्य सदस्यगण उपस्थित थे.

संत जेवियर कॉलेज, रांची में वर्ल्ड डायबिटीज डे पर संगोष्ठी का आयोजन

डायबिटीज एक विकल्प नहीं है, हम इसे साहस और दृढ़ता से हराने का विकल्प चुन सकते हैं

शुभम संदेश। रांची

डायबिटीज एक विकल्प नहीं है, लेकिन हम इसे साहस और दृढ़ता से हराने का विकल्प चुन सकते हैं. इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से संत जेवियर कॉलेज, रांची के प्राणीशास्त्र विभाग एवं लायंस क्लब ऑफ़ रांची सिटी द्वारा आईक्यूएसी के अंतर्गत वर्ल्ड डायबिटीज डे के अवसर पर "डायबिटीज प्रबंधन" विषय पर जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. संगोष्ठी की मुख्य वक्ता प्रसिद्ध होम्योपैथ विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका त्रिवेदी ने डायबिटीज के विभिन्न प्रकार, इसके लक्षण, जोखिम कारक, बचाव के उपाय, जीवनशैली में सुधार और होम्योपैथिक चिकित्सा की भूमिका पर अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं रोचक जानकारी साझा की.

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. भारती सिंह रायपत के स्वागत भाषण से हुई. इसके पश्चात रेव. फादर अजय अरुण मिन्ज ने स्वास्थ्य शिक्षा के महत्व पर प्रेरणादायक संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने युवाओं को जीवनशैली से जुड़ी सावधानियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया. छात्रों की सक्रिय सहभागिता हेतु एक संक्षिप्त प्रश्नावली सत्र भी आयोजित किया गया, जिससे उन्हें स्वास्थ्य संबंधी विकल्पों पर सोचने और आत्ममूल्यांकन का अवसर मिला.कार्यक्रम का समापन मौली के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का आभार प्रकट किया और इस आयोजन को सार्थक एवं स्मरणीय बनाया.

एक नजर

नगड़ी के रैयतों की राज्यपाल से गुहार... हमें अपने खेत में खेती करने दिया जाए

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को कांके अंचल के नगड़ी ग्राम के रैयतों के एक शिष्टमंडल ने राजभवन में भेंट की और मौजा नगड़ी में रिम्स-2 की स्थापना हेतु भूमि अधिग्रहण का विरोध करते हुए कहा कि यह कृषि भूमि है. किसानों को अपने खेत में खेती करने दिया जाए. शिष्टमंडल ने राज्यपाल से इस भूमि के अधिग्रहण पर रोक लगाने हेतु पहल करने का आग्रह किया.

पंडरा में महिला के गले से सोने की चेन झपट कर भागे उचक्के, वारदात सीसीटीवी में कैद

रांची। राजधानी रांची के पंडरा ओपी क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक महिला के बाइक सवार दो उचक्के गले से चेन छिनतई कर भाग निकले. जनक नगर की रहने वाली महिला बेबी देवी सावन महीने के पहले दिन पूजा के लिए मंदिर जा रही थीं. इसी दौरान बाइक सवार दो अपराधी तेज़ी से पहुंचे और उनके गले से सोने की चेन झपट कर फरार हो गए. यह घटना सड़क किनारे लगे एक सीसीटीवी कैमरे में पूरी तरह कैद हो गई है. फुटेज में दोनों स्नैचर्स साफ नजर आ रहे हैं. दोनों आरोपी बिना हेलमेट और बिना नंबर की बाइक पर सवार थे. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. महिला के शोर मचाने के बाद लोग घरों से बाहर आए लेकिन तब तक दोनों उचक्के भाग चुके थे. पंडरा ओपी प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों आरोपियों की पहचान कर ली गई है. पुलिस टीम उनकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

पारस हॉस्पिटल में कल निःशुल्क मेगा हेल्थ कैंप

रांची। पारस हॉस्पिटल एचइसी में रविवार 13 जुलाई को निःशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया जा रहा है. कैंप सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक लगेगा. इस हेल्थ कैंप में अस्पताल के विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा निःशुल्क ओपीडी परामर्श दिया जाएगा. इसके अलावा अन्य डायग्नोस्टिक एवं लैब टेस्ट पर 50 प्रतिशत की छूट भी दी जाएगी. कैंप का लाभ उठाने के लिए 8080808069 पर पंजीकरण कराना होगा. यह जानकारी पारस हॉस्पिटल के फैसिलिटी निदेशक डॉ नीतेश कुमार ने दी. उन्होंने बताया कि पारस हॉस्पिटल का उद्देश्य है कि आम जनता को समय-समय पर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाए और उन्हें प्राथमिक जांच की सुविधाएं दी जाएं, जिससे बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सके. पारस हॉस्पिटल एचईसी के मार्केटिंग हेड मानस लाभ ने कहा कि मरीजों के प्रति अपनी जिम्मेवारी को समझते हुए पारस हॉस्पिटल हमेशा निःशुल्क हेल्थ कैंप का आयोजन करता रहता है. इसी कड़ी में रविवार को निःशुल्क मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया जा रहा है. आम लोग इस हेल्थ कैंप का लाभ उठा सकते हैं.

आरपीएफ ने 25 किलो गांजा बरामद किया, दो गिरफ्तार

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया रेलवे स्टेशन से 25 किलोग्राम गांजा बरामद किया है. इस मामले में दो लोग गिरफ्तार किए गए हैं. हटिया रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को सघन जांच अभियान चलाया गया. इस दौरान प्लेटफॉर्म संख्या-तीन पर फुटओवर ब्रिज के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों को तीन पीठू बैग और एक ट्रॉली बैग के साथ बैठे देखा. उनके बैग की तलाशी लेने पर कुल 25 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ. पूछताछ करने पर उनकी पहचान बिहार के औरंगाबाद निवासी उमेश कुमार और चंद्रदत्त कुमार बिहार के रूप में हुई. एसआई ने बताया कि बरामद गांजा की सूचना एएससी आरपीएफ रांची को दी गई है. डीडी किट से परीक्षण करने पर यह गांजा पाया गया.

पूर्व मंत्री ददई दुबे के निधन पर कांग्रेस में शोक की लहर

रांची। वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे के निधन से झारखंड की राजनीति में शोक की लहर दौड़ गई है. उनके पार्थिव शरीर को शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, रांची लाया गया, जहां कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं, मंत्रियों और विधायकों ने दुबे के पार्थिव शरीर पर कांग्रेस का झंडा अर्पित कर उन्हें सम्मान दिया. इसके बाद शोकसभा का आयोजन किया गया.शोकसभा को संबोधित करते हुए केशव महतो कमलेश ने कहा, स्व. ददई दुबे ने झारखंड-बिहार की राजनीति में एक अलग पहचान बनाई.

निर्मलधाम मनातू में गुरु पूजा का आयोजन 13 को

रांची। सहज योग केंद्र रांची के तत्वावधान में 13 जुलाई क निर्मलधाम मनातू में गुरु पूजा का आयोजन किया जाएगा. यह दिव्य आयोजन माताजी निर्मला देवी के आध्यात्मिक आदर्शों और मार्गदर्शन के तहत सहज योग साधकों की ओर से श्रद्धा, प्रेम और भक्ति के साथ किया जाएगा. यह जानकारी राजेश सोमानी ने शुक्रवार को दी.

ब्रीफ न्यूज

छतरपुर में सीओ ने शिविर लगाकर सुनी समस्याएं

छतरपुर। छतरपुर प्रखंड क्षेत्र के कर्म-चराई के पंचायत सचिवालय में अंचलाधिकारी उपेन्द्र कुमार ने राजस्व को लेकर शुक्रवार को शिविर का आयोजन किया. इस दौरान उन्होंने लोगांे की समस्या सुनी और उसका त्वरित निपटारा किया. सीओ उपेन्द्र कुमार ने बताया कि सुदूरवर्ती पंचायतांे में राजस्व शिविर लगाकर लोगों की परेशानी को दूर किया जाएगा. इससे लोगों को छतरपुर प्रखंड मुख्यालय नहीं आना पड़ेगा. उन्होंने कहा कि संबंधित पंचायत में ही राजस्व शिविर लगाकर अंचल कार्यालय तक के मामले का निपटारा किया जएगा. शिविर में मुखिया, पंचायत समिति सदस्य समेत सभी अंचलकर्मी उपस्थित थे.

पति ने अपनी पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी

महुआडांड़। महुआडांड़ थाना क्षेत्र के सोहर पंचायत में पति पत्नी के आपसी विवाद में पति ने पत्नी की हत्या कर दी. प्राप्त जानकरी के अनुसार आदिम जनजातिय बहुल गांव कटहलटोली में बुधवार की रात सुमन कोरवा की अपनी पत्नी तिरयो देवी के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ, इस दौरान दोनो नशे में थे. विवाद मारपीट तक पहुंच गई. इस दौरान सुमन कोरवा ने पीट पीट कर पत्नि की हत्या कर दिया और खुद फरार हो गया. वही गुरूवार की रात में इस घटना की जानकारी गांव के लोगों के द्वारा थाना को दी गई. शुक्रवार की सुबह थाना प्रभारी मनोज कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेजा गया. थाना प्रभारी ने बताया की आरोपी के गिरफ्तारी को लेकर छापामारी अभियान चलाया जा रहा है.

चंद्रशेखर उर्फ ददई दूबे को नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

मेदिनीनगर। पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दूबे के निधन से पूरे राज्य में शोक की लहर है. राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने रांची स्थित उनके आवास पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की. उन्होंने कहा कि ददई दूबे का जाना अत्यंत दुखद और अपूरणीय क्षति है. इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने मजदूरों, वंचितों और कमजोर वर्गों के हक की आवाज बुलंद की थी. वे जुझारू, संवेदनशील और कर्मठ नेता थे, जिन्होंने जनहित को सदैव प्राथमिकता दी. पलामू जिला लोक कला संस्कृति मंच के अध्यक्ष और आकाशवाणी कलाकार शिशिर कुमार शुक्ला ने शोक जताते हुए कहा कि पलामू समेत पूरे झारखंड में उनकी भरपाई असंभव है. पाटन कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बलराम उपाध्याय ने कहा कि ददई दूबे ने कांग्रेस को पलामू ही नहीं, पूरे झारखंड में मजबूत किया.

दो माह से जलमीनार खराब, ग्रामीण हैं परेशान

महुआडांड़। महुआडांड़ प्रखंड के दुरूप पंचायत के यादव टोला में बने जलमीनार पिछले दो महीने से पूरी तरह से खराब पड़े हैं, जिससे ग्रामीणों को गंभीर पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है. जलमीनार खराब होने के बाद से ग्रामीणों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है, जो खासकर महिलाओं और बच्चों के लिए बहुत कठिनाई भरा हो गया है. शुरुआत में बालूमाथ के ठेकेदार रशीद खान ने मरम्मत कराने का वादा किया था, लेकिन अब वे फोन तक नहीं उठा रहे हैं. जलमीनार की देखरेख के लिए जिम्मेदार जेई ओमकार कुमार से भी संपर्क करने पर कोई जवाब नहीं मिला. ग्रामीणों को आशंका है कि ठेकेदार व जेई के के कारण कार्य में लापरवाही हो रही है.

उप विकास आयुक्त ने मनरेगा समेत विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर

शुभम संदेश। लातेहार

समाहरणालय सभागार में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सैय्यद रियाज अहमद की अध्यक्षता में मनरेगा समेत विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन का निर्देश दिया. डीडीसी ने मनरेगा के अंतर्गत मजदूरों को समय पर भुगतान, कार्यस्थलों पर मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता और लंबित योजनाओं की शीघ्र पूर्णता पर बल दिया. उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों (बीडीओ) को निर्देश दिया कि वे योजनाओं की प्रगति की नियमित निगरानी करें और विशेष रूप से बागवानी योजना के तहत आम के नए बागानों की स्थापना का कार्य तेज करें. इसके लिए पीट खुदाई का कार्य समन्वय से समयबद्ध तरीके से पूरा करने को कहा गया.

अबुआ आवास योजना की समीक्षा में अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने, लाभुकों को योजना की स्वीकृति और स्वीकृति के अनुसार किस्तों के समय पर भुगतान का निर्देश दिया गया. शिक्षा विभाग से छात्रवृत्ति, नामांकन तथा आधार सीडिंग की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली गई, वहीं कृषि विभाग को किसानों को समय पर बीज वितरण सुनिश्चित करने को कहा गया. समाज कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए डीडीसी ने पोषण ट्रैकर, आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति और सेविकाओं की उपस्थिति की जानकारी ली. जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को पोषण से जुड़ी योजनाओं को और प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए. इसके साथ ही 'धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान' के तहत की जा रही गतिविधियों की भी जानकारी ली गई.

समीक्षा बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी अमृतेश कुमार सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम साहू, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अलका हेंब्रम सहित सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी उपस्थित थे. साथ ही ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल एवं पथ निर्माण विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की गई. डीडीसी ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया. उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी योजना में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा. लंबित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने हेतु संबंधित कार्यपालक अभियंताओं को निर्देशित किया गया. उन्होंने कहा कि जनोपयोगी योजनाएं समय पर पूरी हों और उनका क्रियान्वयन गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो, यह सुनिश्चित किया जाए. बैठक में ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल एवं पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता भी उपस्थित थे.

विश्व जनसंख्या दिवस पर एमएमसीएच में कार्यक्रम, बोले सीएस

तेजी से बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण करना है बहुत जरूरी

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर परिवार नियोजन पखवाड़े की भी शुरुआत हुई. कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव, सदर एसडीओ सुलोचना मीणा, एमएमसीएच के सुपरिटेंडेंट और प्रिंसिपल द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया. सिविल सर्जन डॉ. श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि तेजी से बढ़ती जनसंख्या हम सभी के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है. इस पर नियंत्रण पाना नितांत आवश्यक हो गया है और इसके लिए समाज के हर वर्ग को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी. उन्होंने कहा कि हमें न केवल खुद को जागरूक बनाना है, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी जनसंख्या नियंत्रण के महत्व के प्रति सजग करना होगा.

सदर एसडीओ सुलोचना मीणा ने भी जनसंख्या स्थिरीकरण की आवश्यकता पर बल दिया. उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा परिवार नियोजन के तहत कई योजनाएं और कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य आम लोगों को विभिन्न उपायों के माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण के लिए प्रेरित करना है. उन्होंने आमजन से इन योजनाओं का लाभ उठाने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की. एमएमसीएच के सुपरिटेंडेंट एवं प्रिंसिपल ने भी विश्व जनसंख्या दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि सभी को इस अभियान में भागीदारी निभानी चाहिए. उन्होंने परिवार नियोजन पखवाड़ा के तहत तय लक्ष्यों की प्राप्ति में स्वास्थ्य कर्मियों और आम जनता से सहयोग की अपील की.

कार्यक्रम में डीआरसीएचओ, हेल्थ डीपीएम प्रदीप कुमार, सहिया, एएनएम और अन्य स्वास्थ्यकर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित थे. पखवाड़ा के दौरान कुल 1104 महिलाओं का बंध्याकरण और 74 पुरुषों की नसबंदी का लक्ष्य रखा गया है. इसके अलावा 2943 आईयूसीडी इंस्टॉलेशन, 3679 अंतरा इंजेक्शन, 44148 ओसीपी (मौखिक गर्भनिरोधक गोलियां), 11773 छाया गोलियां और 7,94,665 कंडोम वितरण का लक्ष्य तय किया गया है. यह सभी प्रयास जनसंख्या नियंत्रण और परिवार नियोजन को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में अहम कदम हैं.

विश्व जनसंख्या दिवस पर परिवार स्वास्थ्य मेला आयोजित

बालूमाथ। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बालूमाथ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में परिवार स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ बालूमाथ पंचायत के मुखिया नरेश लोहरा एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस स्वास्थ्य मेले का मुख्य उद्देश्य योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन के स्थायी और अस्थायी तरीकों के प्रति जागरूक करना था. मेले के दौरान महिलाओं के लिए वन्ध्याकरण तथा पुरुषों के लिए नसबंदी जैसी स्थायी विधियों की जानकारी दी गई, साथ ही अस्थायी साधनों को अपनाने हेतु भी लोगों को प्रेरित किया गया. स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह जानकारी दी गई कि इस विशेष पखवाड़े के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इच्छुक लाभुकों के लिए वन्ध्याकरण और नसबंदी जैसी सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी. कार्यक्रम में डॉ. सुरेंद्र कुमार, एफपी बीटीटी शांति देवी, रौशन इंदवार मौजूद थे.

किसानों ने प्रभारी कृषि पदाधिकारी को बनाया बंधक

बरवाडीह। शुक्रवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित बीज वितरण केंद्र पर भारी अव्यवस्था और अधिकारियों की लापरवाही के चलते सैकड़ों किसानों को निराशा झेलनी पड़ी. सुबह 9 बजे से दूरदराज के गांवों से बड़ी संख्या में महिला व पुरुष लाभुक बीज के लिए केंद्र पर पहुंचे थे, लेकिन उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा. बीज वितरण न होने से आक्रोशित महिला लाभुकों ने प्रभारी खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी सह कृषि पदाधिकारी रामनाथ यादव को घेर लिया और घंटों तक केंद्र पर ही बंधक बनाकर रखा. स्थिति उस समय और बिगड़ गई जब रामनाथ यादव द्वारा लगातार संपर्क करने के बावजूद प्रखंड की एग्रीकल्चर टेक्निकल मैनेजर सपना कुमारी से बात नहीं हो सकी, क्योंकि उनका मोबाइल बंद था. जब किसी अन्य माध्यम से सपना कुमारी को जानकारी दी गई, तो उन्होंने स्वयं मौके पर आने की बजाय किसी अन्य व्यक्ति के माध्यम से बीज वितरण केंद्र की चाबी भिजवाने की कोशिश की. लेकिन उनकी गैरमौजूदगी में बीज वितरण संभव नहीं हो सका. घटना की जानकारी मिलते ही बरवाडीह थाना से एएसआई पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और किसानों को समझा-बुझाकर शांत कराया. प्रशासन की ओर से किसानों को आश्वासन दिया गया कि बीज का वितरण अगले दिन किया जाएगा. बावजूद इसके किसानों में भारी नाराजगी देखी गई. कई महिलाएं छोटे बच्चों को लेकर बीज लेने आई थीं, लेकिन उन्हें भी निराश होकर लौटना पड़ा.

नक्सली कमांडर मृत्युंजय के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

शुभम संदेश। बरवाडीह

गुमला जिले की चैनपुर थाना पुलिस ने लातेहार जिले की छिपादोहर थाना पुलिस के सहयोग से शुक्रवार को एक विशेष अभियान चलाकर प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के टॉप कमांडर मृत्युंजय भुइंया के घर न्यायालय द्वारा जारी इश्तहार चिपकाया. जानकारी के अनुसार, नक्सली मृत्युंजय भुइंया उर्फ अवधेश भुइंया, पिता बाबूलाल भुइंया, छिपादोहर थाना क्षेत्र के चुंगरू पंचायत अंतर्गत नावाडीह गांव का निवासी है. उस पर गुमला जिले के चैनपुर थाना में वर्ष 2015 में कांड संख्या 10/2015 के तहत मामला दर्ज है. इस मामले में गुमला न्यायालय ने नक्सली के खिलाफ इश्तहार चिपकाने का आदेश जारी किया था. इसी आदेश के तहत चैनपुर थाना प्रभारी कुंदन चौधरी ने छिपादोहर थाना प्रभारी धीरज कुमार सिंह और उनकी टीम की मदद से नावाडीह स्थित मृत्युंजय के घर जाकर यह कार्रवाई की. इश्तहार चिपकाने की इस कार्रवाई के दौरान चैनपुर और छिपादोहर थानों के कई पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे. पुलिस का मानना है कि यह कदम नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने की दिशा में महत्वपूर्ण है और इससे नक्सली नेटवर्क को कमजोर करने में मदद मिलेगी.

ताबिश हत्याकांड का खुलासा पुरानी रंजिश में की गई हत्या

शुभम संदेश। मेदिनीनगर

हुसैनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत जपला धरहारा स्थित नहर में 8 जुलाई को मिले युवक के शव की पहचान ताबिश अंसारी के रूप में हुई है. इस हत्याकांड के पीछे का रहस्य सुलझाते हुए पुलिस ने मुख्य अभियुक्त तबरेज आलम (27 वर्ष), पिता अशफाक आलम, निवासी गम्हरिया को गिरफ्तार कर लिया है. इस संबंध में एसपी रिष्मा रमेशन ने प्रेस वार्ता कर विस्तृत जानकारी दी. एसपी के अनुसार, ताबिश मुहर्रम के दिन अपने मित्र अजहरूद्दीन से विनय जनरल स्टोर जाने की बात कहकर अभियुक्त तबरेज के साथ निकला था, लेकिन उसके बाद वह घर वापस नहीं लौटा. कुछ समय बाद तबरेज ने ताबिश का मोबाइल उसके परिजनों को सौंपा, जिससे परिजन और पुलिस दोनों को संदेह हुआ. पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए हुसैनाबाद थाना में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1)/238 के तहत कांड संख्या 175/2025 दर्ज की और जांच प्रारंभ की.

तकनीकी जांच, गुप्त सूचना और घटनाक्रम की कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए पुलिस को पता चला कि मृतक और अभियुक्त पहले साथ काम करते थे. ताबिश के कारण तबरेज की नौकरी चली गई थी और ताबिश के पास तबरेज की कुछ रकम भी बकाया थी. इन्हीं कारणों से तबरेज ने रंजिश में ताबिश की हत्या की योजना बनाई. 6 जुलाई को तबरेज ने ताबिश को पहले नशे का इंजेक्शन (केटामाइन) देकर बेसुध किया और फिर पट्टी से गला घोंट कर हत्या कर दी. इसके बाद शव को नहर में फेंक दिया. पुलिस ने आरोपी के पास से केटामाइन का खाली वायल, दो नीडल कैप, एक फटा हुआ सीरिंज रैपर और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं. इस छापेमारी में हुसैनाबाद एसडीपीओ एस. मो. याकुब, थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी, पुअनि सौरभ चौबे, मुकेश सिंह, कमल किशोर पांडेय शामिल थे.

एक नजर

सावन के पहले दिन शिव भजनों से गूंजा मंदिर परिसर

हैदरनगर। शुक्रबाजार स्थित श्री राम जानकी मंदिर परिसर में सावन मास के पहले दिन एक भव्य सत्संग का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का नेतृत्व शिव शिष्याओं ने किया, जिसमें शिव गुरु पर केंद्रित परिचर्चा का आयोजन भी हुआ. सत्संग में बड़ी संख्या में क्षेत्र की महिलाओं ने भाग लिया और भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की. महिलाओं ने इस अवसर पर कहा कि शिव आराधना के बिना सृष्टि का कल्याण असंभव है, क्योंकि शिव ही ब्रह्मांड के गुरु और पालनहार हैं. उन्होंने शिव की महिमा का गुणगान करते हुए एक से बढ़कर एक भक्तिमय भजन प्रस्तुत किए, जिससे मंदिर परिसर में भक्ति की रसधार बह निकली. कार्यक्रम के अंत में तसमयी का भोग अर्पित किया गया और उसे उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद रूप में वितरित किया गया, जिससे माहौल पूरी तरह से भक्तिमय और आनंददायक हो गया. यह आयोजन हर वर्ष सावन के पहले दिन की परंपरा के तहत किया जाता है. इस मौके पर गीता देवी, सुषमा देवी, पार्वती देवी, राधा देवी, पुष्पा देवी, चंद्रमणी देवी, शांति कुंवर सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं.

मलेरिया जागरूकता: छात्रों के बीच आयोजित हुई प्रतियोगिता

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ प्रखंड के धाधू पंचायत स्थित मकईयाटांड़ में संचालित मॉडल स्कूल में शुक्रवार को मलेरिया जागरूकता अभियान के अंतर्गत छात्रों के बीच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. यह प्रतियोगिता असैनिक शल्य चिकित्सक, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी एवं जिला मलेरिया पदाधिकारी के निर्देशानुसार आयोजित की गई. प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में मलेरिया के प्रति जागरूकता फैलाना और उन्हें इससे बचाव के उपायों की जानकारी देना था. इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया. सुनील कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मो. रशीद को द्वितीय और खुशबू कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के दौरान पंकज कुमार पांडेय, एमटीएस नितेंद्र सिंह, एमपीडब्ल्यू गुलाम कुरैशी, विजय कुमार, मॉडल स्कूल के प्रधानाध्यापक एवं अन्य शिक्षक उपस्थित रहे. इस आयोजन ने छात्रों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

ग्रामीण क्षेत्र में ब्राइट फ्यूचर कोचिंग सेंटर का शुभारंभ

पाटन। पाटन प्रखंड के नावाखास पंचायत स्थित नावाअखाड़ा पीपल पेड़ के समीप गुरुवार को 'ब्राइट फ्यूचर कोचिंग सेंटर' का भव्य उद्घाटन हुआ. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के युवा झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष राहिल राज उर्फ प्रकाश राम तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में नावाजयपुर थाना के एसआई एसडी राम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे. सभी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर कोचिंग सेंटर का उद्घाटन किया. संबोधन में राहिल राज ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुविधा मिलना गौरव की बात है. उन्होंने कोचिंग संचालकों प्रियंका मेहरा और उपेंद्र कुमार को धन्यवाद देते हुए उनके शिक्षा क्षेत्र में अनुभव की सराहना की. उन्होंने कहा कि इस कोचिंग के माध्यम से अब साइंस, आर्ट्स और कॉमर्स की पढ़ाई विद्यार्थियों को अपने ही क्षेत्र में सुलभ होगी. कोचिंग सेंटर की संचालिका प्रियंका मेहरा व उपेंद्र कुमार ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण बच्चों को कम खर्च में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है.

जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव 26 जुलाई को

लातेहार। जिला अधिवक्ता संघ के सत्र 2025-27 के लिए पदाधिकारियों का चयन 26 जुलाई को होने वाले मतदान के माध्यम से किया जाएगा. चुनाव आयुक्त अनिल ठाकुर, संतोष रंजन और गणेश प्रसाद ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है. चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत 14 जुलाई को मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ होगी. नामांकन प्रक्रिया 16 और 17 जुलाई को संपन्न होगी. इन दो दिनों में नामांकन पत्रों की बिक्री और जमा दोनों का कार्य किया जाएगा. 16 जुलाई को पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 4 बजे तक तथा 17 जुलाई को पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 2:30 बजे तक नामांकन प्रपत्रों की बिक्री होगी. वहीं, नामांकन पत्रों को भरने और जमा करने का समय 16 जुलाई को पूर्वाह्न 11:30 बजे से अपराह्न 4 बजे तक तथा 17 जुलाई को पूर्वाह्न 11:30 बजे से अपराह्न 3:30 बजे तक निर्धारित किया गया है. नामांकन पत्रों की जांच 18 जुलाई को की जाएगी. 19 जुलाई को पूर्वाह्न 9 बजे से अपराह्न 1 बजे तक नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होगी. उसी दिन दोपहर बाद उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी. मतदान 26 जुलाई को सुबह 9 बजे से अपराह्न 1 बजे तक होगा और उसी दिन अपराह्न 2:30 बजे से मतगणना शुरू कर दी जाएगी. इस बार कुल 12 पदों के लिए चुनाव कराया जाएगा. इनमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव के एक-एक पद, संयुक्त सचिव के दो पद (प्रशासनिक और पुस्तकालयाध्यक्ष), कोषाध्यक्ष और सहायक कोषाध्यक्ष के एक-एक पद, तथा पांच कार्यकारिणी सदस्यों के पद शामिल हैं. चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही अधिवक्ताओं में उत्साह और सक्रियता देखी जा रही है. अधिवक्ता संघ के कार्यालय और कोर्ट परिसर में चुनावी चर्चाएं जोरों पर हैं, और विभिन्न संभावित प्रत्याशियों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं. टेबुलों पर रणनीतियां बनती दिख रही हैं और अधिवक्ताओं के बीच गहमा-गहमी का माहौल बना हुआ है.

गुरुचर्चा से मिलता है आत्मज्ञान का मार्ग: अविनाश देव

मेदिनीनगर। पाटन प्रखंड के लोईंगा ग्राम में आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर शिव शिष्य परिवार के तत्वावधान में भव्य शिवचर्चा का आयोजन किया गया. यह आयोजन महर्षि वेदव्यास की जयंती, जिसे गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है, को समर्पित था. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने गुरु की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब जीवन अमावस्या की रात जैसा अंधकारमय हो जाए, तब गुरु पूर्णिमा के चांद की तरह प्रकाश फैलाते हैं. उन्होंने कहा कि गुरु सिर्फ दिशा नहीं दिखाते, बल्कि अंधविश्वास और भ्रम से मुक्ति दिलाकर आत्मज्ञान की ओर ले जाते हैं. समाज को सच्चे मार्ग पर चलने के लिए गुरुचर्चा और आत्मबोध की राह अपनानी चाहिए, अविनाश ने अपने गुरु गोकुलानंद तिवारी को पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी.

आक्रोश

संत जेवियर एकेडमी में छात्रों ने विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ किया प्रदर्शन

विद्यार्थियों ने लगाए वी वांट जस्टिस के नारे

शुभम संदेश। लातेहार

पहाड़पुरी स्थित संत जेवियर एकेडमी में शुक्रवार सुबह छात्रों ने विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया. छात्र-छात्राओं ने "वी वांट जस्टिस" के नारे लगाते हुए स्कूल परिसर में विरोध जताया और बाद में समाहरणालय जाकर उप विकास आयुक्त को ज्ञापन सौंपा. छात्रों ने ज्ञापन में विद्यालय प्राचार्य पर गंभीर आरोप लगाए. उनका कहना है कि योग्य और पुराने शिक्षकों को बिना कारण जबरन स्कूल से निकाला जा रहा है. छात्रों का आरोप है कि प्राचार्य अपने पसंदीदा लोगों को शिक्षकों के रूप में नियुक्त कर रही हैं, जिससे पढ़ाई पर बुरा असर पड़ रहा है. खासकर गणित और विज्ञान जैसे मुख्य विषयों के शिक्षक हटाए जा चुके हैं, जबकि परीक्षाएं नजदीक हैं. छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि विद्यालय में धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव किया जा रहा है और शिक्षा के उनके अधिकार का हनन हो रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि नए शिक्षक न केवल अनुभवहीन हैं, बल्कि छात्रों के साथ दुर्व्यवहार भी करते हैं. प्राचार्य से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका पक्ष नहीं मिल सका. वहीं छात्र प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो और योग्य शिक्षकों की पुनर्नियुक्ति की जाए. इससे पढ़ाई सुचारू रूप से चलेगी. साथ ही छात्रों को अच्छे शिक्षक का मार्गदर्शन मिल सकेगा. आनेवाले समय में छात्रों को काफी जरुरत पड़ेगी.

मूलभूत सुविधाओं के लिए भी त्रस्त हैं विद्यार्थी: उत्कर्ष

मेदिनीनगर। जीएलए कालेज में बीसीए पार्ट-2 (सत्र-2022-25) की प्रायोगिक परीक्षा चल रही है. परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों को मोबाईल फोन में लाइट जलाकर लिखना पड़ रहा है. पूर्व में भी इस तरह की घटनाएं सामने आई हैं. महाविद्यालय अंतर्गत मूलभूत सुविधाओं की घोर कमी है. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में मेदिनीनगर नगर मंत्री उत्कर्ष ने कहा कि महाविद्यालय में छात्रों के लिए व्यवस्था शून्य है. यहां नामांकन से लेकर परीक्षा तक की कोई व्यवस्था सुदृढ़ नहीं है. क्लासरूम की स्थिति दयनीय है. प्राचार्य महोदय को महाविद्यालय की मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान देना चाहिए. महाविद्यालय में बिजली पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं.

फरार अभियुक्त के खिलाफ कोर्ट ने जारी किया इश्तेहार

बालूमाथ। बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गंभीर आपराधिक मामले में फरार चल रहे अभियुक्त मनोहर जी उर्फ मनोहर गंझू उर्फ दिनेश गंझू, पिता बृहस्पति गंझू उर्फ विलास्पति गंझू, निवासी ग्राम बेसिया टेमराबार, बालूमाथ के विरुद्ध कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है. मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय द्वारा अभियुक्त के खिलाफ इश्तिहार जारी कर दिया गया है. मनोहर पर गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है. प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से ही अभियुक्त फरार चल रहा था, जिसे पकड़ने के लिए पुलिस प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा था. अब न्यायालय ने इश्तिहार जारी कर अभियुक्त को एक माह के भीतर न्यायालय में आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया है. यदि वह निर्धारित समयावधि में आत्मसमर्पण नहीं करता है, तो उसके खिलाफ कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी.

चंदवा थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग घटनाओं में दो की मौत

शुभम संदेश। चंदवा

थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग स्थानों पर हुई दो दुखद घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई. पहली घटना इंदिरा गांधी चौक के पास राजस्व ग्राम चकला के टोला पुरना टोली की महिला सुवाष देवी की है. सुवाष देवी स्वास्थ्य सहिया के पद पर कार्यरत थीं और विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुई थीं. कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब वह अपने घर लौट रही थीं, तभी दोपहर करीब 3:30 बजे उन्हें वज्रपात की चपेट में आकर गिरते देखा गया. आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्रभारी डॉक्टर नीलिमा जांचोप्रांत ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

उल्लेखनीय है कि लगभग 12-13 साल पहले भी उनके पति और पुत्र की खेत में काम करते समय वज्रपात से मौत हो चुकी है. दूसरी दुखद घटना बोदा निवासी सुनील बड़ाईक के छोटे पुत्र की है, जो कुंवे में डूब गया था. परिवार के सदस्यों ने बच्चे को तुरंत बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. दोनों मृतकों के शवों का पंचनामा कर सदर अस्पताल लातेहार पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. इस कार्य में स्थानीय नेता हरिकुमार भगत, विजय दूबे एवं अन्य लोगों ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया. दोनों घटनाओं ने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया है.

ब्रीफ न्यूज

जयनगर में बीडीओ ने की आकांक्षी प्रखंड की समीक्षा बैठक

जयनगर। जयनगर प्रखंड मुख्यालय में शुक्रवार को आकांक्षी प्रखंड के अंतर्गत एक अहम विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) गौतम कुमार ने की. बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, वित्तीय समावेशन और बुनियादी ढांचे से जुड़े सूचकांकों की विस्तृत समीक्षा की गई. इन क्षेत्रों में सितंबर 2025 तक लक्ष्य प्राप्त करने के लिए तीन माह की कार्ययोजना तैयार की गई. बैठक में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता व निगरानी व्यवस्था पर विशेष चर्चा हुई. बीडीओ ने शिक्षा विभाग को इस दिशा में त्वरित सुधार करने के निर्देश दिए. स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर चलाए जा रहे परिवार नियोजन पखवाड़ा की भी समीक्षा की गई.

बच्चों की आशाओं को मिल रहा नया आसमान

केरेडारी। केरेडारी कोयला खनन परियोजना जहां एक ओर सतत विकास की ओर अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर शिक्षा और सामाजिक बदलाव की दिशा में भी एक प्रेरणादायक पहल कर रही है — "उज्ज्वल भविष्य". इस योजना की शुरुआत 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर की गई, जो शिक्षा, मार्गदर्शन और मूल्यों के प्रतीक के रूप में चुनी गई तिथि है. यह पहल परियोजना प्रमुख श्री के. चंद्रशेखर की दूरदृष्टि और करुणा का प्रमाण है, जो समावेशी विकास को प्राथमिकता देते हैं. "उज्ज्वल भविष्य" का उद्देश्य उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बसरिया के छात्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना है, विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए जो परियोजना से प्रभावित परिवारों से आते हैं.

'ग्रीन तिलैया, क्लीन तिलैया' अभियान के तहत पौधरोपण

कोडरमा। सुभाष चौक पर ₹ग्रीन तिलैया, क्लीन तिलैया₹ अभियान के तहत शुक्रवार को एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में कोडरमा के उपायुक्त श्री ऋत्विराज, उप विकास आयुक्त रवि जैन, जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, नगर प्रशासक अंकित गुप्ता तथा कई सामाजिक संगठनों के सम्मानित सदस्य उपस्थित थे. सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण किया और शहर को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया. इसी अभियान के तहत झुमरीतिलैया नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 11 और 12 में वस्त्र दान कैंप का आयोजन भी किया गया.

चितरपुर में भारी बारिश से दो किसानों के घर ढहे

रामगढ़। चितरपुर पूर्वी पंचायत अंतर्गत शिवालय रोड पर लगातार हो रही तेज बारिश के कारण दो गरीब किसानों, अनिल महतो और नांदो महतो के घर ढह गए. बारिश के चलते घरों की दीवारें कमजोर हो गई थीं और अचानक भरभराने की आवाज के साथ दोनों घर गिर पड़े. हादसे के वक्त नांदो महतो का पूरा परिवार घर के दूसरे कमरे में सोया हुआ था. आवाज सुनते ही सभी बाहर निकल गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया. घर गिरने के बाद दोनों किसान परिवारों को एक ही कमरे में रहने को मजबूर होना पड़ा है. खेती और सब्जी बेचकर जीवन यापन करने वाले ये किसान पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं, ऐसे में नया मकान बनवा पाना उनके लिए संभव नहीं है. प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की ओर से अब तक कोई मदद नहीं मिली है.

फाइलेरिया उन्मूलन: 10 से 25 अगस्त तक चलेगा एमडीए-आईडीए अभियान

स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां प्रारंभ कर दीं

शुभम संदेश। हजारीबाग

जिले में फाइलेरिया उन्मूलन के उद्देश्य से 10 अगस्त से 25 अगस्त 2025 तक मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) और इंटेंसिफाइड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (आईडीए) अभियान संचालित किया जाएगा. यह अभियान जिला स्वास्थ्य समिति, हजारीबाग के सिविल सर्जन-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के निर्देशन में आयोजित किया जा रहा है. इसका मुख्य उद्देश्य फाइलेरिया की रोकथाम के लिए जनसामान्य को दवा सेवन हेतु प्रेरित करना है. राज्य स्तर से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार स्वास्थ्य विभाग ने अभियान की तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं. जिले में जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है. अभियान के पहले दिन आंगनबाड़ी केंद्रों, वार्ड कार्यालयों, स्वास्थ्य उपकेंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं तकनीकी संस्थानों में दवाएं खिलाई जाएंगी. जो व्यक्ति पहले दिन दवा नहीं ले पाएंगे, उन्हें स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर-घर जाकर निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी.

अभियान को सफल बनाने के लिए कई योजनाबद्ध गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा. इसमें ग्राम प्रधान, मुखिया, आंगनबाड़ी सेविका, सहिया, स्वास्थ्य प्रतिनिधि, शिक्षक, युवाओं के समूह एवं जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी. स्कूली बच्चों के बीच फाइलेरिया विषयक क्विज और पोस्टर प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी, साथ ही दवा सेवन के लिए संकल्प भी लिया जाएगा. इंटरपर्सनल कम्युनिकेशन गतिविधियों के माध्यम से प्रत्येक घर तक अभियान की जानकारी पहुंचाई जाएगी. साप्ताहिक बाजारों एवं प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर प्रचार गतिविधियों के माध्यम से लोगों को दवा सेवन के लिए जागरूक किया जाएगा. मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा आदि धार्मिक स्थलों पर धर्मगुरुओं के माध्यम से संदेश प्रसारित कर लोगों को दवा लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा. सूचना, शिक्षा और संचार एवं व्यवहार परिवर्तन संचार गतिविधियों के जरिए जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें पर्यवेक्षकों, स्वास्थ्य विभाग की टीमों जैसे एमटीएस, एसआई, एमपीडब्ल्यू की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है. यह अभियान जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है, जिसमें हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है.

रेलवे कैडर कोर कमेटी की बैठक में बोले एआईआरएफ सदस्य

कैडर पुनर्गठन को 1 नवंबर 2023 से प्रभावी किया जाए

शुभम संदेश। रामगढ़

रेलवे कैडर रिस्ट्रक्चरिंग को लेकर आयोजित कोर कमेटी की एक अहम बैठक हाल ही में दिल्ली के रेल भवन में संपन्न हुई. इस बैठक में रेलवे बोर्ड और ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआईआरएफ) के प्रतिनिधियों के बीच व्यापक चर्चा हुई. बैठक की अध्यक्षता रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक संचालन (ईडीपीसी) ने की. एआईआरएफ की ओर से महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा, वर्किंग प्रेसिडेंट कॉमरेड जेआर भोसले और सहायक महामंत्री कॉमरेड एसके त्यागी शामिल हुए. बैठक के बाद एआईआरएफ की ओर से सभी जोनल यूनियनों के महामंत्रियों को चर्चा की संक्षिप्त जानकारी पत्र के माध्यम से साझा की गई. इस संबंध में ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री और एआईआरएफ वर्किंग कमेटी के सदस्य मो. ज़्याऊद्दीन ने बताया कि लंबे अंतराल के बाद हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में फेडरेशन ने रेलवे कर्मचारियों की कई प्रमुख मांगों को सामने रखा.

उन्होंने बताया कि एआईआरएफ ने जोर दिया कि कैडर पुनर्गठन को 1 नवंबर 2023 से प्रभावी किया जाए. ट्रैक मेंटेनर श्रेणी के लेवल-4 पदों को लेवल-5 में मर्ज करने की मांग उठाई गई. इसके साथ ही लेवल-4 की पदसंख्या में वृद्धि और लेवल-6 पदों का एक निर्धारित प्रतिशत में समावेश करने का भी सुझाव दिया गया. तकनीशियन श्रेणी के लिए भी लेवल-4 को लेवल-5 में विलीन करने तथा वरिष्ठ तकनीशियनों को लेवल-7 दिए जाने की मांग रखी गई, जिससे कर्मचारियों के करियर में ठहराव की स्थिति दूर की जा सके. ट्रेन्स क्लर्क को लेवल-6 का ग्रेड देने की मांग की गई ताकि मंत्रालयिक एवं तकनीकी कर्मचारियों के बीच समानता स्थापित हो सके. फार्मासिस्ट कैडर में प्रारंभिक ग्रेड को सीधे लेवल-6 से शुरू करने की सिफारिश की गई और लेवल-5 को समाप्त करने की मांग की गई. लोको रनिंग स्टाफ में मेल, एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों के लोको पायलट्स को लेवल-7 और लेवल-8 ग्रेड दिए जाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया. ट्रेन मैनेजर कैडर में लेवल-6 को भर्ती ग्रेड माना जाए तथा लेवल-7 और उससे ऊपर के ग्रेड्स को एक निश्चित प्रतिशत में उच्चतर स्तर पर प्रमोशन के रूप में देने की बात कही गई.

बैठक में उठाए गए विषयों पर चर्चा करते हुए एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओ.पी. शर्मा ने कहा कि कर्मचारियों के आर्थिक उन्नयन और पदोन्नति से जुड़ी मांगों पर गंभीरता से विचार किया गया है. सरकारी पक्ष ने आश्वस्त किया है कि फेडरेशन द्वारा प्रस्तुत सुझावों की विस्तार से समीक्षा कर एक ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा, जिसे मंत्रालय को भेजा जाएगा ताकि उस पर अंतिम सहमति बनाई जा सके. ओपी शर्मा ने यह भी कहा कि एआईआरएफ/ईसीआरकेयू एकमात्र ऐसा संगठन है जो राष्ट्रीय स्तर पर रेलवे कर्मचारियों के हितों की रक्षा करता है और बोर्ड स्तर पर जाकर तर्कसंगत रूप से उनकी मांगों को सामने रखता है.

चौपारण प्रखंड में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक

चौपारण। चौपारण प्रखंड कार्यालय परिसर में शुक्रवार को सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता वरीय पदाधिकारी व अंचल उप समाहर्ता अजय भगत बरही ने की. इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर, अंचल अधिकारी संजय कुमार यादव, स्वास्थ्य विभाग के नोडल प्रतिनिधि डॉ. पंकज कुमार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे. अजय भगत ने पहली बार प्रखंड में आयोजित इस बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं में पारदर्शिता, समयबद्धता और गुणवत्ता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है. विशेष रूप से शैक्षणिक, स्वास्थ्य, नाली, सड़क एवं पेयजल से जुड़ी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई. इसके साथ ही शिकायत निवारण तंत्र को अधिक प्रभावी बनाने के भी निर्देश दिए गए. अंचल अधिकारी संजय कुमार यादव ने बताया कि डीसी एलआर सर को प्रखंड के वरीय पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, प्रत्येक मंगलवार को डीसी एलआर की अध्यक्षता में प्रखंड में जनता की फरियाद सुनने और विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी.

सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल में दोनों वर्गों में पहुंचा हजारीबाग

शुभम संदेश। रामगढ़

रामगढ। खेलो झारखंड के अंतर्गत सिदो-कान्हू जिला मैदान में आयोजित तीन दिवसीय प्रमंडल स्तरीय 64वें सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन हजारीबाग जिले का दबदबा देखने को मिला. अंडर-17 बालक और बालिका दोनों वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए हजारीबाग की टीमें फाइनल में पहुंच गईं. अंडर-17 बालिका वर्ग में हजारीबाग की टीम ने मेज़बान रामगढ़ को कड़े मुकाबले में 1-0 से हराया, वहीं बालक वर्ग में रामगढ़ को 3-0 से मात देकर फाइनल में प्रवेश किया. अंडर-15 बालक वर्ग में भी हजारीबाग ने एकतरफा मुकाबले में 4-1 से जीत दर्ज की. प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम और कार्यपालक दंडाधिकारी रीना कुजूर ने किया. आयोजकों ने पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया. कुमारी नीलम ने खेलों को मानसिक और शारीरिक विकास के लिए जरूरी बताया और छात्रों से शिक्षा के साथ खेलों में भी सहभागिता की अपील की. कार्यपालक दंडाधिकारी रीना कुजूर ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं. जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार ने कहा कि रामगढ़ में प्रतियोगिता का आयोजन गौरव की बात है और भविष्य में राज्य स्तरीय आयोजन की संभावना जताई. कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग और शारीरिक शिक्षा शिक्षक उपस्थित रहे.

डोमचांच में युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

डोमचांच (कोडरमा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मसनोडीह में गुरुवार की देर संध्या एक 20 वर्षीय युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है. मृतक की पहचान धीरेंद्र कुमार सिंह, मसनोडीह निवासी के रूप मे की गई है. इसे लेकर मृतक के भाई ने बताया कि 10 जुलाई की संध्या हम सब घर निर्माण कार्य के लिए छत पर ईंट बालू साफ कर रहे थे और मेरा छोटा भाई धीरेंद्र कुमार सिंह जो मुंबई में प्राइवेट काम करता था, जब से घर पर आया तब से टेंशन में रहता था.वह अपना कमरा में दरवाजा बंद करके सो रहा था. जब हमलोग ऊपर से कम निपटाकर नीचे आए तो दरवाजा खुलवाने की कोशिश किया तो दरवाजा नहीं खोला. हल्ला करने के बाद अगल-बगल के लोगों ने छोटा खिड़की से देखा तो पंखे से मेरा भाई साड़ी के किनारे से फंदा बनाकर लटका हुआ था.इसके बाद हम लोग कच्चा दीवार तोड़कर अंदर घुसकर दरवाजा खोले और सभी लोग मिलकर पंखे से नीचे उतारा.फिर उसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से सदर अस्पताल कोडरमा ले गए.

रांची-भागलपुर स्पेशल ट्रेन का हजारीबाग में हुआ ठहराव

शुभम संदेश। हज़ारीबाग

श्रावणी मेले के पावन अवसर पर हज़ारीबाग वासियों को एक विशेष सौगात मिली है. दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा रांची और भागलपुर के बीच शुरू की गई श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन (08646/08645) का अब हज़ारीबाग टाउन स्टेशन पर भी ठहराव सुनिश्चित किया गया है. इस सुविधा से देवघर जाने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी. इस स्पेशल ट्रेन का संचालन 10 जुलाई से 11 अगस्त तक किया जाएगा और यह प्रत्येक दिशा में कुल 14 फेरे लगाएगी. ट्रेन संख्या 08646 (रांची से भागलपुर) हर रविवार, मंगलवार और गुरुवार को चलेगी, जो सुबह 2:40 बजे हज़ारीबाग टाउन स्टेशन पहुंचेगी और 2:45 बजे रवाना होगी. वहीं ट्रेन संख्या 08645 (भागलपुर से रांची) हर सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को चलेगी, जो रात 10:25 बजे हज़ारीबाग टाउन पहुंचेगी और 10:30 बजे रवाना होगी.

इस विशेष सेवा का शुभारंभ 10 जुलाई की रात 2:40 बजे हज़ारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया. इस मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश कुशवाहा, उप प्रमुख विमल गुप्ता, सहित अनेक जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक, श्रद्धालु व रेलवे कर्मचारी मौजूद थे. विधायक प्रदीप प्रसाद ने इस सौगात के लिए प्रधानमंत्री को आभार जताया.

शिविर जिला प्रशासन ने किया एकदिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

वंचित वर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देना है प्राथमिकता

शुभम संदेश। कोडरमा

जिला प्रशासन कोडरमा और इंपैक्ट इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन शुक्रवार को सीएच प्लस टू हाईस्कूल, झुमरी तिलैया मैदान में किया गया. इस शिविर का शुभारंभ उपायुक्त ऋत्विराज, जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, उप विकास आयुक्त रवि जैन, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह और इंपैक्ट इंडिया फाउंडेशन की प्रबंधक प्रो. रोहिणी वी. चौगुले ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर व फीता काट कर किया. शिविर के उद्घाटन सत्र में इंपैक्ट इंडिया फाउंडेशन के प्रबंधक ने बताया कि संस्था 1991 से देश के दूर-दराज क्षेत्रों में रेल के माध्यम से मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है. उन्होंने कहा कि यह पहल विशेष रूप से उन लोगों के लिए है, जो सामान्य चिकित्सा सेवाओं तक नहीं पहुंच पाते.

मुख्य अतिथि उपायुक्त ऋत्विराज ने अपने संबोधन में कहा कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता जरूरतमंद और वंचित वर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देना है. इस शिविर के माध्यम से सामान्य रोगों की जांच, नेत्र जांच, महिला स्वास्थ्य परामर्श, दवा वितरण और प्राथमिक उपचार जैसी सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं. शिविर में नेत्र जांच, मोतियाबिंद ऑपरेशन, कान की जांच व सर्जरी, कटे होंठ की सर्जरी जैसी विशेष चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं. शिविर में बड़ी संख्या में विशेषज्ञ चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई ताकि सभी को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा मिल सके. जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव ने इस पहल को सराहनीय बताया और कहा कि इससे जिले के आम लोगों को काफी लाभ मिलेगा. अतिथियों ने शिविर में लगाए गए विभिन्न काउंटर जैसे टोकन/रजिस्ट्रेशन, वेटिंग एरिया, ओपीडी आदि का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए. शिविर के पहले दिन जिले के विभिन्न प्रखंडों से भारी संख्या में लोग पहुंचे. नेत्र जांच, बीपी, शुगर, स्तन व ग्रीवा कैंसर जागरूकता प्रशिक्षण जैसी सेवाएं दी गईं. जरूरतमंदों को दवाएं और आंखों की समस्या वाले मरीजों को निःशुल्क चश्मा भी प्रदान किया गया. अंत में इंपैक्ट इंडिया फाउंडेशन ने जिला प्रशासन और स्थानीय जनता की भागीदारी के लिए आभार जताया. कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, स्वास्थ्य कर्मी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे.

12 महिलाओं ने कराया बंध्याकरण पंजीकरण

जयनगर। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जयनगर प्रखंड में परिवार कल्याण पखवाड़ा दिवस की शुरुआत की गई. यह पखवाड़ा 11 जुलाई से 11 अगस्त तक चलाया जाएगा, जिसके तहत प्रखंड के सभी गांवों में परिवार कल्याण से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. इन कार्यक्रमों में पुरुष नसबंदी, महिला बंध्याकरण, तथा परिवार नियोजन सामग्री का वितरण शामिल है. पखवाड़ा दिवस का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार, डॉ. सोनी कुमारी, डॉ. गोस्वामी विश्वकर्मा एवं शैलेन्द्र तिवारी ने संयुक्त रूप से किया. मौके पर डॉक्टर दिवाकर यादव, नर्सिंग स्टाफ जूलिया इक्का, मोना कुमारी, गौतम भारद्वाज एवं नीलोफा डेडल सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने महिलाओं को परिवार नियोजन के लाभ तथा स्वास्थ्य संबंधी देखभाल के बारे में जानकारी दी.

एक नजर

उपायुक्त ने किया गोला प्रखंड कार्यालय का किया निरीक्षण

रामगढ़। उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज ने शुक्रवार को गोला प्रखंड का दौरा कर प्रखंड सह अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली, विभिन्न विभागों की स्थिति एवं आम जनता को मिलने वाली सुविधाओं की समीक्षा की. उपायुक्त ने कार्यालय में मौजूद अधिकारियों और कर्मियों से जनहित से जुड़ी योजनाओं की जानकारी ली और उनके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर निर्देश दिए. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त आम नागरिकों से सीधे मिले और उनकी समस्याएं सुनीं. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश भी दिए. इस अवसर पर उन्होंने कार्यालय की व्यवस्था, साफ-सफाई और कर्मचारियों की उपस्थिति की भी जांच की. निरीक्षण के समय गोला प्रखंड विकास पदाधिकारी सुधा वर्मा, अंचल अधिकारी समरेश कुमार भंडारी समेत कई अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे. उपायुक्त का यह दौरा प्रशासनिक पारदर्शिता और आमजन से सीधे संवाद स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है.

ददई दुबे के निधन से मजदूर वर्ग ने खोया है अपना सच्चा हितैषी : निसार खान

हजारीबाग। जिला कांग्रेस कमिटी हजारीबाग के मीडिया विभाग के अध्यक्ष निसार खान ने पूर्व सांसद और इंटक (भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस) के वरिष्ठ नेता ददई दुबे के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है. उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा कि ददई दुबे का जाना मजदूर वर्ग के लिए अपूरणीय क्षति है. वे हमेशा मजदूरों के हक की आवाज बनकर सामने आए और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्षरत रहे. निसार खान ने कहा कि दुबे जी एक मृदुभाषी, मिलनसार, कुशल राजनीतिज्ञ और प्रखर समाजसेवी थे. उनका संपूर्ण जीवन जनसेवा और समाज के वंचित तबके के उत्थान के लिए समर्पित रहा. उनके निधन से न केवल कांग्रेस पार्टी ने एक सशक्त नेता को खोया है, बल्कि समाज ने भी एक मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत को खो दिया है. उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और सहनशक्ति प्रदान करें.

लापता बेटी को खोजने में मदद करे प्रशासन, पिता की गुहार

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण प्रखंड के ग्राम पंचायत दैहर की 30 वर्षीय दीपा कुमारी 21 अक्टूबर 2024 से लापता है. दीपा अर्जुन प्रजापति की बेटी है. परिजन लगातार उसकी तलाश में जुटे हैं, लेकिन अब तक उसका कोई पता नहीं चल पाया है. दीपा सुनने और बोलने में असमर्थ है, जिससे उसकी खोज और भी कठिन हो गई है. परिवार ने कई जगह खोजबीन की, साथ ही सोशल मीडिया पर भी उसकी तस्वीर साझा की गई, लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं मिली. परिजनों ने थक-हार कर चौपारण थाना में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस से मदद की गुहार लगाई है. साथ ही आम जनता से भी अपील की गई है कि यदि किसी को दीपा कुमारी का कहीं पता चले तो वे परिजनों को तुरंत सूचित करें. संपर्क नंबर हरि प्रजापति (8292444338), नितेश कुमार (6206049505, 7739246505) दिए गए हैं. परिजन भावुकता से अपील कर रहे हैं कि एक बिछड़ी बेटी को खोजने में उनकी मदद करें ताकि दीपा अपने परिवार से मिल सके. चौपारण थाना और हजारीबाग जिला प्रशासन भी इस मामले को गंभीरता से लेकर खोज अभियान जारी रखे हुए हैं.

तीन जंगली हाथियों के विचरण से ग्रामीणों में दहशत

जयनगर। प्रखंड के परसाबाद इलाके में तीन जंगली हाथियों के लगातार विचरण से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है. पिछले कई महीनों से प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में हाथियों का आतंक जारी है, जो अब परसाबाद के खेतों और गांव की सीमाओं तक पहुंच चुका है. ग्रामीणों के अनुसार, हाथी रोजाना खेतों में घुसकर फसलें नष्ट कर रहे हैं, साथ ही देर रात घरों के करीब भी नजर आते हैं. खेतों में लगे कटहल के पेड़ और बांस की भी काफी नुकसान हो रहा है. पहले केवल एक हाथी था, लेकिन अब दो और हाथी आ गए हैं, जिससे ग्रामीण भयभीत हैं. हाथी पिछले दो दिनों से परसाबाद के नीचे टोला, कुटिया जंगल और आसपास के इलाकों में घूम रहे हैं. शुक्रवार को बराकर नदी के किनारे तीनों हाथियों को देखा गया. इस गंभीर स्थिति को देखते हुए बांकुड़ा (पश्चिम बंगाल) की स्पेशल टीम भी जयनगर पहुंच चुकी है. वन विभाग की स्थानीय टीम के साथ मिलकर यह टीम हाथियों को जंगल की ओर वापस खदेड़ने का प्रयास कर रही है.

हिंदी विभाग में भारतीय ज्ञान परंपरा पर संगोष्ठी का आयोजन

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु की महत्ता विषयक संगोष्ठी का आयोजन रवींद्रनाथ टैगोर कला भवन के तुलसीदास सभागार में किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार गुप्ता ने की. कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा ने पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा के बीच सामंजस्य की आवश्यकता पर जोर देते हुए विद्यार्थियों से कहा कि वे स्वयं अपने गुरु को खोजें. मुख्य वक्ता पूर्व केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. संजय पासवान ने भारतीय ज्ञान परंपरा की विशेषता बताते हुए कहा कि भारत एक खोजी देश है और गुरु-शिष्य परंपरा इसकी सबसे महान देन है. उन्होंने कहा कि हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहना चाहिए क्योंकि यहीं से हमें ताकत मिलती है. अध्यक्षीय संभाषण में डॉ. कृष्ण कुमार गुप्ता ने चाणक्य-चंद्रगुप्त और रामकृष्ण परमहंस-स्वामी विवेकानंद जैसी गुरु-शिष्य जोड़ियों का उदाहरण देते हुए गुरु परंपरा की महत्ता रेखांकित की. पटना विश्वविद्यालय की डॉ. परमांशी जयदेव ने छात्राओं की बढ़ती भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि महिलाएं समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं. पूर्व राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. के.पी. शर्मा ने कहा कि भारतीय शिक्षा का उद्देश्य केवल वैज्ञानिक ज्ञान नहीं बल्कि समग्र मानव विकास है.

डीसी की अध्यक्षता में जन शिकायत कोषांग की समीक्षा बैठक

कोडरमा। उपायुक्त ऋत्विराज की अध्यक्षता में शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जन शिकायत कोषांग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में DMKoderma.in पोर्टल पर प्राप्त जन शिकायतों एवं लंबित आवेदनों की विभागवार गहन समीक्षा की गई. उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आपसी समन्वय से जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें. उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आम जनता की समस्याओं का समाधान सभी विभागों की शीर्ष प्राथमिकता होनी चाहिए. बैठक में उन्होंने विभागवार लंबित आवेदनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने यह भी कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए जनता के विश्वास को बनाए रखना आवश्यक है. इस बैठक में जिला योजना पदाधिकारी श्री अनुप कुजूर, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी श्री सुभाष यादव सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे.

ब्रीफ न्यूज

बच्चे को दूध पिला रही महिला को मारकर किया घायल

गुमला। गुमला सदर थाना क्षेत्र के करमटोली में धीरज बड़ाइक नामक व्यक्ति ने घर में बच्चे को स्तनपान करा रही महिला बिरस मुनी देवी को पीछे से लाठी से मार कर घायल कर दिया. घटना गुरुवार देर शाम की है. जानकारी के अनुसार महिला के पति की मृत्यु हो चुकी है. वह अपने देवर के साथ करम टोली स्थित भाड़े के मकान में रहती है. पड़ोस में उसका मौसा भी रहता है. बेटी से किसी बात को लेकर उसके मौसा का विवाद हो गया. वह अपनी बेटी को मारने पीटने लगा. बेटी पिता से छुप कर बिरस मुनी के घर आ गई और दोनों अपने-अपने बच्चे को दूध पिला रहे थे. तभी पीछे से धीरज लाठी लेकर आया और बेटी को संरक्षण देने का आरोप लगाकर बिरसमुनी के सिर में लाठी से वार कर दिया.

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने की शिकायत दर्ज

गुमला। शादी का झांसा देकर नाबालिग को एक साल तक अपने घर में रखकर दुष्कर्म करने और बाद में काम करने गए ईंट भट्टा में गांव के ही एक दूसरी लड़की से प्रेम संबंध बनाने का एक मामला प्रकाश में आया है. युवक का पहला प्रेमिका ने गुमला थाना में अपने प्रेमी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. कहा कि घाघरा थाना क्षेत्र का एक युवक शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया. उसे एक साल अपने घर में रखा. बाद में युवक काम करने बनारस के ईंट भट्ठा में चला गया. जहां घाघरा की ही एक लड़की से उसका प्रेम संबंध हो गया. दूसरी प्रेमिका गर्भवती है.

लोक सुनवाई में मांगों को लेकर जुलूस के साथ पहुंचे ग्रामीण

पिपरवार (बरटोला)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र अंतर्गत अशोक विस्तार परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए आयोजित लोक सुनवाई कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गांवों के विस्थापित और प्रभावित ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया. बरटोला गांव में आयोजित इस कार्यक्रम स्थल पर ग्रामीण जुलूस की शक्ल में पहुंचे और जमकर नारेबाजी की. ग्रामीणों ने बताया कि वे अशोका वेस्ट परियोजना से विस्थापित गांवों से हैं और अपनी प्रमुख मांगों के समर्थन में लोक सुनवाई में भाग लेने आए हैं. उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इस परियोजना का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसके लिए अपनी जायज मांगें रख रहे हैं.

महिला और भतीजा हुआ फरार, मचा हड़कंप

ठाकुरगांव। थाना क्षेत्र के बंसरी सेमरटोला गांव से एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने मानवता को शर्मसार कर दिया है. सेमरटोला की एक महिला ममता देवी, जो नवलकिशोर साहु की पत्नी है, अपने भतीजा सिकंदर साहु के साथ गुरुवार की देर रात घर छोड़कर फरार हो गई. जानकारी मिली है कि ममता देवी और सिकंदर साहु के बीच लगभग दो सालों से प्रेम संबंध चल रहा था. इस बात की जानकारी मिलने पर परिवार के सदस्यों ने करीब एक सप्ताह पहले एक सामाजिक बैठक कर दोनों को अलग रहने की चेतावनी दी थी. फिर भी दोनों ने परिजनों की बात को नजरअंदाज करते हुए मिलना जारी रखा. अंततः गुरुवार रात दोनों घर से फरार हो गए. महिला के दो बच्चे हैं, जबकि युवक सिकंदर साहु भी शादीशुदा है और उसके भी दो बच्चे हैं. यह मामला गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है और परिवार में भारी तनाव का माहौल है. ममता देवी के पति नवलकिशोर साहु ने इस संबंध में थाना में आवेदन दिया है और दोनों की खोज करने की गुहार लगाई है.

सिमडेगा में विश्व जनसंख्या दिवस एवं परिवार कल्याण पखवाड़ा, बोले प्रखंड प्रमुख

जनसंख्या नियंत्रण के माध्यम से जीवन में खुशहाली लाएं

शुभम संदेश। सिमडेगा

कोलेबिरा प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विश्व जनसंख्या दिवस एवं परिवार कल्याण पखवाड़ा का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कृष्णकांत शर्मा, प्रखंड प्रमुख दुतामी हेमरोम, और प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र किंडो सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी एवं अधिकारी मौजूद रहे. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके और विश्व जनसंख्या दिवस जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया गया, जो प्रखंड के विभिन्न इलाकों में जनसंख्या नियंत्रण के प्रति जागरूकता फैलाएगा.

कार्यक्रम के दौरान प्रखंड प्रमुख दुतामी हेमरोम ने प्रखंड के लोगों से अपील की कि वे परिवार नियोजन को अपनाएं और जनसंख्या नियंत्रण के माध्यम से जीवन में खुशहाली लाएं. उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन से न केवल परिवार की खुशहाली बढ़ती है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास भी संभव होता है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शादी की सही उम्र 18 वर्ष होनी चाहिए और परिवार में दो बच्चों के बीच कम से कम तीन वर्ष का अंतर होना चाहिए. बच्चों के बीच उचित अंतर रखने के लिए गर्भनिरोधक उपायों का इस्तेमाल आवश्यक है. प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र किंडो ने अपने संबोधन में बताया कि कम बच्चे और छोटा परिवार ही प्रगति की नींव है. उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे परिवार नियोजन की महत्ता को जन-जन तक पहुंचाएं और एक स्वस्थ एवं खुशहाल समाज के निर्माण में योगदान दें. उन्होंने युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित किया कि वे अपनी पढ़ाई पूरी करें और उसके बाद ही विवाह के विषय में सोचें, ताकि जीवन में संतुलन बना रहे. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड के तहत परिवार नियोजन एवं जनसंख्या नियंत्रण के लिए विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर अनेक उपाय उपलब्ध हैं. डॉ. कृष्णकांत शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन 11 जुलाई से 31 जुलाई तक किया जाएगा, जिसमें जागरूकता रथ पूरे प्रखंड में घूम-घूमकर लोगों को जनसंख्या नियंत्रण की जानकारी देगा. उन्होंने कहा कि आज जनसंख्या वृद्धि देश की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है, जिसके नियंत्रण के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है.

डॉ. शर्मा ने बताया कि गर्भनिरोध के कई सुरक्षित और आसान उपाय मौजूद हैं, जिनमें इंजेक्शन एम.पी.ए, आपातकालीन गर्भनिरोधक गोली, गर्भनिरोधक गोलियां, कॉपर आईयूसीडी 375, आईयूसीडी 380 ए, कंडोम, पुरुष एवं महिला नसबंदी शामिल हैं. इसके साथ ही उन्होंने बंध्याकरण और नसबंदी कार्यक्रम के तहत सरकार द्वारा मिलने वाले वित्तीय लाभ के बारे में भी जानकारी दी. पुरुष नसबंदी कराने वाले को 3000 और उत्प्रेरक को 400 तथा महिला नसबंदी कराने वाली महिला को 2000 और उत्प्रेरक को 300 का लाभ मिलता है. इस अवसर पर डॉ. कृष्णकांत शर्मा के साथ-साथ प्रखंड प्रमुख दुतामी हेमरोम, प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र किंडो, डॉ. मोहित सवइयां, डॉ. अभिषेक समीर तिग्गा, डॉ. जुही विनिता बेक, बीपीएम जोन पोल बा, लेखा प्रबंधक विलास कुमार, बीडीएम प्रवीर दास, फैमिली प्लानिंग बीटीटी रोहित केरकेट्टा, एएनएम रेणु कुमारी, श्यामा कुमारी, लिपिक अश्विनी कुमार, बीटीटी प्रसून्न प्रभावती मौजूद थे.

भरनो में शिव मंदिर को मशीन लदे मालवाहक ट्रक ने किया क्षतिग्रस्त

ग्रामीणों का गुस्सा फूटा, सड़क पर उतरे, भरनो ब्लॉक चौक किया जाम

शुभम संदेश। गुमला

एनएच 23 रांची गुमला मुख्य मार्ग पर भरनो ब्लॉक चौक सर्विस सड़क किनारे स्थित शिव मंदिर को एक बड़े ट्रेलर वाहन ने क्षतिग्रस्त कर दिया. ट्रेलर में एक बड़ा मशीन लदा हुआ है. उक्त ट्रेलर छत्तीसगढ़ से आ रहा था जो रांची की ओर जा रहा था.चालक की लापरवाही से सड़क किनारे स्थित शिव मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया. सर्विस रोड पर छोटे वाहन आ जा सकते हैं. परंतु एक बड़ा मशीन लेकर उक्त सड़क से गुजरना संभव नहीं है. फिर भी ट्रेलर चालक ने इस सड़क पर भारी वाहन को चलाने का प्रयास किया और नतीजा रहा ही शिव मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया. घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश है. ग्रामीणों ने उक्त सड़क पर ट्रेलर को खड़ा छोड़ चालक से चाबी छीनकर रख लिया.

सर्विस सड़क पर ट्रेलर द्वारा मंदिर क्षतिग्रस्त करने के बाद भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिशंकर शाही के नेतृत्व में पिछले ढाई घंटे से ग्रामीणों द्वारा नेशनल हाईवे को जाम कर दिया.सड़क निर्माण करनेवाली कम्पनी आरकेडी द्वारा लापरवाही तरीके से काम किया जा रहा है, ब्लॉक चौक स्कूल चौक में सड़क की स्थिति दयनीय है. बिना सड़क पूर्ण किए आज से नागफेनी टोल प्लाजा में टोल टैक्स भी स्टार्ट कर दिया गया है. सड़क जाम होने से दोनों ओर वाहनों लंबी कतार लग गई.लोग एनएचआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर राजीव रंजन को बुलाने की मांग रहे थे. थाना प्रभारी कंचन प्रजापति और सब इंस्पेक्टर मंटू चौधरी पुलिस जवानों के जाम स्थल पर मौजूद रहे.

वहीं इधर लगभग 12 बजे जाम को लेकर बीडीओ कार्यालय ने एनएचएआई के परियोजना निदेशक राजीव रंजन के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के साथ बैठक कर वार्ता हुई. ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न मांग रखी. उसके बाद सड़क जाम खोल दिया गया.लगभग ढाई घंटे सड़क जाम रहा.इस मौके पर थाना प्रभारी कंचन प्रजापति, भाजपा मंडल अध्यक्ष हरिशंकर शाही, भाजयुमो अध्यक्ष मुरारी केशरी, बजरंग दल अध्यक्ष सुदामा केशरी, रामानंदन शाही, गौतम मिश्रा, अशोक केशरी, देवकुमार गुप्ता, संजय गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, शिव कुमार केशरी, ओमप्रकाश केशरी सहित कई ग्रामीण मौजूद थे.

बस और ट्रक की भीषण टक्कर, डेढ़ दर्जन से अधिक यात्री घायल

लोहरदगा। लोहरदगा-चंदवा मुख्य मार्ग पर कैमो महुआ टोली के पास बीती रात करीब एक बजे भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें सासाराम से राउरकेला जा रही गुप्ता नामक यात्री बस खड़े ट्रक से टकरा गई. हादसे में डेढ़ दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस चालक को झपकी आ गई थी, जिससे यह दुर्घटना घटी. बताया जा रहा है कि बस चालक पहले भी एक बोलेरो वाहन से टक्कर कर चुका था. यात्रियों द्वारा चेतावनी देने पर भी उसने गंभीरता नहीं दिखाई और उन्हें पीछे बैठने को कह दिया. इसके बाद कैमो के समीप महुआ टोली में बस ने सड़क किनारे खड़े ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी. घायलों में मोहम्मद अरशद, परवेज अंसारी, शाहिद आलम, रामेश्वर मिश्रा, रमेश उपाध्याय शामिल हैं.

गुमला डीसी के नाम बना फर्जी वाट्सएप आईडी

गुमला। गुमला के उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के नाम व फोटो का उपयोग करते हुए फर्जी वाट्सएप आईडी बनाए जाने का मामला प्रकाश में आया है. सूचना एवं जन संपर्क कार्यालय से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि फर्जी वाट्सएप के माध्यम से भ्रामक मैसेज भेजे जा रहे हैं और नागरिकों को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है. जिला प्रशासन ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया है और साइबर सेल को कार्रवाई के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है. जिला प्रशासन ने गुमला सभी नागरिकों से अपील करती है कि वे इस प्रकार की किसी भी फेक आईडी या संदेश पर विश्वास न करें और कोई भी प्रतिक्रिया न दें.

अशोक विस्तार परियोजना के लिए लोक सुनवाई आयोजित

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बरटोला में शुक्रवार को अशोक विस्तार परियोजना (20 एमटीपीए, 1278.87 हेक्टेयर भूमि) के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद द्वारा लोक सुनवाई आयोजित की गई. इस कार्यक्रम में चार पंचायतों के 14 गांवों के विस्थापित व प्रभावित रैयत ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए. कार्यक्रम की अध्यक्षता जीफवार क्षेत्र के महाप्रबंधक संजीव कुमार ने की, संचालन कार्मिक प्रबंधक शिशिर गर्ग और स्वागत भाषण अशोक परियोजना पदाधिकारी जितेंद्र कुमार सिंह ने दिया.

नाली निर्माण कार्य में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें: उपायुक्त

शुभम संदेश। लोहरदगा

उपायुक्त डॉ. ताराचंद ने मदरसा चौक से एड़ादोन पथ के नाली निर्माण कार्य में गुणवत्ता और मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं. जिला के कुडू प्रखंड में नाली निर्माण के दौरान मानक का उल्लंघन होने की शिकायत मिलने पर उपायुक्त ने त्वरित कार्रवाई करते हुए निर्माण कार्य को रोक दिया है. उपायुक्त ने संबंधित ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्ट किया है कि नाली निर्माण कार्य पुनः निर्धारित मापदंडों और गुणवत्ता के अनुरूप ही किया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा है कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की अनियमितता या घटिया सामग्री के उपयोग को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. डॉ. ताराचंद ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में जिले में सरकारी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी ताकि जनता को बेहतर और टिकाऊ आधारभूत संरचना मिल सके. उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी निर्माण कार्यों में पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी से काम करें. इस आदेश के माध्यम से उपायुक्त ने साफ किया है कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है और कोई भी अनियमितता सहन नहीं की जाएगी. जनता की शिकायतें मिलने पर विभागीय अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी.

बालक व बालिका टीमों ने जीता प्रमंडल स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल कप

शुभम संदेश। गुमला

संत इग्नासियुस हाई स्कूल जुबली स्टेडियम में शुक्रवार को संपन्न हुए प्रमंडल स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता में गुमला की अंडर-17 बालक व बालिका टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया. वहीं अंडर-15 बालक वर्ग में गुमला की टीम उपविजेता रही. फाइनल मुकाबलों के दौरान बारिश के बावजूद खेल का उत्साह चरम पर रहा और खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल भावना का परिचय दिया. अंडर-17 बालक वर्ग के फाइनल में गुमला की टीम ने सिमडेगा को 3-0 से पराजित कर विजयी बनी. इस वर्ग में सिमडेगा के सत्यम महतो को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज', गुमला के मोहित हेंब्रम को 'बेस्ट स्कोरर' और सत्यम मुर्मू को 'बेस्ट गोलकीपर' का पुरस्कार प्रदान किया गया. वहीं अंडर-17 बालिका वर्ग में गुमला की टीम ने खूंटी को एकतरफा मुकाबले में 8-0 से हराकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया.

खूंटी की नितिर नाग को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज', गुमला की सबरीना कुमारी को 'बेस्ट स्कोरर' और कशिश बारला को 'बेस्ट गोलकीपर' घोषित किया गया. अंडर-15 बालक वर्ग का मुकाबला गुमला और रांची के बीच कड़ा रहा. यह मैच पेनल्टी शूटआउट तक पहुंचा, जिसमें रांची की टीम ने जीत दर्ज की. इस वर्ग में गुमला के प्रवीण उरांव को 'ब्वाय ऑफ द सीरीज', अंकित उरांव को 'बेस्ट स्कोरर' और रांची के सूरज उरांव को 'बेस्ट गोलकीपर' का पुरस्कार मिला. फाइनल मुकाबलों के बाद उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया. उन्होंने खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास करने, अनुशासन, संयम और संकल्प के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी. साथ ही बच्चों को नशा पान से दूर रहने की शपथ दिलाई. इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, खेल प्रशिक्षक सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे उपस्थित थे.

एक नजर

अविराम कॉलेज में विश्व जनसंख्या दिवस पर कार्यक्रम

कुडू। अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन, टिको (कुडू) में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस वर्ष की थीम ₹युवाओं को बेहतर भविष्य के लिए सशक्त बनाना हैर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता और जनसंख्या से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया. कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जनसंख्या नियंत्रण के उपायों पर चर्चा की. कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के सचिव हादुर, पंकज, आफताब, कुंदन, आरती, रेणुका, ममता, शिव और संदीप उपस्थित रहे. कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को जनसंख्या वृद्धि की चुनौतियों से अवगत कराना और उनके समाधान हेतु प्रेरित करना था.

विद्यार्थियों ने समाहरणालय परिसर में लगाए 100 पौधे

गुमला। पर्यावरण संरक्षण और बाल-सशक्तिकरण को लेकर शुक्रवार को समाहरणालय परिसर चंदाली में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, गुमला एवं क्रिएटिव यूनिक डिस्कवरी मंच के संयुक्त तत्वावधान में की गई. इस अवसर पर सामूहिक पौधारोपण ककिया गया और अधिकारियों एवं विद्यार्थियों के बीच संवाद का आयोजन किया गया. संवाद में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, डॉन बॉस्को, उर्सुलाइन कॉन्वेंट, नोट्रेडेम, डीएवी, केंद्रीय विद्यालय, मॉडल स्कूल, लूथरन, सेंट अन्ना, सेंट इग्नेशियस, सीएम एक्सीलेंस स्कूल, सेंट पैट्रिक आदि के विद्यार्थियों ने भाग लिया. विद्यार्थियों एवं अधिकारियों ने समाहरणालय परिसर में पीपल, अर्जुन, डूमर, पाइकर, निम, छतवन,आंवला आदि लगभग 100 सौ पौधे लगाए. संवाद सत्र में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने कहा कि विज्ञान के साथ-साथ कला, साहित्य, खेल और मानविकी विषयों की जानकारी भी जीवन में अहम भूमिका है.

रातू स्वास्थ्य केन्द्र में परिवार स्वास्थ्य मेला आयोजित

रातू। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रातू के प्रांगण में शुक्रवार को ₹परिवार स्वास्थ्य मेलाऱ का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, प्रखंड प्रमुख संगीता देवी, प्रखंड विकास पदाधिकारी शैलेन्द्र चौरसिया एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुजीत कुमार कश्यप ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. साथ ही, लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि परिवार स्वास्थ्य मेले का मुख्य उद्देश्य योग्य महिला और पुरुषों को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक करना है. इसमें महिलाओं को वंध्याकरण और पुरुषों को नसबंदी जैसी स्थायी विधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया. कार्यक्रम के दौरान माला-एन, कंडोम, कॉपर-टी जैसे परिवार नियोजन साधनों का निःशुल्क वितरण किया गया. स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं और योजनाओं की जानकारी दी.

छात्रों ने रैली निकाल कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

गुमला। डीएवी पब्लिक स्कूल के एनसीसी कैडेटों ने शुक्रवार को गुमला शहर में जागरूकता रैली निकाल कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. कैडेटों ने कहा कि प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों को रोकने में पेपर बैग का प्रयोग कारगर साबित हो सकता है. हरियाली के लिए पालीथीन बैग की जगह क्लाथ बैग या पेपर बैग के उपयोग का लोगों को संदेश दिया. एनसीसी के कैडेटों ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित कलाकृतियुक्त इको फ्रेंडली क्लाथ एवं पेपर बैग्स तैयार किया है. जिसमें पर्यावरण संरक्षण, नो ड्रग्स, सड़क सुरक्षा से संबंधित कलाकृति की पेंटिंग बनाए गए हैं. कैडेटों का जागरूकता रैली सावित्री बाई फूले केन्द्रीय पुस्तकालय गुमला से प्रारंभ होकर पटेल चौक, थाना चौक सहित सभी मुख्य मार्गों में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. 46 झारखंड बटालियन एनसीसी कमान अधिकारी लेफ़्टिनेंट कर्नल पी बी शर्मा ने कैडेटों के एक्टिविटी के लिए विद्यालय को शुभकामनाएं दी.

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में गुरु पूर्णिमा संपन्न

पिपरवार। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, पुरानीराय में गुरु पूर्णिमा सह महर्षि वेदव्यास जयंती का आयोजन उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया. सनातन संस्कृति में गुरु पूजन की परंपरा को महत्व देते हुए इस कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य गणेश महतो द्वारा महर्षि वेदव्यास के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पार्चन से की गई. इसके उपरांत सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने श्रद्धापूर्वक पुष्पांजलि अर्पित की. प्रधानाचार्य महतो ने अपने संबोधन में गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु ही शिष्य के जीवन को सही दिशा प्रदान करता है. उन्होंने गुरु को ज्ञान, प्रकाश और चेतना का स्रोत बताया. विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक ओंकार तिवारी ने महर्षि वेदव्यास की जीवन यात्रा एवं योगदान पर विस्तृत चर्चा करते हुए गुरु-शिष्य संबंध को अमूल्य बताया.

ददई दुबे के निधन पर वर्कर्स यूनियन ने जताया गहरा शोक

पिपरवार। झारखंड के पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे के निधन की खबर से पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में गहरा शोक छा गया है. उनके निधन पर भाजपा और यूनाइटेड कोल वर्क्स यूनियन (यूसीडब्ल्यूयू) के कार्यकर्ताओं ने दुख व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है. ददई दुबे का क्षेत्रीय राजनीति और कोयला खदानों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान माना जाता था, जिसके कारण उनके निधन से क्षेत्र के लोगों में अपूरणीय क्षति हुई है. यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के मुद्रिका प्रसाद, कामेश्वर राम, बाबूलाल राम, रामजीत राम, विमल महतो, ईश्वर दयाल मेहता, गंगा राम, लखेश्वर लाल, रविंद्र महतो, दिलीप महतो, ललकु भुईयां, हिमांशु चाटर, विकास यादव सहित अन्य नेता और कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की. वहीं, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय लाल, अश्विनी दराद, दिलीप अंबष्ट, मुरारी मोदी, देवनाथ महतो ने श्रद्धांजलि दी.

कामयाबी सुनीता देवी 2016 में 'सूरज स्वयं सहायता समूह' से जुड़ीं थीं

सरसों तेल मिल से सशक्त हुईं सुनीता देवी

शुभम संदेश। सिमडेगा

सिमडेगा जिले के खिजुरटांड़ गांव की एक आदिवासी महिला हैं सुनीता देवी. जिन्होंने मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन के बल पर अपने जीवन की दिशा बदली. पहले जहां उनका परिवार खेती और दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर था, वहीं अब वे एक सफल उद्यमी बन चुकी हैं. उन्होंने सरसों तेल मिल स्थापित कर अपने गांव की महिलाओं को भी प्रेरित किया है. सुनीता 2016 में 'सूरज स्वयं सहायता समूह' से जुड़ीं, जिसे जेएसएलपीएस द्वारा बनाया गया था. यह कदम उनके जीवन में बदलाव की शुरुआत बना. ठेठईटांगर प्रखंड में सरसों की अच्छी पैदावार होती है, लेकिन स्थानीय किसानों को तेल निकालने के लिए 40 किमी दूर ओडिशा जाना पड़ता था. इससे समय और लागत दोनों बढ़ते थे.

इसी दौरान साल 2018 में स्टार्टअप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम (एसवीईपी) के अंतर्गत सुनीता देवी को गैर-कृषि गतिविधियों में प्रशिक्षण मिला. उन्होंने खूंटी जिले के तोरपा में एक महिला संचालित सरसों तेल यूनिट देखी, जिससे उन्हें प्रेरणा मिली. उन्होंने ठेठईटांगर में अपनी खुद की सरसों तेल मिल शुरू करने का निर्णय लिया. एसवीईपी योजना के तहत सुनीता की व्यवसाय योजना तैयार की गई. उन्हें सामुदायिक उद्यम निधि से 35,000, स्वयं सहायता समूह से 10,000 और खुद से 20,000 का निवेश मिला. कुल 65,000 की लागत से उन्होंने कोल्ड-प्रेस्ड सरसों तेल यूनिट की स्थापना की. शुरुआत में मशीन चलाने में उन्हें कठिनाई हुई, लेकिन जेएसएलपीएस और स्थानीय वेंडर की मदद से उन्होंने मशीन चलाना, सुरक्षा और मरम्मत कार्य सीख लिया. मशीन हाथ से चलती है, इसलिए कभी-कभी उन्हें अपने पति की मदद लेनी पड़ती है.

तेल निकालने के बाद उन्होंने स्थानीय स्तर पर बिक्री शुरू की. शुरुआत में लोगों का विश्वास जीतना कठिन था, लेकिन जेएसएलपीएस की ब्रांडिंग से उन्हें फायदा मिला. उन्होंने 1 लीटर, 500एमएल, 200एमएल और 100एमएल की बोतलों में पैकिंग कर बिक्री शुरू की. सरसों की फसल साल में एक बार होती है, इसलिए बीजों को थोक में खरीदकर भंडारण करना जरूरी होता है. हालांकि, पूंजी की कमी और गोदाम न होने के कारण यह एक बड़ी चुनौती बनी हुई है. आज दैनिक उत्पादनः 30–40 लीटर है. वहीं मासिक आमदनीः 35,000–45,000 है. इसमें मासिक शुद्ध लाभः 10,000–12,000 रुपये है.

तेल निकालने के बाद बचे खली को पशु चारे के रूप में बेचकर 1 लाख से अधिक की कमाई हो जाती है.

सुनीता देवी अब बिजली से चलने वाली बड़ी मशीन खरीदना चाहती हैं, जिसकी क्षमता 10–20 किलो प्रति घंटा होगी. वे अपने उत्पाद को किराना दुकानों, होटलों में सप्लाई करने और ऑनलाइन प्लेटफार्म पर बेचने की योजना बना रही हैं. सुनीता देवी की कहानी यह प्रमाण है कि अगर सही समय पर प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और मार्गदर्शन मिले, तो ग्रामीण महिलाएं भी सफल उद्यमी बन सकती हैं. उन्होंने न केवल अपने जीवन में बदलाव लाया, बल्कि अपने समुदाय की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी हैं.

श्रमिक नेताओं के निधन पर संयुक्त मोर्चा ने की शोकसभा

पिपरवार। यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के क्षेत्रीय कार्यालय पर पिपरवार संयुक्त मोर्चा द्वारा एक शोकसभा और बैठक का आयोजन किया गया. इस मौके पर आरसीएमएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे और बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के श्रमिक नेता मिथिलेश कुमार सिंह के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया. उपस्थित सभी ने दोनों श्रमिक नेताओं की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा. कार्यक्रम में बोलने वाले वक्ताओं ने बताया कि ददई दुबे और मिथिलेश सिंह ने कोयला मजदूरों के हक और अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष किया और उनकी लड़ाई मजदूरों के लिए प्रेरणा स्रोत रही. उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं का योगदान कोयला उद्योग के लिए अपूरणीय है और उनके निधन से क्षेत्र को बड़ा नुकसान हुआ.

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आचार्य सम्मान समारोह का आयोजन

शुभम संदेश। लोहरदगा

मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में एक भव्य आचार्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस गरिमामय अवसर पर कॉलेज की उन आचार्य एवं दीदी जी को सम्मानित किया गया, जिन्होंने झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) की 12वीं कक्षा के कला और विज्ञान संकाय में अपने विषयों में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देकर विद्यालय को गौरवांवित किया है. समारोह के मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य श्री बिपिन कुमार दास जी ने सभी उत्कृष्ट शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र और उपहार प्रदान कर सम्मानित किया. अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में पुस्तकों के साथ-साथ शिक्षकों का भी अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान होता है. उन्होंने विद्यार्थियों को स्वाध्याय पर विशेष बल देने की सलाह दी और कहा कि शिक्षक ही वह मार्गदर्शक शक्ति होते हैं जो विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करते हैं. उन्होंने यह भी बताया कि हमारे विद्यालय के आचार्य और दीदी जी पूरे समर्पण और निष्ठा के साथ विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में लगे हुए हैं.

मंथन

सहकारी संघवाद की पुकार व झारखंड की वाजिब मांगें

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 27वीं बैठक रांची में एक महत्वपूर्ण अवसर बनकर सामने आई, जहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड की 31 ज्वलंत मांगों को मजबूती से केंद्र के समक्ष रखा. बैठक में राज्य की प्राथमिकताओं को उजागर किया गया.सहकारी संघवाद को भी नए संदर्भ में परिभाषित किया गया. हेमंत द्वारा उठाई गई मांगों में सबसे प्रमुख रही कोल कंपनियों से लंबित 1.40 लाख करोड़ रुपए की रॉयल्टी वसूली. ये मांग न केवल राज्य के आर्थिक हक की बात है, बल्कि इससे राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाया जा सकता है. साथ ही मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपए की आर्थिक मदद देने का प्रस्ताव सामाजिक न्याय की दिशा में सराहनीय पहल है. मुख्यमंत्री ने ट्राइबल यूनिवर्सिटी की स्थापना और रांची मेट्रो जैसी अधोसंरचना परियोजनाओं को तेज़ गति से आगे बढ़ाने की बात कहकर यह संकेत दिया कि झारखंड विकास के हर उस आयाम में आगे बढ़ना चाहता है, जो उसकी क्षेत्रीयता व आकांक्षाओं के अनुरूप हो. बैठक में झारखंड, बिहार, ओडिशा व बंगाल की साझा सांस्कृतिक और विरासत को रेखांकित करते हुए हेमंत ने क्षेत्रीय संतुलन और साझे विकास की जरूरत पर बल दिया। सहकारी संघवाद की यह पुकार केवल भाषण तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसे ठोस नीति और संसाधनों के न्यायपूर्ण वितरण में भी परिलक्षित होना चाहिए. आशा है कि केंद्र सरकार इस मंच से उठी मांगों को केवल सुनेगी ही नहीं, बल्कि उन्हें क्रियान्वित भी करेगी. तभी ऐसे मंचों की सार्थकता सिद्ध होगी और राज्यों का विश्वास संघीय ढांचे में और मजबूत होगा.

नजरिया

श्रद्धा, सेवा और समर्पण का संगम है देवघर श्रावणी मेला

देवघर में विश्वप्रसिद्ध श्रावणी मेले का भव्य शुभारंभ दुम्मा में जिस गरिमामयी ढंग से हुआ, वह राज्य की सांस्कृतिक, धार्मिक और प्रशासनिक परिपक्वता का प्रतीक है. समारोह में राज्य सरकार के तीन मंत्री और कई जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी दर्शाती है कि यह मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जनभावनाओं और आस्था का केंद्र है. पर्यटन मंत्री सुदिव्य द्वारा दुम्मा से बाबा मंदिर तक कांवड़िया फ्लाईओवर की घोषणा, शिवभक्तों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और दूरदर्शी सोच को दर्शाती है. उद्घाटन समारोह में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह द्वारा व्यक्त किए गए भाव—श्रद्धा, समर्पण व सौहार्द- झारखंड की सामाजिक एकजुटता और धार्मिक समरसता की पहचान हैं. शिवभक्ति में रमे ये जयकारे, केवल धार्मिक रस्में नहीं, बल्कि जनमानस की सांस्कृतिक चेतना के प्रमाण हैं. इस बार प्रशासन की तैयारी भी उल्लेखनीय है. सहायता केंद्रों की स्थापना, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा को लेकर किए गए इंतजाम इसके संकेत हैं कि श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है. श्रावणी मेला झारखंड का केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि यहां की स्थानीय पहचान है. यह आवश्यक है कि श्रद्धा, व्यवस्था और समर्पण की इस त्रिवेणी को हर वर्ष और बेहतर बनाया जाए. तभी बाबा बैद्यनाथ की यह नगरी श्रद्धालुओं के लिए आस्था और व्यवस्था दोनों का प्रतीक बन सकेगी. मेला निर्विघ्न चले और हंसी-खुशी संपन्न हो. यही कामना है. हर हर महादेव !

खतरनाक है भाषाई वैमनस्य, गरमाई राजनीति

निशिकांत ठाकुर

बिहार के विकृत मानसिकता वाले तथाकथित पत्रकार व नेता ने पिछले वर्ष भारतीय अखंडता को तोड़ने- मरोड़ने तथा भड़काने के उद्देश्य से एक नितांत फर्जी वीडियो बनाया कि बिहार से मजदूरी करने गए व्यक्तियों के साथ दक्षिण भारत के राज्यों में उन्हें अपमानित कर उनके साथ मारपीट की जाती है. लेकिन, दोनों राज्यों की पुलिस ने जब इसकी जांच की तो वीडियो नितांत फर्जी और दो राज्यों में राग्रह पैदा करने वाला पाया गया. कुछ उपद्रवियों ने खुलकर उग्रता का प्रदर्शन किया, लेकिन जब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगा तो मामला अदालत पहुंचा. फिर उस तथाकथित अपराधी को सजा भी हुई. पर अब जेल से बाहर निकलकर वह बिहार में अपनी नेतागिरी शुरू कर चुका है. यही हाल महाराष्ट्र और विशेष रूप से मुंबई का पिछले कई वर्षों से कर दिया गया है. केवल भाषाई लड़ाई द्वारा दुनिया भर से रोजगार के लिए आए लोगों को इसलिए डराया, धमकाया जाता है कि वह वहां की भाषा नहीं जानते. अब मुंबई से भी इसी तरह की वारदात के सामने आने से कटुता बढ़ती नजर आ रही है. भारतीयों की याददाश्त छोटी होती है, लेकिन चाहे वह जो कुछ भूले या याद रखे, दोस्ती और हमदर्दी के इन सलूकों को वह कभी नहीं भूलता.

मुंबई में पिछले दिनों मीरा रोड पर एक दुकानदार के साथ मनसे के कार्यकर्ता द्वारा जो मारपीट की गई वह तो निंदनीय और शर्मनाक है. इसके लिए मुख्यमंत्री ने कहा है कि दोषियों को छोड़ा नहीं जाएगा. इससे समाज में सरकार के प्रति विश्वास तो बढ़ा ही होगा, लेकिन जिस प्रकार घटना के अगले दिन हजारों व्यापारियों के साथ साथ महिलाओं ने प्रदर्शन किया और नारेबाजी की उसका संदेश देश भर में पहुंच ही गया है. अब तो जो बात सामने आ रही है उससे ऐसा कतई नहीं लगता कि यह मामला तत्काल शांत होने वाला है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि भाषा के नाम पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. दूसरी ओर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए मनसे नेता अविनाश जाधव ने प्रदर्शन को भाजपा प्रायोजित बताया और कहा कि भाजपा इसे तूल दे रही है. मराठी -गैरमराठी में झगड़ा करवाकर वह भाईचारा खराब करना चाहती है. यदि मनसे की सोच इस तरह की आगे भी रही तो महाराष्ट्र में जो इतना उद्योग विकसित

मुंबई में बढ़ते भाषाई विवाद पर काबू पाना अब जरूरी हो गया है.

हुआ है, सभी बाहरी लोग निकाले जाएंगे? ऐसा इसलिए कि महाराष्ट्र के किसी भी उद्योग में ,यदि आप जाते है तो विभिन्न भाषाओं में बात करने वाले व्यक्ति आपको मिल जाएंगे. मराठा शब्द से ही गौरवमई इतिहास ताजा हो जाता है. इस बात पर तत्काल विश्वास नही होता, लेकिन जब सच्चाई धीरे धीरे सामने आने लगती है तो डरना सामान्य व्यक्ति के लिए स्वाभाविक हो जाता है. यह उन्हीं वीर मराठाओं की धरती है जहां के योद्धाओं ने अहमद शाह अब्दाली से पानीपत का ऐतिहासिक युद्ध किया था. लेकिन अब उन्हीं वीर मराठाओं की धरती पर भाषाई दुराग्रह से बगावत के नाम पर मानवता को शर्मसार करेंगे? वैसे कभी भी समाज में कुछ विरले होते हैं जो गंदगी फैलाकर अपना नाम किसी प्रकार रोशन करना चाहते हैं.

सर्वसम्पन राज्य की राजधानी मुंबई है जिसे देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता है. जिसने मुगलकाल और अंग्रेजी शासन काल में भारतीय अस्मिता के लिए सदैव अपने बलिदान को ही चुना, उस प्रदेश की राजधानी में मराठी नहीं जानने वालों के साथ सरेआम मारपीट की जाएगी-इस तरह सोचना भी उसका अपमान है. लेकिन ऐसा हुआ है .भारतीय संविधान प्रत्येक भारतीय को यह अधिकार देता है कि वह अपनी रोजी-रोटी के लिए अपनी योग्यता के आधार पर किसी भी राज्य में जाकर जीविकोपार्जन के लिए आजाद है और यही विश्व की नीति भी है. लेकिन, अब तक तो जो विदेशों में जीविकोपार्जन के लिए गए भारतीयों के साथ किया जाता रहा था, अब देश में भी एक राज्य से दूसरे राज्य में अपने रोजगार के लिए गए लोगों के

भविष्य में ऐसा न होने पाए इस पर राज्य सरकारों सहित केंद्र को भी कठोर कानून बनाना चाहिए. यदि ऐसे लोगों पर लगाम नहीं कसी गई, तो इसका बुरा परिणाम देश को भविष्य में होगा. जिससे फिर संभलना मुश्किल हो जाएगा.

साथ ऐसी घटना घटेगी ऐसा सोचना ही मन को विचलित कर देता है. पिछले कुछ दिनों से अमेरिका में उच्च शिक्षा के लिए गए भारतीय छात्रों के साथ भेदभाव किया जा रहा है. यह किसी भी दशा में उचित नहीं माना जा सकता. लेकिन ऐसा हुआ इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है?

संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 1948 में इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर जज एसके धर की अध्यक्षता में एक चार सदस्यीय आयोग का गठन किया था, जिसने भाषाई आधार पर राज्यों के गठन की सिफारिश की थी. इसके बाद पं. जवाहरलाल नेहरू, सरदार बल्लभभाई पटेल तथा पट्टाभि सीतारमैया की एक जेपीसी बनाई गई. इस समिति का काम राज्यों के गठन का मुख्य आधार खोजना था. इस समिति ने भी भाषाई आधार पर राज्यों को बांटने का विरोध किया और आर्थिक और प्रशासनिक आधार पर सीमांकन करने की सिफारिश की थी. फिर भी देश में भाषा के आधार पर राज्यों का गठन किया गया. आज देश में केंद्र शासित राज्यों को मिलाकर 28 राज्य हैं. 1951 की जनगणना के मुताबिक 844 भाषाएं बोली जाती है, लेकिन मात्र 91% लोग 14 भाषाएं ही बोलते हैं .19 दिसंबर 1953 को प्रधानमंत्री नेहरू ने राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया. इस तीन सदस्यीय आयोग में जस्टिस सैयद फजल अली, हृदयनाथ कुंजरू और सरदार केएम पणिक्कर थे. इस आयोग ने 1955 में अपनी सिफारिशें की थीं. 1956 में आयोग की रिपोर्ट को पारित कर दिया गया, परन्तु आज भी हमारा समाज भाषाई दुराग्रह से पीड़ित है और मारपीट व भाषाई विवाद को चुपचाप सहकर अपमानित होते रहते हैं. भविष्य में अब ऐसा न होने पाए इसपर राज्य सरकारों सहित केंद्र सरकार को भी कठोर कानून बनाना चाहिए. यदि इस प्रकार के लोगों पर लगाम नहीं कसी गई, तो इसका बुरा परिणाम देश को भविष्य में देखना पड़ेगा. जिससे फिर संभल पाना मुश्किल होगा. ऐसे विवाद देश में गृहयुद्ध भी भड़क सकते हैं.

(लेखक वरिष्ट पत्रकार और स्तंभकार हैं)

आज का इतिहास

1290: इंग्लैंड के सम्राट एडवर्ड प्रथम के आदेश पर यहूदियों को बाहर निकाला गया.

1823: भारत में निर्मित प्रथम वाष्प इंजन युक्त जहाज 'डायना' का जलावतरण.

1918 : टोकायाम की खाड़ी में जापानी युद्धपोत में विस्फोट में 500 लोगों की मौत.

1949: गांधी जू की हत्या के बाद आरएसएस पर लगाए गए बैन को सशर्त हटाया गया.

1960: भागलपुर और रांची यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई.

1990 : सोवियत नेता बोरिस येल्तसिन ने कम्युनिस्ट पार्टी से इस्तीफा दिया.

1997 : नोबल पुरस्कार से सम्मानित मलाला युसुफजई का पाकिस्तान में जन्म.

1998 : फ्रांस और ब्राजील के बीच हुए फुटबॉल विश्वकप के फाइनल को कुल 1.7 अरब लोगों ने देखा.

2001 : अगरतला से ढाका के बीच 'मैत्री' बस सेवा की शुरुआत.

चिंतन

गंगा-यमुना पर सबका समान अधिकार है...

गांधी जी का पूरा जीवन प्रेरणा का स्रोत है. इस प्रसंग से भी हमें उनके सादा जीवन उच्च विचार के दर्शन का पता चलता है. बात इलाहाबाद की है, उन दिनों वहां कांग्रेस का अधिवेषन चल रहा था. सुबह गांधी जी, नेहरू व अन्य स्वयं सेवकों के साथ बातें करते -करते हाथ -मुंह धो रहे थे. गांधीजी ने कुल्ला करने के लिए जितना पानी लिया था वो खत्म हो गया और उन्हें दोबारा पानी लेना पड़ा. इससे गांधी जी थोड़ा खिन्न हो गए.

गांधी जी के चेहरे के भाव बदलते देख नेहरू जी ने पूछा, क्या हुआ, आप कुछ परेशान दिख रहे हैं? बाकी स्वयंसेवक भी गांधी जी की तरफ देखने लगे. गांधी जी बोले, मैंने जितना पानी लिया था वो खत्म हो गया और मुझे दोबारा पानी लेना पड़ रहा है, ये पानी की बर्बादी ही तो है.

नेहरू जी मुस्कुराए और बोले - बापू, आप इलाहाबाद में हैं, यहां त्रिवेणी संगम है,यहां गंगा-यमुना बहती हैं, कोई मरुस्थल थोड़े ही है कि पानी की कमी हो, आप थोड़ा पानी अधिक भी प्रयोग कर लेंगे तो क्या फर्क पड़ता है? गांधीजी ने तब कहा- किसकी हैं गंगा-यमुना? ये सिर्फ मेरे लिए ही तो नहीं बहतीं, उनके जल पर तो सभी का अधिकार है? हर किसी को ये बात अच्छी तरह से समझनी चाहिए कि प्राकृतिक संसाधनो का दुरूपयोग करना ठीक नहीं है, कोई चीज कितनी ही प्रचुरता में मौजूद हो पर हमें उसे आवश्यकतानुसार ही खर्च करना चाहिए. और दूसरा, यदि हम किसी भी चीज की अधिक उपलब्धता के नाते उसका दुरूपयोग करते हैं, तो हमारी आदत बिगड़ जाती है, और हम बाकी मामलों में भी वैसा ही व्यवहार करने लगते हैं. नेहरू जी और बाकी लोग भी गांधी जी की बात समझ चुके थे.

मित्रों, गांधी जी की सोच और दूरदर्शिता कितनी प्रबल थी, इसे आज और भी अच्छी तरह से समझा जा सकता है. आज मनुष्य प्रकृति से हुए खिलवाड़ का खामियाजा भुगत रहा है, ऐसे में हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि हम प्राकृतिक संसाधनो का सही उपयोग करें और एक बेहतर विश्व के निर्माण में अपना योगदान दें.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #WorldPopulationDay
2. TDP JSP GATE KEEPER NTR
3. #HBDBandiSanjay
4. POLITICAL JOKER PK
5. #श्रावण_मास
6. #IRTSARajasthan2025
7. भगवान शिव
8. #HardeepSPuri
9. नरेश मीणा
10. सावन मास

बहुरंग

अजय देवगन की 'सन ऑफ सरदार 2' का ट्रेलर रिलीज

जब अजय देवगन साल 2012 में 'सन ऑफ सरदार' लेकर आए थे तो उन्होंने अपनी दमदार कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को हंसी से लोटपोट कर दिया था. अब एक बार फिर वह जस्सी रंधावा के किरदार में शानदार वापसी कर चुके हैं.

आने वाले समय में कई बड़ी फिल्मों के सीक्वल दर्शकों का दिल जीतने आ रहे हैं. इन्हीं में से एक है- 'सन ऑफ सरदार 2', जिसकी रिलीज़ का फैंस लंबे समय से इंतज़ार कर रहे थे. फिल्म में एक बार फिर अजय देवगन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे. इससे पहले वह अपनी सुपरहिट फिल्म 'रेड' के सीक्वल 'रेड 2' के जरिए बॉक्स ऑफिस पर ज़बरदस्त वापसी कर चुके हैं. अब अजय देवगन अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के साथ एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाका करने के लिए तैयार हैं. हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ कर दिया गया है, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है. हाल ही में रिलीज़ हुए 'सन ऑफ सरदार 2' के ट्रेलर में अजय ने जबरदस्त कॉमेडी के साथ-साथ धमाकेदार एक्शन का भी तड़का लगाया है. ट्रेलर देखकर साफ है कि यह सीक्वल पहले भाग से भी ज्यादा धमाल मचाने वाला है. वहीं, मृणाल ठाकुर और नीरू बाजवा की मौजूदगी ने फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ा दिया है. अब देखना होगा कि यह फिल्म थिएटर्स में कितनी धूम मचाती है.

श्री श्रीरविशंकर की बायोपिक 'व्हाइट' में नजर आएंगे अभिनेता विक्रांत मैसी

'12वीं फेल' से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले अभिनेता विक्रांत मैसी अब एक नई फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' में नजर आने वाले हैं. इस फिल्म में वह शनाया कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखाई देंगे. विक्रांत अपनी अगली फिल्म की तैयारी में जुट गए है, जो आध्यात्मिक गुरु श्री श्रीरविशंकर की बायोपिक है. हाल ही में विक्रांत की श्री श्री रविशंकर के साथ एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिससे कयास लगाए जा रहे थे कि वह इस बायोपिक से जुड़ चुके हैं. अब फिल्म को लेकर कुछ नए अपडेट्स सामने आए हैं, जिनका फैन्स बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. विक्रांत का इस किरदार में नजर आना न केवल उनके करियर के लिए एक बड़ा कदम साबित हो सकता है, बल्कि दर्शकों के लिए भी एक अलग और प्रेरणादायक अनुभव होगा. विक्रांत मैसी जल्द ही अपनी अगली फिल्म 'व्हाइट' की शूटिंग शुरू करने वाले हैं. यह फिल्म आध्यात्मिक गुरु और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्रीरविशंकर के जीवन पर आधारित है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'व्हाइट' की लगभग 90 प्रतिशत शूटिंग दक्षिण अमेरिका के कोलंबिया में की जाएगी. दरअसल, यह फिल्म सिर्फ एक बायोपिक नहीं है, बल्कि कोलंबिया में 52 सालों से चले आ रहे सशस्त्र संघर्ष और उसमें श्री श्रीरविशंकर की शांति-दूत की भूमिका को भी दर्शाएगी. चूंकि ये घटनाएं मुख्य रूप से कोलंबिया में घटित हुई थीं, इसलिए मेकर्स ने फैसला किया है कि फिल्म की शूटिंग भी वहीं की जाएगी, ताकि इसकी वास्तविकता और भावनात्मक गहराई बरकरार रह सके. फिल्म का यह अंतरराष्ट्रीय पहलू दर्शकों के लिए इसे और भी खास बना देता है. विक्रांत मैसी इन दिनों अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म 'व्हाइट' को लेकर पूरी तरह समर्पित हैं. हाल ही में वह बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ़ लिविंग आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने श्री श्रीरविशंकर द्वारा शुरू किए गए हैप्पीनेस प्रोग्राम में हिस्सा लिया. इस दौरान विक्रांत ने ध्यान, प्राणायाम और योग जैसे अभ्यासों के साथ-साथ रविशंकर की जीवनशैली और विचारधारा को गहराई से समझने की कोशिश की. उनका उद्देश्य है कि फिल्म में निभाया गया किरदार पूरी तरह वास्तविक लगे. विक्रांत ने अपने लुक में भी बदलाव शुरू कर दिए हैं, उन्होंने बाल और दाढ़ी बढ़ा ली है

और साथ ही श्री श्री रविशंकर के बोलने, मुस्कराने और चलने के तरीके को भी आत्मसात करना शुरू कर दिया है. वह नियमित रूप से उनके प्रवचनों के वीडियो भी देख रहे हैं ताकि किरदार की आत्मा को पकड़ सकें. बताया जा रहा है कि विक्रांत जल्द ही कोलंबिया रवाना होंगे, जहां फिल्म 'व्हाइट' की शूटिंग शुरू होने वाली है.

इमरान हाशमी की नई फिल्म 'गनमास्टर जी 9' का ऐलान

अभिनेता इमरान हाशमी को हाल ही में फिल्म 'ग्राउंड जीरो' में दमदार अभिनय के लिए सराहा गया. अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी को तैयार हैं. उन्होंने अपनी अगली फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका टाइटल 'गनमास्टर जी9' है. इस एक्शन थ्रिलर फिल्म का निर्देशन आदित्य दत्त कर रहे हैं. दिलचस्प बात यह है कि 'गनमास्टर जी9' इमरान और आदित्य की जोड़ी का तीसरा प्रोजेक्ट है. इससे पहले दोनों 'आशिक बनाया आपने' और 'दिल दिया है' जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं. अब देखना होगा कि ये हिट जोड़ी एक बार फिर पर्दे पर क्या नया धमाका लेकर आती है. 'गनमास्टर जी9' को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्सुकता है, और अब फिल्म की स्टारकास्ट और डिटेल्स सामने आने के बाद यह चर्चा और भी

तेज हो गई है. इस फिल्म में इमरान हाशमी के साथ जेनेलिया डिसूजा, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. फिल्म का निर्माण दीपक मुकुट कर रहे हैं, जबकि म्यूजिक की कमान मशहूर संगीतकार हिमेश रेशमिया के हाथों में है. 'गनमास्टर जी9' की शूटिंग मानसून के बाद मुंबई में शुरू होगी, जिसके बाद इसका एक अहम शेड्यूल उत्तराखंड की खूबसूरत वादियों में फिल्माया जाएगा.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मोबाइल नंबर 8210075897

मेष : कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी. जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे. लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. योग्यताएं सम्मान दिलायेगी. शुभांक-3-5-7

वृष : अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. विद्यार्थियों को लाभ. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. शुभांक-3-5-6

मिथुन : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्घ होगा. शुभांक-2-4-6

कर्क : संतान की उन्नति के योग हैं. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी. शुभांक-3-6-7

सिंह : अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें. हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी. स्वास्थ्य नरम होगा. शुभांक-3-6-8

कन्या : कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा. व्यापार में वृद्घि होगी. यश-प्रतिष्ठा में वृद्घि होगी. शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे. स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें. नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा. पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी. पुराने मित्र से मिलन होगा. शुभांक-6-7-8

तुला : माता पक्ष से विशेष लाभ होगा. पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. खान-पान में सावधानी रखें. रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. शुभांक-1-4-6

वृश्चिक : पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. सफलता मिलेगी. नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें. कर्ज देने से बचें. शुभांक-4-7-9

धनु : स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे. यात्रा शुभ रहेगी. एकाकी वृत्ति त्यागें. शुभांक-5-7-9

मकर : अपने काम को प्राथमिकता से करें. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्घ हो रहे हैं. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. आध्यात्मिक रुचि बनेगी. धार्मिक यात्रा का योग. शुभांक-4-7-9

कुंभ : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी. शुभांक-4-6-9

मीन : शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. आलस्य का त्याग करें. काम पर पैनी नजर रखिए. सब्र का फल मीठा होता है अतःधैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें. वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा. आध्यात्मिक रुचि बनेगी. किसी करीबी के साथ दुर्घटना घट सकती है. शुभांक-2-5-7

जमाना ऑनलाइन लर्निंग का

आज के दौर में आनलाइन लर्निंग का क्रेज बढ़ता जा रहा है। आप भी अपने पीसी या लैपटॉप के सामने बैठकर और इंटरनेट से जुड़कर पढ़ना चाहते हैं, तो आनलाइन-लर्निंग एक बेस्ट आप्शन हो सकता है। कुछ बातों को ध्यान में रखकर ऑनलाइन पढ़ाई कर सकते हैं। इससे आप कॉलेज में अटेंडेंस के चक्कर से भी बच जाएंगे। बस आपको ध्यान रखनी होगी डेट लाइन की। खास बात यह कि ऑनलाइन कोर्स के जरिए सर्टिफिकेट कोर्स का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

एलसीबीएस के फाउंडर एवं सीईओ अभय गुप्ता बताते हैं किसी भी विषय के कोर्स कितने महंगे होते जा रहे हैं। लेकिन ऑनलाइन कोर्स के शुरू होने से आज आप घर बैठे ही अपने मोबाईल या कंप्यूटर पर इंटरनेट के माध्यम से बड़े बड़े कॉलेज और यूनिवर्सिटी में होने वाले कोर्स कर सकते हैं।

कोर्स का विवरण

एक महीने की अवधि वाले इस नए कोर्स ऑनलाइन लग्जरी मैनेजमेंट को शुरू करने का मुख्य कारण स्टूडेंट को लग्जरी मैट्रिक्स की जटिलताओं को आसानी से समझाना और लग्जरी के उद्योग में मंदी के दौर में भी स्टूडेंट्स के करियर को एक अच्छा ट्रैक देना है। वहीं दूसरे कोर्स एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट जिसकी अवधि 6 महीने है, जिससे स्टूडेंट भारतीय लग्जरी उद्योग के अनुभवी विशेषज्ञों और यूरोप के लग्जरी एक्सपर्ट्स और प्रोफेसर द्वारा दुनिया भर में लग्जरी व्यापार के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण मिल रहा है। यह कोर्सेज युवाओं के लिए एक अच्छे करियर के रूप में बन सकते हैं।

योग्यता

इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्र-छात्राओं का ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही स्टूडेंट की लग्जरी और मैनेजमेंट में दिलचस्पी भी होनी बेहद जरुरी होती है। इसके अलावा वो छात्र-छात्राएं जिनकी पर्सनालिटी और कम्यूनिकेशन स्किल्स अच्छी है और अंग्रेजी में अच्छी पकड़ है, वो इस क्षेत्र में एक सफल तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। कोई एक विदेशी भाषा की जानकारी लाभदायक साबित हो सकती है पर यह अनिवार्य नहीं है।

अवसर

ऑनलाइन कोर्स इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट और एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स लग्जरी सेल्स एडवाइजर, मार्केटिंग मैनेजर, ब्रांड कंट्री हेड, विजुअल मर्चेंडाइजर, लग्जरी इवेंट प्लानर, ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं। फैशन और लग्जरी कंसल्टेंट या वार्डरोब मैनेजर के तौर पर भी काम पा सकते हैं।

वेतन - इस कोर्स के पूरा होने के बाद स्टूडेंट्स लग्जरी की इंडस्ट्री में अलग-अलग कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसमें बतौर स्टा-इपेंड 20 से 22 हजार रुपए मिलते। अगर आप जॉब के लिए जाते हैं तो शुरुआती सैलरी प्रति माह 30,000 रु. से 40,000 रु. के बीच हो सकती है।

फोरेंसिक साइंस रोमांचकारी कॅरियर

फोरेंसिक साइंस एक अप्लाइड साइंस है। अपराधियों का पता लगाने के लिए इस में वैज्ञानिक सिद्धांतो व तकनीक का प्रयोग किया जाता है। इस कार्य में सहायक होते हैं अपराध स्थल से मिले साक्ष्य। आधुनिकता के साथ अपराध के तरीके बढ़े हैं, तो छानबीन के तरीके भी ईजाद हुए हैं। युवाओं का इस फील्ड के प्रति रुझान बढ़ा है।

देश में दिन प्रतिदिन अपराधों का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। यदि देश का युवा चाहता है कि उसका देश, राज्य या शहर अपराधमुक्त हो तो उसे अवश्य ही फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना चाहिए। युवाओं के लिए यह क्षेत्र अत्यंत ही रोमांचकारी एवं आह्वानात्मक है। इस क्षेत्र में युवा अपनी पहचान बनाकर नाम कमा सकते हैं। हमें युवाओं को सबसे पहले ये बताना होगा कि फोरेंसिक साइंस है क्या? और कैसे वह रोमांचकारी और आह्वानात्मक होता है। उदाहरणार्थ किसी घटनास्थल पर कोई वारदात होती है और वारदात को अंजाम देने वाले अपराधी को पकड़ पाना आसान नहीं होता तो उसे घटना स्थल की छोटी से छोटी वस्तु को भी इस साइंस की प्रयोगशाला में जांचा परखा जा सकता है और अपराधी तक पहुंचा भी जा सकता है। अपराधी को सजा दिलाने के लिए गवाही की आवश्यकता होती है और कई बार घटनास्थल पर इसका होना संभव नहीं हो पाता ऐसी अवस्था में घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाने का प्रयत्न यह फोरेंसिक साइंस करता है। फोरेंसिक साइंस विज्ञान की ही एक व्यवहारिक शाखा है। इस साइंस के द्वारा अपराधी के शोध से संबंधित छोटी से छोटी वस्तु का भी परीक्षण प्रयोगशाला में कर अपराधी को तलाशने का प्रयास किया जाता है। इसमें आधुनिक तंत्र ज्ञान का यूज किया जाता है। घटनास्थल पर अपराधी जब घटना को अंजाम देता है तो उस वक्त वहां वह कोई न कोई वस्तु अवश्य छोड़ जाता है मसलन रक्त, शारीरिक द्रव्य, नाखून, बाल, हाथ या पैरों के निशान इत्यादि इन सबका परीक्षण फोरेंसिक साइंस की प्रयोगशाला में किया जाता है और आरोपी तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

इस प्रकार इस विज्ञान का महत्व अपराध जगत के लिए बहुत अधिक समझा और जाना जाता है। इस क्षेत्र में दाखिल होने के लिए युवाओं को बारहवीं कक्षा में विज्ञान से संबंधित विषय लेने होते हैं। जब बारहवीं उत्तीर्ण हो तो इस शाखा में प्रवेश लेकर उपाधि ग्रहण की जा सकती है। ऐसे युवा जिन्होंने उपाधि में विज्ञान से संबंधित विषय जैसे भौतिक शास्त्र, रसायनशास्त्र, वनस्पति शास्त्र, प्राणीशास्त्र, जैविक रसायनशास्त्र, सूक्ष्मजीवशास्त्र, बीफार्मा, या बीडीएस को भी इस क्षेत्र में दाखिल होने के अवसर प्राप्त है। इस क्षेत्र में पुलिस विशेषज्ञ, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, व इन्वेस्टिगेटिंग आफिसर व पूरी न्याय संख्या से संबंधित पद होते है जिसमें दक्षता प्रमाणित करने व मान-प्रतिष्ठा मिलाने के लिए अपार संभावनाएं हैं। अपराध के बढ़ते ग्राफ को देखते हुए निजी गुप्तचर भी फोरेंसिक साइंस वालों को अच्छा अवसर प्रदान करने लगे है। इस क्षेत्र में यदि युवा दाखिल होने का इच्छुक है तो उसे अनिवार्य योग्यता हासिल कर लेने के पश्चात स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा आयोजित परीक्षाओं में सफल होना आवश्यक होता है। उस परीक्षा में जो अभ्यार्थी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होते है उन्हें तुरत नियुक्ति मिल जाती है।

चुनौतियों भरा

यह प्रोफेशन चुनौतियों भरा है। इसलिए इस करियर में आना है, तो चुनौतियों से निपटना आना चाहिए। किसी केस को निपटाने के लिए कभी-कभी असफलता भी हाथ लगती है, तो ऐसे में धैर्य नहीं खोना चाहिए और उस केस को चुनौती के तौर पर लेना चाहिए। जाब-पड़ताल का क्षेत्र है, तो जाहिर सी बात है कि दोस्त कम होंगे और दुश्मन ज्यादा बन जाएंगे, तो इस बात से भी भयभीत होने की चुनौती भी इस करियर में है। हर स्थिति से निपटने की चुनौती स्वीकार करने वाला ही इसमें सफल होता है।

वेतनमान

गवर्नमेंट संस्थान में नौकरी मिलने पर इस क्षेत्र में आरंभिक दौर में 20 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन मिलता है। इस के अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी इस जॉब में अच्छा सैलरी पैकेज मिलता है।

देश में अनेक विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान इस फोरेंसिक साइंस के अभ्यासक्रम को संचालित करते हैं लेकिन उनमें कुछ चुनिंदा संस्थान है जहां से पास आउट विद्यार्थियों ने इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए बाजी मारी है।

संस्थाओं के नाम निम्नानुसार है-

- लोकनायक जय प्रकाश नायक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमीनालॉजी एंड फॉरेंसिकसाइंस दिल्ली।
- डॉ.हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मप्र।
- डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेंसिक साइंस पंजाब विद्यापीठ पंजाब।
- लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ उप्र।
- दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली युवा चाहें तो इस क्षेत्र में नाम कमा सकते हैं।

लॉन्ड्री व्यवसाय में भी अच्छे अवसर

आज शहरों में अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वस्तीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

एक जमाना था जब हम कपड़ों को धोने के लिए रजक, परीट या धोबी के भरोसे रहते थे, परन्तु आज इस इक्कीसवीं सदी में कपड़ों की धुलाई के लिए मशीनें उपलब्ध हैं जिसे हम लॉन्ड्री व्यवसाय के नाम से जानते हैं। आज महानगरों में ही नहीं तो गांवों, शहरों में भागमभाग की जिन्दगी है। समय का अभाव है। ऐसे में उस व्यवसाय में कैरियर के लिए बहुत अच्छे चांसेस है।

आज जिस भारत को हम कृषिप्रधान देश के नाम से जानते थे। जिसकी 75 प्रतिशत आबादी गांवों में ही वास करती थी। उस भारत का सपाटे से शहरीकरण और व्यवसायीकरण हो रहा है और एक अनुमान के अनुसार, 2027 तक देश की कुल 60 प्रतिशत जनता शहरों में बसेगी। ऐसे में इस व्यवसाय के रूप में आगे चलकर और भी वृहद होने वाला है। आज पति-पत्नी दोनों ही या तो नौकरी में है या व्यवसाय में। इसलिए कपड़ों की धुलाई प्रायः लॉन्ड्री में ही होती है। एक सर्वेक्षण से ये सत्य सामने आया है कि देश के तीन करोड़ श्रीमंत लोग अपनी धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्री में देते हैं। औसतन यदि हम खर्च देखें तो एक परिवार का प्रति माह एक हजार रुपए कपड़े धुलाई और आयरन पर खर्च होता है। आज शहरों में अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वस्तीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

इसका सबसे बड़ा ग्राहक रेल्वे है। उसके बाद बड़े-बड़े पारा हॉस्पिटल्स, होटल्स, स्कूल कॉलेजों के होस्टल्स और अनेक रईस परिवार है। धुलाई का कोई तोटा नहीं है कहें तो शायद कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आज की लॉन्ड्रियां पूरी तरह नई तकनीक से सुसज्जित है। इस तकनीक ने इस व्यवसाय को हाईटेक बना दिया है। आपको एक फोन करने या मोबाईल एप पर मैसेज डालने की आवश्यकता है कि कुछ ही क्षणों में लॉन्ड्री का पिकअप ब्वाय आपके घर के दरवाजे पर हाजिर होता है।

आपको ये सारे कपड़े धोकर आयरन घलाकर और एक आकर्षक पैकिंग के साथ आपके घर पहुंचाए जाते हैं। इसमें सिर्फ तीन की अवधि लगती है। कभी-कभी तो लॉंड्री के इस आकर्षक पैकिंग को देखकर तो ये भ्रम होने लगता है कि कहीं हमने नए कपड़ों की शॉपिंग तो नहीं की है। आज इस इक्कीसवीं सदी में मनुष्य का जीवन वेगवान है। भागमभाग की जिन्दगी में वह अपने कपड़ों की धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्रियों पर ही निर्भर रहता है। आज शहर हो या गांव, महानगर की बात ही अलग है कोई भी व्यक्ति धोया कपड़ा बगैर आयरन के नहीं पहनता। आयरन कराना एक अनिवार्यता बन गई है। ऐसे में इस व्यवसाय से कोई भी मनुष्य इस लॉन्ड्री व्यवसाय से चालीस से पचास हजार तक का नफा कमाया जा सकता है। आज इस डिजिटल युग में इस व्यवसाय को किस तरीके से और कैसा बढ़ाया जाए ये उद्योजक पर निर्भर करता है। समय बदल गया है। तकनीक बदल गई। अब न तो परीट या रजाक नजर आते और न ही धोबीघाट। आजकल इन सब का काम लॉन्ड्री व्यवसाय में वापरी जाने वाली आधुनिक मशीनें ही करती हैं।

कमाई का बढ़िया जरिया किचन गार्डन

सांग-सब्जियों का हमारे दैनिक भोजन में महत्वपूर्ण स्थान है। विशेषकर शाकाहारियों के जीवन में। आजकल लोगों को शुद्ध सब्जी मिलना बहुत ही मुश्किल है इसलिए आप आपके घर के आंगन में, घर की छत पर या अगर आपके पास कोई जमीं है तो आप आसानी से सब्जी बगीचा (किचन गार्डन) बना सकते हैं, इससे आपको शुद्ध सब्जियां भी मिलेंगी और साथ ही आप इन सब्जियों को बेच कर पैसे भी कमा सकते हैं !

सांग-सब्जी भोजन में ऐसे पोषक तत्वों के स्रोत हैं, हमारे स्वास्थ्य को ही नहीं बढ़ाते, बल्कि उसके स्वाद को भी बढ़ाते हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम सांग-सब्जियों का सेवन करना चाहिए, परंतु हमारे देश में सांग-सब्जियों का वर्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है। इसलिए हमें इनका उत्पादन बढ़ाना चाहिए।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन में सीमित विकल्प है। हमेशा अंतिम चयन घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योंकि परिवार के सदस्य खाली समय में सांग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते है तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संख्या पर निर्भर करता है। सब्जी बगीचा के आकार की कोई सीमा नहीं है परंतु सामान्य रूप से वर्ग की अपेक्षा समकोण बगीचा को पसंद किया जाता है। चार या पांच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

बनाएं सब्जी बगीचा

स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी सांग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते है। इससे एक तो एकत्रित अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और दूसरे उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही, सीमित क्षेत्र में सांग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी। सबसे अहम बात यह कि सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी। यह एक सुरक्षित पद्धति है तथा उत्पादित सांग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगे।

पौधा लगाना को खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंटीमीटर की गहराई तक फुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 किलोग्राम कंपि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंटीमीटर या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएं।

बीज की बुआई, पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे ङ्क भिंडी, बीन एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंटीमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है। प्रतिरोपित फसल, जैसे ङ्क टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड़ या मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढककर उसके ऊपर 250 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर के लिए 30 दिनों की बुआई के बाद तथा बैगन, मिर्ची तथा बड़ी प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है। टमाटर, बैगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। बड़ी प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर 10 सेंटीमी की जगह छोड़ी जाती है। रोपण के तीसरे दिन पौधों की सिंचाई की जाती है। प्रारंभिक अवस्था में इस प्रतिरोपण को दो दिनों में एक दिन बाद पानी दिया जाए तथा बाद में चार दिनों के बाद पानी दिया जाए। सब्जी बगीचा का मुख्य उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्षभर घरेलू सांग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाएं। इससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य सांग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी सांग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी, पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन सिमटी इंग्लैंड की पारी, भारतीय गेंदबाजों ने कराई मैच में वापसी

जो रूट के शतक से इंग्लैंड ने पहली पारी में बनाए 387 रन, बुमराह ने खोला पंजा

एजेंसियां। लार्ड्स

भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को इंग्लैंड की पारी 387 रन पर सिमट गई. इंग्लैंड की की तरफ से पहली पारी में जो रूट, जेमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स ने दमदार बल्लेबाजी की. इसके अलावा कप्तान बेन स्टोक्स और ओली पोप ने 44-44 रनों का योगदान दिया, जबकि निचले क्रम में ब्रायडन कार्स ने भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना करते हुए 83 गेंद में 56 रनों की पारी खेली. इस पहली पारी में धीमी बल्लेबाजी के बावजूद इंग्लैंड की टीम ने 400 रन के करीब पहुंचने में सफल रही.

वहीं गेंदबाजी की बात की जाए तो टीम इंडिया की तरफ से सबसे जसप्रीत बुमराह ने 5 विकेट लिए. विदेशी धरती पर जसप्रीत बुमराह का टेस्ट में यह13वीं बार पंजा था. बुमराह ने खेल के दूसरे दिन के पहले ही घंटों में बेन स्टोक्स, जो रूट और क्रिस वोक्स को आउट किया. इसके बाद उन्होंने दूसरे सेशन में जोफ्रा आर्चर को बोल्ड पर अपने 5 विकेट पूरे किए. इसके नीतीश कुमार रेड्डी और मोहम्मद सिराज ने दो-दो विकेट लिए वहीं. रविंद्र जडेजा के खाते में 1 विकेट आया.

कैसा रहा दूसरे दिन इंग्लैंड का खेला: लॉर्ड्स टेस्ट मैच के दूसरे दिन के खेल की बात करें तो जो रूट के 37वां शतक पूरा किया. हालांकि इंग्लैंड की ये खुशी ज्यादा देर नहीं चली. भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटक लिए जिससे मेजबान टीम का स्कोर दिन लंच तक सात विकेट पर 353 रन हो गया. पर खेल के दूसरे घंटे में जैमी स्मिथ (नाबाद 51 रन) और ब्रायडन कार्स (नाबाद 33 रन) ने भारतीय तेज गेंदबाजों की गेंदों का डटकर सामना करते हुए आठवें विकेट के लिए 82 रन की अटूट साझेदारी करके भारत को निराश किया. 'ड्यूक्स' गेंद एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई क्योंकि इसकी हालत से निराश भारतीय टीम को इस सत्र में दो बार लाल गेंद बदलनी पड़ी. इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 251 रन से की. लेकिन बुमराह की शानदार गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड ने पहले घंटे में कप्तान बेन स्टोक्स (44), रूट (104) और क्रिस वोक्स (0) के विकेट गंवा दिए. स्मिथ को इस दौरान जीवनदान भी मिला जब केएल राहुल ने मोहम्मद सिराज की गेंद पर फॉर्म में चल रहे इस विकेटकीपर बल्लेबाज का कैच छोड़ दिया.

दिन की पहली गेंद पर रूट का शतक: दिन की पहली ही गेंद पर लॉर्ड्स में अपना रिकॉर्ड आठवां टेस्ट शतक पूरा करने वाले रूट अपनी पारी को आगे नहीं बढ़ा सके और बुमराह का दिन का दूसरा शिकार बने जिनकी गेंद उनके मिडिल स्टंप उखड़ गई. यह 11वीं बार है जब बुमराह ने टेस्ट मैचों में इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज को आउट किया है. अगली ही गेंद पर वोक्स विकेट के पीछे कैच आउट हो गए. यह हैरानी भरा था कि शुभमन गिल लगभग 10 ओवर पुरानी दूसरी नई ड्यूक्स गेंद को बदलना चाहते थे. अंपायरों ने गिल का अनुरोध स्वीकार कर लिया था, लेकिन भारतीय खिलाड़ी बदली हुई गेंद से खुश नहीं थे. इसके कारण गिल और अंपायरों के बीच तीखी बहस हुई. इंग्लैंड ने शुरुआती घंटे में सात विकेट पर 307 रन बना लिए. इसके तुरंत बाद सत्र में दूसरी बार गेंद बदली गई जिससे इंग्लैंड में इस्तेमाल की जाने वाली गेंदों पर बहस और तेज हो गई.

रेड्डी ने दिलाई शुरुआती बढ़त

एजेंसियां। लंदन

लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन भारत की ओर से सबसे सफल गेंदबाज़ बनकर उभरे युवा ऑलराउंडर नितीश रेड्डी ने अपनी सधी हुई गेंदबाज़ी से सबको प्रभावित किया. 22 वर्षीय नितीश ने इंग्लैंड की पहली पारी में बेन डकेट और ज़ैक क्रॉली को आउट करते हुए कुल दो विकेट झटके – और खास बात यह रही कि दोनों विकेट उन्हें उनके पहले ओवर में ही मिल गए. भारत की ओर से खेले जा रहे चार तेज़ गेंदबाज़ों में सबसे धीमी गति से गेंदबाज़ी करने वाले नितीश ने 14 ओवर डाले, जो अनुभवी मोहम्मद सिराज के बराबर थे. उन्होंने पूरे दिन बेहतरीन लाइन और लेंथ से गेंदबाज़ी की और इंग्लैंड को खुलकर रन बनाने नहीं दिए. दिन के खेल के बाद नितीश ने कहा कि यह गेंदबाज़ी में निरंतरता वह चीज़ है, जिस पर वह इस दौरे की शुरुआत से ही काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा, "ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद मुझे लगा कि मुझे अपनी गेंदबाज़ी और उसकी निरंतरता में सुधार करना होगा. मैंने इस पर सबसे ज़्यादा ध्यान दिया है."

उन्होंने कहा, "पैट कमिंस मेरे कप्तान हैं और ऑस्ट्रेलिया में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है. मैंने उनसे सुझाव लिए कि कैसे ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाज़ी की जाती है. वह अनुभव मेरे लिए बहुत उपयोगी रहा. इस दौरे पर मॉर्न मोर्कल के साथ काम करना भी मेरे लिए बेहतरीन रहा है. वह पिछले कुछ हफ्तों से मेरे साथ काम कर रहे हैं और हम मेरी गेंदबाज़ी में निरंतरता पर ध्यान दे रहे हैं. मुझे गेंद स्विंग

कराने की काबिलियत है और मैं उसे सभी क्षेत्रों में स्थिरता के साथ उपयोग करना चाहता हूं. नितीश ने माना कि इससे उनकी लय पर असर पड़ा था. उन्होंने कहा,"सच कहूं तो चोट के बाद मेरी लय पकड़ना मुश्किल हो गया था. आईपीएल की शुरुआत में मैं गेंदबाज़ी नहीं कर सका, लेकिन टूर्नामेंट के आखिरी हिस्से में मैंने नेट्स में गेंदबाज़ी शुरू की और फिर मैचों में भी दोबारा उतर सका." पहले दिन की शानदार गेंदबाज़ी के बाद नितीश ने कहा कि वह सिर्फ टीम की ज़रूरत के मुताबिक गेंदबाज़ी करना चाहते हैं.उन्होंने कहा, "मैं सिर्फ इस पल का लुत्फ़ उठाना चाहता था और टीम जो चाहती थी, वैसा ही करना चाहता था. मुझे लगता है कि मैं वही कर पाया और आज की गेंदबाज़ी से काफी खुश हूं.

शुभमन गिल की बल्लेबाजी पर आया सचिन का बयान

निर्णय लेने की कला शानदार

एजेंसियां। लार्ड्स

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल की तारीफ की है. उन्होंने कहा कि वह शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. सचिन ने गिल के निर्णय लेने की क्षमता पर भी बात की. बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला लॉर्ड्स पर खेला जा रहा है. मेजबानों ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है. दोनों टीमें एक-एक बदलाव के साथ उतरी हैं. इंग्लैंड ने जोश टंग की जगह जोफ्रा आर्चर और भारत ने प्रसिद्ध कृष्णा की जगह जसप्रीत बुमराह को मौका दिया है.

सचिन ने की गिल की तारीफ

मास्टर-ब्लास्टर ने मैच के दौरान गिल की नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की कला की तारीफ की. उन्होंने कहा- वह (गिल) अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. वह बहुत शांत और संयमित हैं और मेरा दृढ़ विश्वास है कि बाकी 10 खिलाड़ी भी उनके द्वारा लिए गए किसी भी फैसले पर जिस तरह प्रतिक्रिया देते हैं, वह सोच-समझकर लिया गया फैसला होता है. उन्होंने आगे कहा- उनकी बल्लेबाजी भी इसमें योगदान दे रही है क्योंकि अगर कप्तान अच्छी फॉर्म में हो, तो फैसले लेने में काफी फर्क पड़ता है. अहम फैसले लेने के लिए आपको सही मानसिक स्थिति में होना जरूरी है. वह शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं.

भारत की नजर सीरीज में बढ़त हासिल करने पर

मालूम हो कि, लीड्स टेस्ट में मिली हार का बदला लेते हुए भारत ने एजबेस्टन में इंग्लैंड को मात दी और सीरीज में 1-1 की बराबरी की. दूसरे मुकाबले में जीत के साथ कप्तान शुभमन गिल ने तमाम रिकॉर्ड्स बनाए. वह पहले एशियाई कप्तान बन गए जिन्होंने एजबेस्टन में इंग्लैंड की बादशाहत खत्म की. अब उनकी नजर लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट पर है.

इंग्लैंड दौरे पर चमके गिल

इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम के कप्तान गिल ने तीन शतकीय पारियों जिसमें एक दोहरा शतक भी शामिल है, की मदद से 585 रन बना लिए हैं. वह फिलहाल इस सीरीज में रनों के मामले में शीर्ष पर हैं और उनका औसत 146 .25 का है. सचिन ने तकनीक में बदलाव के बारे में बात करते हुए कहा कि सीरीज में अब तक गिल का प्रदर्शन शानदार रहा है. उन्होंने आगे कहा- 'एक विपक्षी टीम के तौर पर, आमतौर पर वे आपकी बल्लेबाजी में कमजोरियां ढूंढ़ने की कोशिश करते हैं. इस समय आपकी तकनीक कमाल की रही है. मैंने जो भी देखा है, वह खास रहा है. मुझे बहुत खुशी है कि पहले टेस्ट मैच की निराशा के बाद दूसरे टेस्ट मैच में हमने जिस तरह से सीरीज में वापसी की, वह कमाल की है.

विंबलडन 2025: वर्बीक और सिनियाकोवा ने रचा इतिहास, जीता मिक्स्ड डबल्स खिताब

एजेंसियां। लंदन

चेक गणराज्य की कैटेरीना सिनियाकोवा और नीदरलैंड्स के सेम वर्बीक ने गुरुवार (स्थानीय समयानुसार)को विंबलडन 2025 का मिक्स्ड डबल्स खिताब अपने नाम कर लिया. फाइनल मुकाबले में उन्होंने ब्रिटेन के जो सालिसबरी और ब्राज़ील की लुइसा स्टेफनी को सीधे सेटों में 7-6(3), 7-6(3) से हराया. सेंटर कोर्ट पर घरेलू खिलाड़ी सालिसबरी और उनकी जोड़ीदार स्टेफनी के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में चेक-डच जोड़ी ने संयम और आत्मविश्वास का परिचय दिया. दूसरे सेट में स्टेफनी को पैर में परेशानी भी नजर आई, जिसका असर उनकी मूवमेंट पर पड़ा.

जीत का आखिरी बिंदु कैटेरीना सिनियाकोवा के ओवरहेड स्मैश के साथ आया, जिसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने खिताबी जीत का जश्न मनाया. यह दोनों की एक साथ पहली खिताबी जीत है. जहां सिनियाकोवा का यह पहला मिक्स्ड डबल्स ग्रैंड स्लैम खिताब है, वहीं 31 वर्षीय वर्बीक के करियर का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है. खिताब जीतने के बाद 29 वर्षीय सिनियाकोवा ने कहा, "यह बहुत खास है. इस टूर्नामेंट में खेलकर और जीतकर बहुत मज़ा आया. यह एक शानदार अनुभव था." गौरतलब है कि सिनियाकोवा के नाम अब कुल 11 ग्रैंड स्लैम डबल्स खिताब हो गए हैं, जिनमें इस साल जनवरी में टेलर टाउन्सेंड के साथ जीता गया ऑस्ट्रेलियन ओपन महिला युगल खिताब भी शामिल है. अपने साथी की तारीफ करते हुए वर्बीक ने भावुक शब्दों में कहा, "कैटेरीना, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद. आपके साथ कोर्ट साझा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही. आप डबल्स की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं. आपने इस गुरुवार को मेरी जिंदगी का सबसे यादगार दिन बना दिया." वहीं, जो सालिसबरी ने हार के बाद कहा, "फाइनल हारना हमेशा दुखद होता है, लेकिन उन्होंने शानदार खेल दिखाया. दोनों टाई-ब्रेकर में वे हमसे बेहतर साबित हुए. इस खिताब के साथ सिनियाकोवा और वर्बीक ने न केवल पहली बार मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता, बल्कि विंबलडन इतिहास में अपनी एक खास जगह भी बना ली.

फिडे महिला विश्व कप

हम्पी ने खामदमोवा को हराया हरिका भी तीसरे दौर में पहुंचीं

एजेंसियां। बतूमी

भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरु हम्पी ने उज्बेकिस्तान की अफरुजा खामदमोवा के खिलाफ आसान ड्रॉ खेलते हुए 1.5-0.5 से मिनी-मैच जीतकर फिडे महिला विश्व कप के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है. वहीं, भारत की ही डी. हरिका ने अपनी साथी खिलाड़ी पी. वी. नंधिधा को हराकर अंतिम 32 में जगह बना ली. सफेद मोहरों से खेलते हुए हम्पी ने पूरी तरह नियंत्रण में खेल दिखाया और आगामी मुकाबलों के लिए ऊर्जा बचाते हुए ड्रॉ को स्वीकार किया. वहीं, हरिका ने आक्रामक खेल दिखाते हुए नंधिधा को हराया, जो कि जीत के लिए सब कुछ दांव पर लगा चुकी थीं. टूर्नामेंट में दो बार कांस्य पदक जीत चुकी हरिका ने अपने अनुभव का शानदार इस्तेमाल करते हुए विरोधी के सफेद मोहरों को निष्क्रिय किया और अंततः जीत दर्ज की. नंधिधा, किरण मनीषा मोहंती के बाद टूर्नामेंट से बाहर होने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनीं.

भारत की अन्य खिलाड़ियों का भी शानदार प्रदर्शन: आर. वैशाली ने कनाडा की ओयूलेट मैली-जेड को 2-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया. वहीं, दिव्या देशमुख ने जॉर्जिया की केसारिया मगेलद्जे को 1.5-0.5 से हराकर भारतीय खेमे में और खुशियां जोड़ दीं.के. प्रियांका, जिन्होंने पहले दौर में सभी को चौंकाया था, ने पोलैंड की क्लाउडिया कुलोन के खिलाफ लगातार दो ड्रॉ खेलकर टाईब्रेक में जगह बना ली है.वहीं वंतिका अग्रवाल के लिए यह दिन थोड़ा निराशाजनक रहा. उन्होंने पहले मुकाबले में पूर्व विश्व चैंपियन अन्ना उशेनिना (यूक्रेन) को हराया था, लेकिन दूसरे गेम में हारने के कारण मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंच गया.

महत्वपूर्ण भारतीय परिणाम - दूसरा दौर

- कोनेरु हम्पी (भारत) ने अफरुजा खामदमोवा (उज्बेकिस्तान) को 1.5-0.5 से हराया
- डी. हरिका (भारत) ने पी. वी. नंधिधा (भारत) को 2-0 से हराया
- आर. वैशाली (भारत) ने ओयूलेट मैली-जेड (कनाडा) को 2-0 से हराया
- दिव्या देशमुख (भारत) ने केसारिया मगेलद्जे (जॉर्जिया) को 1.5-0.5 से हराया
- वंतिका अग्रवाल (भारत) बनाम अन्ना उशेनिना (यूक्रेन): स्कोर 1-1, मुकाबला टाईब्रेक में
- के. प्रियांका (भारत) बनाम क्लाउडिया कुलोन (पोलैंड): स्कोर 1-1, मुकाबला टाईब्रेक में
- पद्मिनी राऊत (भारत) बनाम अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक (स्विट्ज़रलैंड): स्कोर 1-1, मुकाबला टाईब्रेक में

यूएफा महिला यूरो 2025

स्विजरलैंड पहली बार क्वार्टरफाइनल में, नॉर्वे ने आइसलैंड को 4-3 से हराया

एजेंसियां। जिनेवा

स्विट्ज़रलैंड की रियोला झेमाइली ने गुरुवार को फिनलैंड के खिलाफ मुकाबले के अंतिम क्षणों में गोल कर टीम को 1-1 की रोमांचक बराबरी दिलाई और इसके साथ ही मेज़बान टीम ने पहली बार महिला यूरो 2025 के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया. इस ड्रा के चलते फिनलैंड टूर्नामेंट से बाहर हो गया. ग्रुप ए में नॉर्वे के बाद स्विट्ज़रलैंड दूसरे स्थान पर रहा. उसे नॉकआउट चरण में पहुंचने के लिए सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी, जो उसने नाटकीय अंदाज में हासिल किया. फिनलैंड के लिए नतालिया कुइक्का ने 79वें मिनट में पेनल्टी पर गोल कर बढ़त दिलाई. यह पेनल्टी तब मिली जब वियोला कैलिगारिस ने एम्मा कोइविस्टो को बॉक्स में गिरा दिया. 101वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहीं सेंटर-बैक कुइक्का ने आत्मविश्वास के साथ गेंद को गोलकीपर लिविया पेंग के विपरीत दिशा में भेजा. हालांकि, घरेलू दर्शकों के जबरदस्त समर्थन से उत्साहित स्विस टीम ने अंतिम पलों में आक्रामक खेल जारी रखा. 92वें मिनट में जेराल्डीन रयूटेलेर का शॉट भले ही सही से नहीं लगा, लेकिन झेमाइली मौके पर मौजूद थीं और उन्होंने गेंद को गोल में डालकर स्टेड डी जिनेवा का माहौल जश्न में बदल दिया.मैच में स्विट्ज़रलैंड ने कुल 15 शॉट्स लिए जबकि फिनलैंड सिर्फ 6 पर ही सिमट गया. अब क्वार्टरफाइनल में स्विट्ज़रलैंड का सामना ग्रुप बी की विजेता से होगा, जो फिलहाल विश्व चैंपियन स्पेन है.

गौपसेट की चमक, नॉर्वे की जीत: एक अन्य मुकाबले में नॉर्वे ने आइसलैंड को 4-3 से हराकर ग्रुप ए में लगातार तीन जीत के साथ शीर्ष स्थान पक्का किया. यह मैच नॉर्वे की विंगर सिग्ने गौपसेट के नाम रहा, जिन्होंने दो गोल किए और दो गोल में सहायता दी. हालांकि पहले ही बाहर हो चुकी आइसलैंड की टीम ने शुरुआत में बढ़त बनाई. छठे मिनट में स्वेइंडिस जोन्सडोत्तिर ने गोल दागकर टूर्नामेंट में आइसलैंड का खाता खोला. लेकिन गौपसेट ने 15वें मिनट में कॉर्नर से मिले मौके को गोल में बदलते हुए स्कोर बराबर किया, और फिर 26वें मिनट में शानदार लेफ्ट-फुटेड शॉट से बढ़त दिला दी.

जश्न

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने 76वां जन्मदिन मनाया

लिटिल मास्टर के कुछ ऐसे रिकॉर्ड्स जिन्हें आप भूल गए होंगे

एजेंसियां। लार्ड्स

महान बल्लेबाजों में शुमार सुनील गावस्कर शुक्रवार को अपना 76वां जन्मदिन मनाया. गावस्कर ने भारत के लिए 16 वर्षों तक मुख्य बल्लेबाज की भूमिका निभाई. इस दौरान उन्होंने कई अहम और यादगार पारियां खेलीं. गावस्कर का नाम सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर के महान क्रिकेटर्स की लिस्ट में शुमार है. गावस्कर ने अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ किया था. वेस्टइंडीज के खिलाफ इस चार मैचों की टेस्ट सीरीज में गावस्कर ने चार शतक जड़े थे. इनमें से एक 220 रन की पारी भी थी. वहीं, उन्होंने तीन

अर्धशतक भी जड़े. इस सीरीज से ही वह सुर्खियों में आ गए थे.

वेस्टइंडीज के खिलाफ गावस्कर के रिकॉर्ड: वेस्टइंडीज की टीम गावस्कर के समय सबसे खतरनाक टीम मानी जाती थी. उनकी इस उपलब्धि का मुख्य कारण उनके तेज गेंदबाज थे. उस समय वेस्टइंडीज की इतनी साख होने के बावजूद गावस्कर हमेशा ही उनके खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते थे. गावस्कर ने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी पहली ही सीरीज में 774 रन जड़ दिए थे और टीम इंडिया की 1-0 से सीरीज (4 मैचों की) जीत में अहम भूमिका निभाई थी. 774 रन किसी भी डेब्यू सीरीज में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं. यहां तक की गावस्कर के नाम वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट शतक का भी रिकॉर्ड है.

टेस्ट मैचों में 10,000 रन पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी

गावस्कर वह पहले खिलाड़ी थे जिन्होंने टेस्ट फॉर्मेट में 10 हज़ार रन का आंकड़ा छुआ था. मार्च 1987 में उन्होंने यह कीर्तिमान हासिल किया था. गावस्कर ने वेस्टइंडीज की बॉलिंग लाइन अप जिसमें माइकल होल्डिंग, एंडी रॉबर्ट्स, जोएल गार्नर, जेफ थॉम्पसन जैसे नाम शुमार थे, उनके खिलाफ खूब रन बनाए थे. गावस्कर ने संन्यास लेने से पहले टेस्ट में कुल 10,122 रन बनाए.

गावस्कर के नाम 34 टेस्ट शतक

टेस्ट में 10 हजार रन बनाने के अलावा गावस्कर ऐसे पहले खिलाड़ी भी थे जिन्होंने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाए थे. गावस्कर ने अपने करियर की 125 टेस्ट पारियों में 34 शख्तक लगाए थे. लंबे समय से यह रिकॉर्ड किसी भी खिलाड़ी से कोसों दूर रहा था, लेकिन साल 2005 में भारत क्रिकेट के एक और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया था. भारत के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में गावस्कर, सचिन और द्रविड़ के बाद तीसरे स्थान पर हैं.

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडिया 'ए' महिला टीम घोषित, राधा यादव होंगी कप्तान

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडिया 'ए' महिला टीम की घोषणा कर दी है. यह बहु-प्रारूप दौरा 07 अगस्त से 24 अगस्त 2025 तक ऑस्ट्रेलिया में खेला जाएगा, जिसमें तीन टी20, तीन एकदिवसीय मुकाबले और एक चार दिवसीय मैच शामिल होगा. टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर राधा यादव को सौंपी गई है, जबकि उपकप्तान के रूप में मिन्नू मणि को चुना गया है. इस दौरे का उद्देश्य उभरते खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देना और भविष्य की भारतीय टीम के लिए मजबूत विकल्प तैयार करना है.

दौरे का कार्यक्रम: ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भारती टीम तीन टी20 मुकाबले 07 अगस्त से मैकाय (Mackay) में खेलेगी. इसके बाद टीम 50 ओवर के तीन मैच ब्रिसबेन के नॉर्थ्स ग्राउंड में खेलेगी. आखिर में चार दिवसीय मैच एलन बॉर्डर फील्ड, ब्रिसबेन में खेला जाएगा.

इंडिया 'ए' टी20 टीम

राधा यादव (कप्तान), मिन्नू मणि (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, डी. वृंदा, सजना सजीवन, उमा छेत्री (विकेटकीपर), राघवी बिस्ट, श्रेयंका पाटिल*, प्रेमा रावत, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, जोशिता वी.जे., शबनम शकील, साइमा ठाकोर, टिटास साधु.

इंडिया 'ए' वनडे व मल्टी-डे टीम

राधा यादव (कप्तान), मिन्नू मणि (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, तेजल हासाबनीस, राघवी बिस्ट, तनुश्री सरकार, उमा छेत्री (विकेटकीपर), प्रिया मिश्रा*, तनुजा कंवर, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), धारा गूजर, जोशिता वी.जे., शबनम शकील, साइमा ठाकोर, टिटास साधु.

श्री गुरु व्यास पूर्णिमा महोत्सव : स्वामी आगमानंद ने बताई गुरु की महिमा

राज्यपाल और आईपीएस विकास वैभव ने बताया वेदांत का दर्शन

शुभम संदेश। पटना

पटना के गर्दनीबाग स्थित गेट पब्लिक लाइब्रेरी एंड इंस्टिट्यूट का वातावरण गुरुवार को आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति से सराबोर हो गया, जब श्री शिवशक्ति योगपीठ और केंद्रीय उत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित श्री गुरु व्यास पूर्णिमा महोत्सव में जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री रामचंद्राचार्य परमहंस स्वामी आगमानंद जी महाराज का आगमन हुआ. श्री गुरु व्यास पूर्णिमा महोत्सव में देशभर से 25 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे. स्वामी आगमानंदजी महाराज और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के आगमन पर एनसीसी के एएनओ लेंटननेंट कंपनी कमांडर तुषार कांत झा के नेतृत्व कैडेट ने गॉर्ड ऑफ आनर दिया. इसके बाद स्वामी आगमानंद ने ढाई सौ से ज्यादा लोगों ने गुरु दीक्षा दी. कार्यक्रम के दूसरे सत्र में आगमानंदजी महाराज ने अपने उद्बोधन में गुरु की महिमा बताई.

सर्वश्रेष्ठ पर्व है गुरु पूर्णिमा: आगमानंद

महासभा के दूसरे सत्र में अपने उद्बोधन में स्वामी आगमानंद जी महाराज ने गुरु की महिमा का गुणगान करते हुए कहा, सनातन संस्कृति में गुरु पूर्णिमा सर्वोच्च पर्व है. गुरु का शब्द मंत्र के समान है. धर्म ग्रंथों को लिपिबद्ध करने वाले ऋषि व्यास की अनुकंपा का ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता. इसलिए आज के दिन हमें अपने गुरु के साथ-साथ व्यास जी को भी स्मरण करना चाहिए. राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के ज्ञान की प्रशंसा करते हुए स्वामी आगमानंदजी महाराज ने कहा कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान जी संस्कृत, हिंदी, अरबी और उर्दू के गहरे अध्येता हैं. मैंने तो सोच लिया है कि आगे चलकर इन्हें अपनी पार्टी में शामिल करूंगा.

उन्होंने कहा शहरों में मंदिर, मस्जिद और महफिलें हैं, परंतु राज्यपाल महोदय की उपस्थिति से महफिल इतनी निखर गई कि पहचानी नहीं जा रही. जो पक्ष में हैं, वे हाथ खड़ा करें कि आगे भी हमारे आयोजनों में राज्यपाल महोदय आते रहें.

आईपीएस विकास वैभव ने बताया वेदांत का दर्शन

आईपीएस और लेट्स इंस्पायर बिहार के प्रवर्तक विकास वैभव ने कहा 'भारत में गुरु का स्थान सर्वोच्च है. बिहार वेदांत की भूमि है. जो तत्व दिखता नहीं, सुनाई नहीं देता, उसकी अनुभूति गुरु कराते हैं. चंद्रगुप्त और चाणक्य के बिहार में जातिवाद नहीं, जातियां थीं.

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का प्रेरक भाषण : बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने भारतीय संस्कृति में कथा परंपरा की महिमा का उल्लेख करते हुए आदि शंकराचार्य की कथा सुनाई. कहा एक बार बनारस में जब शंकराचार्य गंगा स्नान कर लौटे, तो सामने एक चंडाल था. उन्होंने सोचा कि इसके स्पर्श से अपवित्र हो सकता हूं. इस बीच चंडाल ने कहा — शरीर हटाऊं या आत्मा? तब शंकराचार्य को बोध हुआ कि वे जो उपदेश देते हैं, उसे आत्मसात नहीं कर पाए. उन्होंने उसी क्षण मनीष पंचकम की रचना की. उन्होंने कहा— जो यह समझ जाए कि हर जीव में परमात्मा है, वह चाहे चंडाल ही क्यों न हो, वही मेरा गुरु है. राज्यपाल ने गुरु की परिभाषा को विस्तृत करते हुए कहाः गुरु चंद्रमा की तरह प्रकाश फैलाते हैं, और हम अज्ञान के बादल हैं. गुरु वही है, जो आत्मा में परमात्मा की अनुभूति करा सके.

भजन और पूजन में डूबा जनमानस : भजन सम्राट डा. हिमांशु मोहन मिश्र दीपक जी के भजनों ने माहौल को और आध्यात्मिक बना दिया. उनके द्वारा प्रस्तुत "गुरु अंधियारा मिटावे—दिव्य प्रकाश जगावे" जैसे भजनों पर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे. भजन प्रस्तुति में बलबीर सिंह बग्घा, सुबोध दा, गुलशन, पवन दुबे , माधवानंद जैसे कलाकारों ने भी सहयोग किया.

देशभर से उमड़े श्रद्धालु : महाप्रसाद वितरण, दो दिन के ठहराव और सेवा व्यवस्था के बीच कार्यक्रम में देशभर से आए 25 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया. बेंगलुरु से विशेष रूप से पहुंचे अनुयायियों ने स्वामीजी को फूलों से सुसज्जित माला भेंट की. बमबम मिश्र, बरुण, आनंद, संजीव, मुकेश जैसे भक्तगण इस मौके पर विशेष रूप से उपस्थित रहे.

मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन की बढ़ी हुई 1100 रुपये की राशि लाभार्थियों के खातों में की हस्तांतरित

1.11 करोड़ के खाते में भेजी गई 1,227 करोड़ की राशि

संवाददाता । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के ठीक पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मास्टरस्ट्रोक लगकर विपक्ष को चित कर दिया है. शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने वीडियो क्रांफ्रेंसिंग के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों को 400 रुपये महीना से पेंशन बढ़ाते हुए 1100 रुपये कर उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से इस राशि को हस्तांतरित किया. इस तरह से एक करोड़ 11 लाख पेंशनधारियों के बैंक खाते में 1,227 करोड़ रुपये की राशि भेजी गई. इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश ने ऐलान किया कि यह राशि हर माह की 10 तारीख को लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरित कर दी जाएगी. उन्होंने राज्यभर से जुड़े 50 लाख लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 24 नवम्बर 2005 को हमारी सरकार बिहार में बनी थी.

पिछले 20 वर्ष में हमारी सरकार ने सभी के कल्याण के लिए कई काम किये. सभी वर्गों के उत्थान के लिए कई योजनाएं चलाई हैं और समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के हित के लिए हम निरंतर काम किया है. इसी क्रम में पेंशन की राशि को 400 रुपये से

बढ़ाकर 1100 रुपये महीना करने का निर्णय लिया गया. इससे 1.11 करोड़ पेंशनधारी लाभान्वित होंगे. लालू-राबड़ी राज पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 20 वर्ष पहले राज्य में कहीं कुछ नहीं था. हमारी सरकार आई तो हर वर्ग, हर क्षेत्र और हर जगह के लिए काम किया गया. राजद से दो बार हाथ मिलाने पर सफाई देते हुए कहा कि हम गलती से दो बार उन लोगों को साथ लिए थे. अब फिर से वे कहीं नहीं जाने वाले हैं. अब आगे कहीं इधर-उधर नहीं जाएंगे.

उन्होंने कहा कि अब बिहार में राजनीति का नया दौर शुरू होगा, बल्कि सब साथ (एनडीए) मिलकर विकास के रास्ते पर चलेंगे. उन्होंने कहा कि पहले महिलाओं की स्थिति बेहद कमजोर थी, लेकिन उनकी सरकार ने महिलाओं के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले और योजनाएं शुरू की हैं.

हमने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया, हर संभव सुविधा मुहैया कराई. पहले महिलाएं पूछती थीं, पर अब वे सम्मान के साथ बेहतर जीवन जी रही हैं. उनका पहनावा भी पहले से काफी बेहतर हो गया है. मुख्यमंत्री ने महिलाओं को दी जा रही सुविधाओं को सरकार की प्राथमिकता बताया और कहा कि उनका उद्देश्य महिलाओं का जीवन सम्मानजनक और सुरक्षित बनाना है. उन्होंने कहा कि हमने महिलाओं के लिए हर स्तर पर काम किया है और भविष्य में भी इसी प्रकार काम जारी रहेगा. हम हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हैं और लगातार प्रयास कर रहे हैं. उन्होंने इस अवसर पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि बिहार अब विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, और सभी वर्गों का जीवन स्तर बेहतर बनाने के लिए निरंतर काम किया जा रहा है.

मोदी-नीतीश ध्येय के साथ काम कर रही है एनडीए सरकार : सम्राट

पटना । उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि एनडीए सरकार ने दिव्यांग, विधवा और बुजुर्गों की पेंशन 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर समाज के हर तबके के साथ होने का अपना वादा पूरा किया है. एनडीए सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश के सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास ध्येय के साथ इस ऐतिहासिक फैसले को लागू किया है. उपमुख्यमंत्री चौधरी ने सीएम नीतीश कुमार को इस योजना को लागू करने के लिए आभार व्यक्त किया. उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि इस फैसले से राज्य के 1,11,19,949 परिवार लाभान्वित होंगे. सरकार इनके जीवन को आसान बनाने के लिए हर साल लगभग 13 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी. उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के 1 करोड़ 11 लाख से अधिक लाभार्थियों के खातों में 1227.27 करोड़ रुपये की पेंशन राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से ट्रांसफर की. हर लाभार्थी को बढ़ी हुई 1100 रुपये की राशि उनके बैंक खाते में भेजी गई है.

अपराध की योजना बना रहे तीन अपराधकर्मी गिरफ्तार

- 02 कट्टा, 07 कारतूस एवं लूटी गई राशि बरामद

संवाददाता । भागलपुर

जिले के मधुसुदनुपर थाना अन्तर्गत अपराध की योजना बना रहे 03 अपराधकर्मी को गिरफ्तार करने में पुलिस ने सफलता हासिल की है. इस दौरान 02 कट्टा, 07 कारतूस, खोखा एवं लूटी गई राशि बरामद की गई है. उक्त आशय की जानकारी शुक्रवार को सिटी एसपी शुभांक मिश्रा ने दी. सिटी एसपी ने बताया कि बीते गुरुवार को सूचना मिली कि मधुसुदनपुर थाना अन्तर्गत ग्राम-गोलाहू स्थित बहियार में कुछ अपराधकर्मी किसी बड़े अपराध की योजना बना रहे हैं, जो मुफस्सिल थाना (मुंगेर) के हत्या के केस में वांछित फरार एवं सबौर थाना अन्तर्गत लूट में शामिल में रहे हैं. उन्होंने कहा कि सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक, भागलपुर, पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी एवं पुलिस उपाधीक्षक नगर-02 के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया. उक्त गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 03 अपराधकर्मी को 02 देसी कट्टा, जिंदा कारतूस-07, खोखा-02 एवं बिंडोलिया के साथ विधिवत गिरफ्तार किया गया.

मंत्री मदन सहनी बोले- विपक्ष ने 15 साल तक बिहार को सिर्फ लूटा है

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के 1.11 करोड़ लोगों के खाते में शुक्रवार को डीबीटी के माध्यम से 1100 रुपये की राशि सामाजिक सुरक्षा पेंशन के रुप में हस्तांतरित की. इस बाबत विभाग के मंत्री मदन सहनी ने बातचीत में कहा कि बढ़ी हुई राशि मिलने से लाभार्थियों में खुशी है और मुख्यमंत्री को आशीर्वाद दे रहे हैं. विपक्ष के लोग जो बिहार चुनाव से पहले हीरा, जवाहरत बांटने के लिए तैयार हैं उनको भी 15 साल शासन करने का मौका मिला था. 15 साल में गरबों को लूटने के सिवा और कुछ नहीं हुआ.

सहनी ने कहा 1995 में पेंशन योजना की शुरुआत हुई थी 2005 तक केवल 11 लाख लोग ही पेंशन का लाभ ले रहे थे. वहीं 2005 से 2025 तक 20 साल में पेंशन लेने वालों की संख्या 1 करोड़ 11 लाख से अधिक हो गई है. यानी 20 साल में एक करोड़ संख्या बढ़ गई है. 2015 में 200 से 400 करने का काम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ही किया था. अब 400 से 1100 करने का काम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ही किया है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो लगातार काम कर रहे हैं. बिहार की जनता मालिक 20 साल से उनके साथ है और आगे भी रहेगी.

कारोबार

चीन की पाबंदी के बीच भारत का बड़ा कदम: रेयर अर्थ प्रोडक्शन को मिलेगी सब्सिडी

नयी दिल्ली : भारत सरकार रेयर अर्थ मैग्नेट के प्रोडक्शन को बढ़ावा देने के लिए एक नई योजना पर काम कर रही है. केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारास्वामी ने शुक्रवार को बताया कि 1,345 करोड़ रुपये की इस योजना के तहत दो चुनिंदा मैन्युफैक्चरर को सब्सिडी दी जाएगी. यह कदम चीन द्वारा रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर रोक लगाने के बाद उठाया जा रहा है, जिसने वैश्विक आपूर्ति को प्रभावित किया है और भारत समेत कई देशों में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बनाने वाली कंपनियों को परेशानी में डाल दिया है. इस योजना का मकसद रेयर अर्थ ऑक्साइड को मैग्नेट में बदलने की पूरी प्रक्रिया को सपोर्ट करना है. सूत्रों के मुताबिक, कई मंत्रालय से बातचीत के बाद इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के सामने रखा जाएगा. कुमारास्वामी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 1,345 करोड़ रुपये की इस योजना में दो मैन्युफैक्चरर को शामिल करने का प्रस्ताव है. दो मैन्युफैक्चरर को सरकार देगी सपोर्ट : भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव कमरान रिजवी ने बताया कि इस योजना का मसौदा तैयार कर लिया गया है और इसे अंतर-मंत्रालयी परामर्श के लिए भेजा गया है. उन्होंने कहा, हमारा फोकस मैग्नेट पर है. जो भी हमें मैग्नेट देगा, उसे प्रोत्साहन मिलेगा. इस योजना में दो मैन्युफैक्चरर को शामिल करने की योजना है. यह सब्सिडी रेयर अर्थ ऑक्साइड को मैग्नेट में बदलने के लिए प्रोसेसिंग सुविधाएं स्थापित करने में निवेश को बढ़ावा देगी. भारत में रेयर अर्थ का एकमात्र भंडार इंडियन रेयर अर्थ मैग्नेट्स लिमिटेड के पास है, जो परमाणु ऊर्जा मंत्रालय के अधीन एक सार्वजनिक उपक्रम है. चीन द्वारा हाल ही में महत्वपूर्ण धातुओं के निर्यात पर लगाई गई पाबंदी ने ऑटोमोबाइल और सेमीकंडक्टर चिप निर्माण में बड़े पैमाने पर व्यवधान पैदा किया है. रेयर अर्थ मैग्नेट, जैसे नियोडिमियम-आयरन-बोरोन, इलेक्ट्रिक वाहनों के ट्रैक्शन मोटर और पावर स्टीयरिंग मोटर में इस्तेमाल होते हैं.

कुमारस्वामी ने पीएम ई-ड्राइव के तहत इलेक्ट्रिक ट्रकों के लिए प्रोत्साहन योजना की शुरुआत की

- प्रधानमंत्री के हरित गतिशीलता विजन के तहत भारत ने पहली बार ई-ट्रक प्रोत्साहन योजना शुरू की

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने शुक्रवार को पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत इलेक्ट्रिक ट्रकों (ई-ट्रकों) को प्रोत्साहित करने की योजना का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया. भारी उद्योग मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि यह पहली बार है कि केंद्र सरकार ने देश को स्वच्छ और टिकाऊ माल ढुलाई गतिशीलता में परिवर्तन में मदद करने के लिए इलेक्ट्रिक ट्रकों के लिए समर्थन योजना शुरू की गई है.

यह योजना प्रोत्साहन इलेक्ट्रिक ट्रक के सकल वाहन भार पर निर्भर करेगा और अधिकतम 9.6 लाख

रुपये का प्रोत्साहन प्राप्त किया जा सकता है. मंत्रालय के मुताबिक ये प्रोत्साहन खरीद मूल्य में एकमुश्त कटौती के रूप में प्रदान किए जाएंगे और पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर पीएम ई-ड्राइव पोर्टल के माध्यम से ओईएम को प्रतिपूर्ति की जाएगी. इसका उद्देश्य देश में स्वच्छ, कुशल और टिकाऊ माल ढुलाई गतिशीलता में तेजी लाना है. नई शुरू की गई इस योजना वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने और 2070 तक शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने की भारत की प्रतिबद्धता का समर्थन करने के लिए एक रणनीतिक कदम है.

भारी उद्योग मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय मोटर वाहन नियमों (सीएमवीआर) के तहत परिभाषित एन2 और एन3 श्रेणी के इलेक्ट्रिक ट्रकों पर भी मांग प्रोत्साहन योजना लागू होंगे. एन2 श्रेणी में सकल वाहन वाले ट्रक शामिल हैं, प्रोत्साहन केवल एन3 श्रेणी के पुलर ट्रैकर्स पर ही लागू होंगे. इसके तहत इलेक्ट्रिक ट्रकों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए, निर्माता एक व्यापक निर्माता-समर्थित वारंटी प्रदान करेंगे. इसमें पांच साल या 5 लाख किलोमीटर की वारंटी शामिल होगी, जबकि वाहनों और मोटरों के लिए वारंटी पांच साल या 2.5 लाख किलोमीटर, जो भी पहले होगी. उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11 सितंबर 2024 को देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना को अपनी मंजूरी दे दी थी. इस योजना का दो वर्षों की अवधि में वित्तीय परिव्यय 10,900 करोड़ रुपये है.

मंगलम बिड़ला यूएसआईएसपीएफ के निदेशक मंडल में हुए शामिल

एजेंसी । नई दिल्ली

आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला को अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के निदेशक मंडल में शामिल किया गया है. वह निदेशक मंडल की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में भी काम करेंगे. अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच की तरफ से शुक्रवार को जारी बयान में बताया गया है कि आदित्य बिड़ला समूह के अध्यक्ष कुमार मंगलम बिड़ला उसके निदेशक मंडल की कार्यकारी समिति में शामिल हो गए हैं. कुमार मंगलम बिड़ला निदेशक मंडल की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में भी काम करेंगे. यूएसआईएसपीएफ ने अपने बयान में कहा कि आदित्य बिड़ला समूह अमेरिका में सबसे बड़ा भारतीय ग्रीनफील्ड निवेशक है,

जिसका निवेश 15 अरब यूएस डॉलर से अधिक है. ये समूह धातु, कार्बन ब्लैक और रसायन जैसे क्षेत्रों में 15 राज्यों में कार्यरत है. कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा, यूएसआईएसपीएफ की कार्यकारी समिति में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है. बहुत कम समय में यूएसआईएसपीएफ अमेरिका और भारत के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को आकार देने और मज़बूत करने में एक मज़बूत शक्ति बन गया है. दोनों देशों के बीच संवाद, सहयोग और विश्वास को बढ़ावा देने में इसके योगदान ने एक सार्थक बदलाव लाया है.

उन्होंने कहा, अमेरिका-भारत साझेदारी दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण साझेदारियों में से एक है, मेरा लंबे समय से मानना रहा है कि जब हमारे दोनों देश उद्देश्य और स्पष्टता के साथ एक साथ आते हैं तो वे वैश्विक वाणिज्य और नवाचार की दिशा को बेहतर बना सकते हैं. उल्लेखनीय है कि कुमार मंगलम बिड़ला को हाल ही में वाशिंगटन डीसी में आयोजित 2025 यूएसआईएसपीएफ लीडरशिप समिट में ग्लोबल लीडरशिप अवार्ड से भी सम्मानित किया गया था.

स्टॉक मार्केट में मेटा इंफोटेक की धमाकेदार एंट्री

प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लग गया अपर सर्किट

एजेंसी । नई दिल्ली

बैंकिंग, आईटी और मैन्युफैक्चरिंग समेत अलग-अलग इंडस्ट्रीज के लिए साइबर सिक्योरिटी सॉल्यूशंस प्रोवाइड करने वाली कंपनी मेटा इंफोटेक के शेयरों ने शुक्रवार को स्टॉक मार्केट में धमाकेदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 161 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 64 रुपये यानी 39.75 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 225 रुपये के स्तर पर हुई. लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 236.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए. इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 46.74 प्रतिशत का मुनाफा हो गया. मेटा इंफोटेक का 80.18 करोड़ रुपये का आईपीओ 4 से 8 जुलाई के

बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 155.28 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इस आईपीओ के तहत 20.04 करोड़ रुपये के 12.45 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं. इसके अलावा कंपनी के प्रोमोटर वेणुगोपाल पेरुरी ने 60.13 करोड़ रुपये के 37.35 करोड़ शेयरों की ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बिक्री की है. आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी.

आयकर विभाग ने आईटीआर-2 और आईटीआर-3 फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटी जारी किया

नयी दिल्ली । आयकर विभाग ने शुक्रवार को आईटीआर-2 और आईटीआर-3 फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटीज जारी कर दी है. इसका उपयोग कर योग्य पूंजीगत लाभ, क्रिप्टो इनकम और अन्य आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए किया जा सकता है. आयकर विभाग ने इससे पहले सिर्फ आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म (ऑनलाइन और एक्सेल यूटिलिटी दोनों) जारी किए थे. आयकर विभाग ने आज एक बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर -2 और आईटीआर-3 फॉर्म की एक्सेल यूटिलिटीज अब लाइव कर दिया गया है.

लगातार तीसरे दिन गिरकर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 690 अंक टूटा

नयी दिल्ली : वैश्विक बाजारों से सुस्त संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार भी हफ्ते के लास्ट ट्रेडिंग सेशन यानी शुक्रवार को गिरावट में बंद हुए. इसी के साथ प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी-50 और सेंसेक्स लगातार तीसरे ट्रेडिंग सेशन में लाल निशान में रहे. टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के नतीजे उम्मीद से कमजोर रहने के चलते इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजीस शेयरों में गिरावट ने बाजार को नीचे खींचा. वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के कनाडा पर 35% टैरिफ लगाने के ऐलान ने वैश्विक व्यापार चिंताओं को बढ़ा दिया. तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 370 अंक की गिरावट लेकर 82,820 अंक पर पर ओपन हुआ. कारोबार के दौरान यह 82,442.25 अंक तक फिसल गया था. अंत में यह 689.81 अंक या 0.83 फीसदी की गिरावट लेकर 82,500.47 पर बंद हुआ. सेंसेक्स की 30 कंपनियों में 23 कंपनियों के शेयर लाल जबकि केवल 7 कंपनियों के शेयर हरे निशान में बंद हुए.

सोना 830 रुपये हुआ महंगा, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुक्रवार को तेजी का रुख है. सोना शुक्रवार को 760 रुपये से 830 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है. इसी तरह चांदी के भाव में भी 1,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी आई है. भाव में उछाल आने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये से लेकर 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार किया है. इसी तरह 22 कैरेट सोना शुक्रवार को 90,750 रुपये से लेकर 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिका है. चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,11,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिका है. दिल्ली में 24 कैरेट सोना 99,150

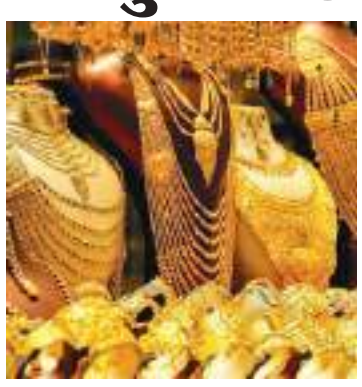

रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार किया है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना शुक्रवार को 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिका है. कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार किया है. लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका है. जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका है.

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

न्यूज अपडेट

आईपी यूनिवर्सिटी और सीईएमसीए के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ

नई दिल्ली । गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) और कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया के बीच शुक्रवार को एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया. इस साझेदारी को सीईएमसीएआईपीयू नाम दिया गया है, जो शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, समावेशिता और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है. यह एमओयू सीईएमसीए के निदेशक डॉ. बशीर अहमद शद्रच और जीजीएसआईपीयू के रजिस्ट्रार डॉ. कमल पाठक द्वारा हस्ताक्षरित किया गया. समारोह के दौरान, कुलपति प्रो. महेश वर्मा ने इस समझौते को शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में अहम कदम बताया.

धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर को लेकर बलरामपुर पहुंची एटीएस

बलरामपुर । अवैध रूप से धर्मांतरण कराने के मामले में गिरफ्तार आरोपित जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को लेकर यूपी एटीएस शुक्रवार को उसके गांव मधुपुर स्थित कोठी पर पहुंची. यहां 40 मिनट रुकने के बाद बाबा छांगुर को लेकर टीम वापस लखनऊ को लौट गई. इस दौरान बाबा के कोठी के आसपास एटीएस के कमांडो तैनात रहे. दरअसल, अवैध रूप से धर्मांतरण कराने के मामले में गिरफ्तार जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसकी सहयोगी नसरीन उर्फ नीतू इस समय पुलिस रिमांड पर हैं. दोनों से धर्मांतरण और विदेशी फंडिंग को लेकर पूछताछ चल रही है. साक्ष्यों को इकट्ठा करने के उद्देश्य से एटीएस की टीम छांगुर बाबा को लेकर यहां मधुपुर में स्थित उसकी कोठी पर पहुंची. इस दौरान मीडिया को दूर रखा गया और छानबीन के समय पूरी कोठी को एटीएस कमांडों ने घेरा बना रहा.

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने टी राजा सिंह का इस्तीफा स्वीकार किया

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तेलंगाना के गोशामहल विधानसभा से तीन बार के विधायक टी राजा सिंह का पार्टी से इस्तीफा मंजूर कर लिया है. शुक्रवार को भाजपा महासचिव और मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह द्वारा जारी पत्र के अनुसार टी. राजा सिंह ने इस्तीफे के साथ जो बातें लिखी थीं, उसे अप्रासंगिक बताते हुए इस्तीफे को तत्काल प्रभाव से स्वीकार लिया गया है. उल्लेखनीय है कि तेलंगाना के गोशामहल से चर्चित विधायक टी राजा सिंह ने एन रामचंदर राव को तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के विरोध में पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था. राजा सिंह ने अपने इस्तीफे में पार्टी नेतृत्व पर कार्यकर्ताओं की अनदेखी और गलत नेतृत्व चयन का आरोप लगाया था.

वडोदरा-आणंद के बीच गंभीरा ब्रिज दुर्घटना में मृतकों की संख्या 21 हुई

गांधीनगर । वडोदरा और आणंद के बीच गंभीरा पुल हादसे के बाद तीसरे दिन के रेस्क्यू अभियान में तीन ट्रक और एक बाइक को नदी से बाहर निकाला गया. हादसे में घायलों में से दो और लोगों की अस्पताल में मौत के बाद मरने वालों की संख्या 21 हो गई है. इसी बीच राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने घटनास्थल का दौरा किया और बाद में अस्पताल में घायलों से मिले और उनका हाल जाना. वडोदरा और आणंद के बीच नदी पर बना गंभीरा पुल 9 जुलाई को अचानक ढह गया था, जिससे कई वाहन नदी में गिर गए थे. हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई थी और दो लोग लापता हो गए थे. दुर्घटना के बाद रेस्क्यू अभियान चलाया गया.

आतंकी फंडिंग मामले में एसआईए ने जम्मू-कश्मीर में की छापेमारी

श्रीनगर । राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने आतंकी वित्तपोषण से जुड़े एक मामले में जम्मू, डोडा और हंदवाड़ा में तीन ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया. इन तलाशियों के दौरान महत्वपूर्ण सबूत मिले हैं, जिससे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले गुप्त वित्तीय नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है. एक अधिकारी के अनुसार इन तलाशियों का उद्देश्य क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से सीमा पार से फंडिंग से जुड़ी एक जटिल साजिश का पर्दाफाश करने के लिए महत्वपूर्ण सबूत जुटाना था, जिसका जम्मू-कश्मीर में शांति भंग होने की आशंका है. तलाशी अभियान का लक्ष्य उन व्यक्तियों की पहचान करना था, जो युवाओं को भारत के खिलाफ भड़का रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है.

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की क्षेत्रीय बैठक आज केवड़िया में

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की क्षेत्रीय बैठक शनिवार को केवड़िया में होगी. बैठक में गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गोवा, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के विभागों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे. क्षेत्रीय बैठक की केन्द्र-राज्य के बीच रचनात्मक संवाद और तालमेल के लिए एक मंच के रूप में कल्पना की गई है, जिसमें मंत्रालय की प्रमुख योजनाएं लागू करने को मजबूती प्रदान करने पर मुख्य रूप से चर्चा होगी. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की तरफ से जारी की गई जानकारी के मुताबिक बैठक में पोषण ट्रैकर जैसे डिजिटल उपकरणों का एकीकरण का उपयोग और जमीनी स्तर पर प्रौद्योगिकी-सक्षम को बढ़ाने की रणनीतियों जैसे पहलुओं पर चर्चा होगी.

छत्तीसगढ़ : 37 लाख से ज्यादा के 22 इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

- पुलिस ने इनमें से 20 नक्सलियों के नाम सार्वजनिक किए हैं.

एजेंसी ।नारायणपुर /रायपुर

नारायणपुर में शुक्रवार को कुल 22 इनामी नक्सलियों ने आईटीबीपी और बीएसएफ के अधिकारियों, एएसपी प्रभात कुमार और नारायणपुर के आला अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया है. आत्मसमर्पित नक्सलियों में कुल 37 लाख 50 हजार रुपये के इनामी नक्सली शामिल हैं. इनमें 14 पुरुष और 8 महिला नक्सली शामिल हैं. एसपी रॉबिनसन गुड़िया ने बताया कि इनमें से अधिकांश नक्सली कुतुल एरिया कमेटी के तहत कार्य करते थे और वे अबूझमाड़ में सबसे ज्यादा सक्रिय थे. पुलिस ने इनमें से 20 नक्सलियों के नाम उजागर किया है. पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुड़िया ने पत्रकारों को आत्मसमर्पित नक्सलियों की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें सबसे प्रमुख कुतुल एरिया कमेटी का सचिव और उसकी पत्नी है. आठ लाख रुपये का इनामी कुतुल एरिया कमेटी सचिव सुखलाल कुंजाम और उसकी पत्नी हिड़मे कुंजाम ने हथियार डालकर लाल आतंक से किनारा कर लिया है. हिड़मे कुंजाम पर 5 लाख रुपये का इनाम है. सुखलाल कुंजाम, कुतुल एरिया कमेटी सचिव था. वह बीते पिछले 14 वर्षों से सक्रिय रहा है. इरकभट्टी कैंप पर ग्रेनेड हमला सहित कई घटनाओं में सुखलाल कुंजाम शामिल रहा , जबकि उसकी पत्नी माड़ डिवीजन की सप्लाई टीम एसीएम की सदस्य थी. इस आत्मसमर्पण पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि लोग अब बंदूक नहीं, विकास की राह पर साथ चलना चाहते हैं. हमारी सरकार में अब तक कुल 1476 माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं.

नारायणपुर एसपी रॉबिनसन गुड़िया ने बताया कि सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है. उससे जुड़े चेक प्रदान किए गए हैं. इसके अलावा उन्हें नक्सल पुनर्वास नीति के तहत अन्य सुविधाएं दी जाएंगी.

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने बताया कि अबूझमाड़ में लगातार हो रही पुलिस कैंपों की स्थापना और विकास कार्यों की शुरुआत से संगठन कमजोर हुआ है. इसके साथ ही प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे पुनर्वास योजनाओं और जनजागरण अभियानों ने भी उन्हें मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है.

पाक में बस से नौ यात्रियों को उतारकर ले गए आतंकी, बाद में गोलियों से भूना

बीएलए ने लिया जिम्मा

इस्लामाबाद, 11 जुलाई (हि.स.). पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत के झोब और लोरलाई जिलों की सीमा पर स्थित सुर-दकई इलाके में गुरुवार रात हथियारबंद आंतवादियों ने पंजाब जाने वाली दो बसों में सवार कम से कम नौ यात्रियों का अपहरण कर उनकी गोलीमार कर हत्या कर दी. वारदात के कुछ समय बाद इसकी जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने ली. डॉन अखबार की खबर के अनुसार, झोब के सहायक आयुक्त नवीद आलम ने कहा कि दो बसों से अगवा किए गए नौ लोगों की हत्या कर दी गई है. उनके शव बरामद कर लिए गए हैं. शवों को पंजाब में उनके पैतृक शहरों में भेजने के लिए राखनी ले जाया जा रहा है. बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने घटना की पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि आतंकवादी संगठन ने तीन काकट, मस्तुंग और सुर-दकई पर हमले किए हैं. सुर-दकई इलाके में कुछ यात्रियों को अगवा किया गया है. सुरक्षा बलों ने बाकी अपहृत यात्रियों की सुरक्षित बरामदगी के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है.

बताया गया है कि पंजाब जा रही दो बसों को एन-70 राजमार्ग के पास सुर-दकई इलाके में जाम लगाकर रोका गया. इसके बाद हथियारबंद यह लोग बसों में चढ़ गए. यात्रियों के पहचान पत्र जांचे. इनमें 10 को बंदूक के दम पर बसों से उतारकर अपने साथ ले गए. एक बस यात्री ने बताया कि कुछ देरबाद गोलियों की आवाज सुनाई पड़ी. अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षाबलों ने सारे राजमार्ग पर जगह-जगह नाकाबंदी कर आतंकवादियों की तलाश शुरू कर दी है. प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली है. समूह के प्रवक्ता ने कहा कि लड़ाकों ने मुसाखाइल-मख्तार और खजूरी के बीच राजमार्ग को अवरुद्ध करने के बाद नौ व्यक्तियों की हत्या कर दी.

जियो न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने यात्रियों की नृशंस हत्या की कड़ी निंदा की है. बुगती ने कहा कि हमलावरों ने जानबूझकर निर्दोष नागरिकों को उनकी पहचान के आधार पर निशाना बनाया. बुगती ने कहा कि आतंकवादियों ने एक बार फिर अपनी कायरता और पाशविक प्रवृत्ति का परिचय दिया है. उन्होंने कहा कि सरकार ने यात्री बसों की सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की है और एन-70 पर रात को यात्रा प्रतिबंधित है. हालांकि, एक बस सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए शाम के समय एन-70 मार्ग से रवाना हुई. सरकार जांच कर रही है कि सुरक्षा व्यवस्था की किन खामियों के कारण यह वारदात हुई. उन्होंने यह पुष्टि की कि एक सामान्य आतंकवादी धमकी पहले मिली थी. इसके बाद कलात और मस्तुंग में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी. एक दिन पहले ही यात्री ट्रेनों के आवागमन पर रोक लगाई गई है. जिस इलाके में यह घटना हुई, वहां कोई खतरा नहीं था.

रूस का कीव पर हवाई हमला दो लोगों की मौत, 22 घायल

एजेंसी ।कीव

रूस ने नौ जुलाई की शाम छह बजे से दस जुलाई की पूरी रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर ताबड़तोड़ हवाई हमला कर आधारभूत संरचना को भारी क्षति पहुंचाई है. इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए. यूक्रेन की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी 'यूक्रिनफॉर्म' ने शुक्रवार सुबह यह खबर प्रसारित की है. खबर के अनुसार, रूस ने खासतौर पर कीव को निशाना बनाया. उसने ब्रांस्क, प्रिमोर्स्को-अख्तरस्क, कुर्स्क, ओर्योल और मिलरोवो से 397 यूएवी (शाहेड ड्रोन) से हवाई हमला किया. ब्रांस्क क्षेत्र से आठ इस्कंदर-एम बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं. इसके अलावा सारातोव क्षेत्र के ऊपर रूसी हवाई क्षेत्र से छह केएच-101 क्रूज मिसाइलें और कुर्स्क क्षेत्र से चार एस-300 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागीं. 'यूक्रिनफॉर्म' ने दावा किया कि यूक्रेन के वायु रक्षा बलों ने 178 रूसी हवाई खतरों को निष्क्रिय कर दिया. रूस ने कुल 415 प्रेक्षपास्त्र दागे. रूस के हवाई हमले का जवाब यूक्रेनी विमानन, वायु रक्षा मिसाइल बलों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (ईडब्ल्यू) इकाइयों, ड्रोन रक्षा प्रणालियों और यूक्रेनी रक्षा बलों के मोबाइल फायर समूहों ने दिया. कीव पर रूसी हमले में घायलों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है. इसके अलावा दो लोगों की जान चली गई. 10 जुलाई की रात कीव पर हुए रूसी हवाई हमले में कीव मेट्रो पुलिस के एक 22 वर्षीय पुलिस कॉर्पोरल की मौत हो गई. मेयर क्लिट्स्को ने बताया कि पोडिल्स्की जिले में रूसी हमले में प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वच्छता सहायता केंद्र संख्या 1 का बाह्य रोगी क्लीनिक नष्ट हो गया. इसके अलावा यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) के एक अधिकारी की कीव के होलोसिव्स्की जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई. इस बीच यूक्रेन के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ जनरल ओलेक्सांद्र सिर्स्की ने एक विशेष बैठक में सैन्य चिकित्सा की वर्तमान चुनौतियों पर चर्चा की है. सिर्स्की ने कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता क्षेत्रीय चिकित्सा में सुधार, विशेष रूप से युद्ध के मैदान के अग्रिम मोर्चे से चिकित्सा निकासी शामिल है.

पूर्व पीएम शेख हसीना के करीबी अबुल बरकत को किया गिरफ्तार

- बरकत की गिरफ्तारी एनॉनटेक्स समूह से जुड़े 297 करोड़ टका के गबन के आरोप में की गई है.
- ढाका मेट्रोपॉलिटन डिटेक्टिव ब्रांच ने गुरुवार रात करीब 11:30 बजे धनमंडी-2 से बरकत को हिरासत में लिया.

एजेंसी ।ढाका

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के एक और करीबी पर अंतरिम सरकार ने शिकंजा कसा है. देश के प्रमुख अर्थशास्त्री और जनता बैंक के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अबुल बरकत को गुरुवार देररात ढाका पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. उनकी गिरफ्तारी एनॉनटेक्स समूह से जुड़े 297 करोड़ टका के गबन के आरोप में की गई है. ढाका ट्रिब्यून अखबार की शुक्रवार सुबह प्रसारित खबर के अनुसार, संयुक्त आयुक्त नसीरुल इस्लाम ने इसकी पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि ढाका मेट्रोपॉलिटन डिटेक्टिव ब्रांच ने गुरुवार रात करीब 11:30 बजे धनमंडी-2 से बरकत को हिरासत में लिया. भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने 20 फरवरी को बरकत और 22 अन्य लोगों के खिलाफ एनॉनटेक्स समूह के अंतर्गत 22 संस्थाओं को कथित रूप से अवैध ऋण देने का मामला दर्ज किया था. आरोप लगाया गया है कि बरकत ने बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर अतीउर रहमान और अन्य लोगों के साथ मिलकर धनराशि वितरित करने के लिए जाली दस्तावेजों में मिलीभगत की. आयोग का दावा है कि इससे सार्वजनिक कोष को भारी नुकसान हुआ. प्रो. बरकत ढाका विवि में अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष और बांग्लादेश अर्थशास्त्र संघ के अध्यक्ष रह चुके हैं. अवामी लीग सरकार ने उन्हें जनता बैंक के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया था.

कपिल शर्मा के कैफे में गोलीबारी से भारतीय उद्यमियों में दहशत

एजेंसी ।सरे (कनाडा)

भारतीय हास्य कलाकार और अभिनेता कपिल शर्मा के हाल ही में यहां खुले कैप्स कैफे (रेस्टोरेंट) पर हुई गोलीबारी से भारतीय उद्यमी डरे हुए हैं. यहां रह रहे भारतीय समुदाय ने कनाडा सरकार से तत्काल सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की गुहार लगाई है. इस बीच कपिल के कैफे ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि वह इस सदमे से उबर रहा है लेकिन हिंसा के खिलाफ अडिग हैं.

कैफे की टीम ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज के जरिए अपना दर्द साझा किया. वैंकूवर सन अखबार की खबर के अनुसार, जून से अब तक सरे शहर में दक्षिण एशियाई व्यापारिक समुदाय को प्रभावित करने वाली गोलीबारी की पांच वारदात हो चुकी हैं. एबॉट्सफोर्ड निवासी और व्यवसायी सतविंदर शर्मा (56) की 11 जून को गोली मारकर हत्या की जा चुकी है. इससे पहले लक्ष्मी नारायण मंदिर के अध्यक्ष और रिफ्लेक्शन बैंक्वेट हॉल्स के भी मालिक कुमार पर सात जून को गोलीबारी की गई. कई साल पहले उनके कारोबारी स्थल पर भी फायरिंग की गई थी. कुमार ने कहा कि इस समय सरे में रहना बहुत मुश्किल हो रहा है. यहां बहुत अधिक अपराध हो रहे हैं. हर दिन गोलीबारी हो रही है. कुमार ने कहा कि पुलिस ने कपिल के कैफे पर गुरुवार की गोलीबारी की घटना को हाल ही में हुई जबरन वसूली से जुड़े अपराधों से नहीं जोड़ा है, लेकिन स्थानीय समुदाय के लिए इन घटनाओं के बीच संबंध न देखना मुश्किल है. कुमार ने जबरन वसूली के मामलों में गिरफ्तारी कराने वाले सुराग के लिए 100,000 डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है.

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के सचिव हिरासत में

एजेंसी ।काठमांडू

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के नाम पर वक्तव्य जारी करते समय उनके नाम के आगे श्री 5 महाराजाधिराज की उपाधि लिखने के कारण उनके संवाद सचिव फणीराज पाठक को पुलिस ने हिरासत में लिया है. पुलिस की इस कार्यवाही पर राजा समर्थक दल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने आपत्ति जताई है. काठमांडू पुलिस के प्रवक्ता एसपी अपील राज बोहरा ने बताया कि संविधान के विपरीत आचरण करने के आरोप में पूर्व राजा के संवाद सचिव फणीराज पाठक को हिरासत में लिया गया है. एसपी बोहरा ने बताया कि पूर्व राजा के नाम पर जारी वक्तव्य में या सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनके नाम के आगे राजतंत्र की शैली में श्री 5 महाराजाधिराज का संबोधन किया जा रहा है. इस बात को लेकर संसद में कई सांसदों ने आपत्ति जताई थी, जिसके बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है.

मणिपुर की विकास परियोजनाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए

- केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने वर्चुअल बैठक में की समीक्षा

एजेंसी ।इंफाल

मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कर राज्य की प्रगति, चुनौतियां और चल रही परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की और विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए. शुक्रवार को हुई इस बैठक में केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी वर्चुअली शामिल हुए.

बैठक में पोलो पर्यटन सर्किट का विकास, विश्वविख्यात लोकतक झील के संवर्धन, पाम ऑयल की खेती को बढ़ावा और बुनकर समुदाय के लिए समर्थन जैसे प्राथमिक मुद्दों पर चर्चा हुई. केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने हालिया रुउभरता पूर्वोत्तर निवेशक सम्मेलनर से उत्पन्न निवेश अवसरों की समीक्षा की और उनके प्रभावी कार्यान्वयन को लेकर केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराई. बैठक में मणिपुर के राज्यपाल भल्ला ने सभी संबंधित अधिकारियों को पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय की परियोजनाओं को तेजी से लागू करने के निर्देश दिए. राजभवन की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान भविष्य की रणनीतियों और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान भी की गई. बयान के अनुसार, लॉजिस्टिक्स को मजबूत करना, निवेश को आकर्षित करना, ग्रामीण विकास को गति देना, प्राथमिक परियोजनाओं की निगरानी और डोनर व पूर्वोत्तर परिषद के तहत लंबित योजनाओं को पूरा करना बैठक के अहम एजेंडे में शामिल रहे.

गुरु पूर्णिमा पिठापुरम के श्रीविश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ आश्रम परिसर में ज्ञान चैतन्य सम्मान का आयोजन, डॉ. उमर अली शाह बोले-

सदस्यों को त्रयी साधना के माध्यम से सच्चा साधक बनाये जाने का प्रयास जारी

शुभम संदेश।पिठापुरम

पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि सदस्यों को त्रयी साधना के माध्यम से सच्चा साधक बनाया जाने का प्रयास किया जा रहा है. गुरुवार की सुबह गुरु पूर्णिमा के अवसर पर स्थानीय श्रीविश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के आश्रम परिसर में आयोजित ज्ञान चैतन्य सम्मान की अध्यक्षता पीठाधिपत डॉ. उमर अलीशा स्वामी ने की. मुरमल्ला विजया दुर्गा पीठ के मुख्य आयोजक व प्रसिद्ध पंचांग कर्ता बनाला दुर्गा प्रसाद ने पीठाधिपत डॉ. उमर अली शाह को

गजमाला से सम्मानित किया. उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं रोटरी ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन पीठाधिपत डॉ. उमर अलीशा ने किया. रक्तदान शिविर में करीब 90 लोगों ने रक्तदान किया. गुरु पूर्णिमा के शुभ मुहूर्त में पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने 126 लोगों को महामंत्र का उपदेश दिया.

गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर हजारों सदस्यों ने पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह के चरण कमलों में गुलाब की पंक्तियों के साथ पाद पूजा की और सद्गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया. गीतावधानी यरमशेट्टी उमामहेश्वर राव ने पाद पूजा कार्यक्रम का संचालन किया. उमर अली शाह ने ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा एक गरीब परिवार, मंजेसना वेंकट लक्ष्मी को 18,000 रुपये, एक गरीब महिला, वरालक्ष्मी को एक सिलाई मशीन और पक्षियों के भोजन के लिए अनाज के बंडल वितरित किए (अन्नामरेड्डी सोमाराजू और गीतावाणी छात्रवृत्ति के सौजन्य से).

डॉ. नारायण ने मोहम्मद रसूल के इतिहास ग्रंथ में 1000 छंदों की एक लघु पुस्तक लिखी है, जो 6ठे पीठाधिपति, कवि शेखर डॉ. उमर अली शाह द्वारा लिखित है. पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने गुरु पूर्णिमा के पवित्र महीने में मेरा पौधा -मेरी सांस योजना के तहत सभी को तीन पौधे लगाकर उसे गुरु दक्षिणा के रूप में देने की अपील की. उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक कमी के कारण असहिष्णुता और अशांति बढ़ रही है और नरसंहार हो रहा है. इसलिए सभी को किसी ज्ञात सद्गुरु की शरण में जाना चाहिए और ज्ञान का प्रकाश जलाकर उस अनुभव से समझना चाहिए कि मानवता ही ईश्वरत्व है और मानव सेवा ही माधव सेवा है.

उन्होंने कहा कि अध्यात्म के माध्यम से जीवन दर्शन को सुखमय बनाया जा सकता है. डॉ उमर अली शाह ने कहा कि अध्यात्म के माध्यम से आशा और धैर्य का विकास करके जीवन दर्शन को सुखमय बनाया जा सकता है. कार्यक्रम में केंद्रीय समिति सदस्य डॉ. पिंगली आनंद कुमार, एवीवी सत्यनारायण, एनटीवी प्रसाद वर्मा, पीठापुरम नगर आयुक्त एन कनका राव, सेवानिवृत्त आईएएस दसारी श्रीनिवास, मारेड्डी श्रीनिवास, जनसेना पीठापुरम निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी, शांति आश्रम प्रशासक नल्ला सत्यनारायण, सेवानिवृत्त आरटीओ रामचन्द्र राव सहित अन्य ने भाग लिया.

स्वायत्ताधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक सुरजीत सिंह द्वारा फ्लैट नंबर 48, श्रीवाटिका अपार्टमेंट, चेशायर होम रोड, रेजीमेंटल गेट नंबर 1 के सामने, पोस्ट कोकर, पीएस सदर, रांची - 834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : सुरजीत सिंह. स्थानीय संपादक : संजय सिंह*** फोन नंबर 0651-2961734. (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.**)